शनिवार
28 सितंबर 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

विवाद : चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ मंत्री हरि सहनी ने दरभंगा कोर्ट में रखा अपना पक्ष 2

राज्य में अब तक लगाया जा चुका है 50.23 लाख स्मार्ट प्री-पेड मीटर, सौर ऊर्जा को मिले बढ़ावा

- शहरी क्षेत्रों में 17.47 लाख, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 32.76 लाख स्मार्ट प्री-पेड मीटर लगाए जा चुके
- बिजली की खपत पर राज्य सरकार 15 हजार 343 करोड़ रुपये अनुदान दे रही है

केटी/पटना

सीएम नीतीश कुमार ने ऊर्जा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्मार्ट प्री-पेड मीटर की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान ऊर्जा विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ऊर्जा विभाग के कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने स्मार्ट प्री-पेड मीटर के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में अब तक 50.23 लाख स्मार्ट प्री-पेड मीटर लगाया जा चुका है। जिसमें शहरी क्षेत्रों में 17.47 लाख, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 32.76 लाख स्मार्ट प्री-पेड मीटर लगाए जा चुके हैं। वर्ष 2025 तक शेष स्मार्ट मीटर को भी लगा दिया जाएगा। स्मार्ट प्री-पेड मीटर के उपयोग करने पर राज्य सरकार द्वारा दी जानेवाली सब्सिडी के अलावे रिचार्ज कराने पर 3 प्रतिशत का वित्तीय लाभ मिलता है। उपभोक्ता दैनिक खपत एवं ऊर्जा शुल्क की राशि स्मार्ट मीटर में देख सकते हैं। स्मार्ट प्री-पेड मीटर के उपयोग से उपभोक्ता की मनःस्थिति में ऊर्जा खपत के प्रति हमेशा सजगता बनी रहती है जिससे ऊर्जा की बचत होती है। बिजली की खपत पर राज्य सरकार 15 हजार 343 करोड़ रुपये अनुदान दे रही है। स्मार्ट प्री-पेड मीटर बिजली की खपत में बचत के साथ-साथ लोगों को बिजली बिल के भुगतान में भी सहूलियत प्रदान करती है। इसमें किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि की शिकायत मिलती है तो उसका तत्काल समाधान करें। इस दौरान सीएम ने कहा कि यह लगातार शिकायत मिल रही है कि बिजली बिल में सुधार नहीं किया जा रहा है। परेशान होकर उपभोक्ता कोर्ट की शरण में जा रहे है। इस तरह के मामले रोके जाए।

राज्य के लोगों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने का प्रयास

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018 में सभी घरों तक बिजली पहुंचा दी गई है। सभी को निर्बाध बिजली की आपूर्ति की जा रही है। बिजली की खपत पर राज्य सरकार उपभोक्ताओं के लिये अनुदान के रूप में राशि खर्च कर रही है। ताकि राज्य के लोगों को सस्ती बिजली मिल सके। सरकार लोगों की समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशील है और उन्हें सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उपभोक्ताओं की किसी प्रकार की शिकायत मिलती है उसका तत्काल समाधान करें। उन्हें जानबुझकर परेशान नहीं किया जाए। ताकि उनका बिजली बिल बढ़े।

वर्ष 2005 के बाद बदली बिजली की व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 के पहले राज्य में बिजली की क्या स्थिति थी ये सभी लोग जानते है। सरकार में आने के बाद से लोगों को बिजली उपलब्ध कराने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। स्मार्ट प्री-पेड मीटर को लेकर कुछ लोगों द्वारा भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। आजादी के बाद से 2005 तक जब उनलोगों की सरकार थी तो बिहार को बिजली के मामले में उनलोगों ने कितनी बदतर स्थिति में पहुंचा दिया था। हमने 15 अगस्त 2012 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांधी मैदान में अपने संबोधन के दौरान वादा किया था कि अगर बिजली की स्थिति में सुधार नहीं लायेंगे तो 2015 के विधानसभा चुनाव में मैं वोट मॉगने लोगों के बीच नहीं आऊँगा। हमने वादा किया और उसे अक्षरशः पूरा करते हुये हर घर तक लोगों को बिजली पहुंचा दी गई। जो लोग दुष्प्रचार और अफवाह फैला रहे हैं उससे लोग भ्रमित न हों। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच अभियान चलाकर स्मार्ट प्री-पेड मीटर के फायदे के बारे में लोगों को बताएं और उपभोक्ताओं की समस्या के समाधान के लिए पूरी तत्परता से काम करें। सभी जिलाधिकारी भी स्मार्ट प्री-पेड मीटर के फायदे के संबंध में लोगों को जागरूक और प्रेरित करें।

सौर ऊर्जा का करें ज्यादा उपयोग

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों ने सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया है। सभी सरकारी भवनों की छतों पर सोलर प्लेट लगाए गए हैं। सभी गांव और टोलों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है ताकि लोगों को रात में भी रोशनी मिलती रहे और आवागमन में कोई असुविधा न हो। किसानों के लिये कृषि फीडर लगाये जा रहे हैं ताकि किसानों को सस्ती और निर्बाध बिजली मिलती रहे और उन्हें सिंचाई कार्य में असुविधा न हो। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस सिद्धार्थ, ऊर्जा विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, नॉर्थ बिहार पावर ड्रिस्ट्रिब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक निलेश देवड़े सहित ऊर्जा विभाग के अन्य वरीय अधिकारीगण एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

हरियाणा के रेवाड़ी में केंद्रीय गृहमंत्री ने भरी हुंकार, कांग्रेस पर जमकर किया प्रहार

अमित शाह बोले... हर अग्निवीर को मिलेगी स्थायी व पेंशन वाली नौकरी

- प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में चुनाव प्रचार की शुरुआत रेवाड़ी से ही की थी, वन रैंक वन पैंशन को पूरा करने का काम भाजपा ने किया
- कांग्रेस पार्टी वाले सेना का सम्मान नहीं करते

केटी न्यूज/रेवाड़ी

भाजपा की तरफ से स्टार प्रचारक हरियाणा में चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इस तहत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरियाणा के रेवाड़ी में पहुंचे। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार हर अग्नीवीर को पक्की नौकरी देगी। साथ ही अग्निवीरों को पेंशन भी दिया जाएगा। सरकार युवा शक्ति के महत्व को समझती है। उनके कार्य को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब हरियाणा में कांग्रेस सरकार थी तो भ्रष्टाचार पर काम करती थी। जिसमें डीलर-दलाल और दिल्ली में बैठा दामाद शामिल है। शाह ने कहा कि कांग्रेस दलितों पर अत्याचार करती है। लोग गोहाना और मिर्चपुर कांड अभी तक भूले नहीं हैं। इस से पहले अमित शाह ने मौती चौक घंटेश्वर मंदिर को भी प्रणाम किया। अमित शाह ने कहा कि ये हरियाणा की भूमि बलिदान और वीरता, ज्ञान, अध्यातम और गीता की भूमि, ये हरियाणा की भूमि शक्ति और समृद्धी की भूमि है। हमारे गुजरात में हरियाणा पंजाब को सम्मान से देखा जाता है। इस दौरान अमित शाह ने हरियाणा की भूमि ने हर दसवां जवान सेना में भेजा है। कांग्रेस ने सेनाध्यक्ष को गुंडा कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस शासित राज्यों में एसएसपी लागू करके दिखाएं। शाह ने दोहराया कि हरियाणा में कांग्रेस की रैली में पाकिस्तान के नारे लगे। अमित शाह ने कहा कि हमें याद है, जब प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में चुनाव प्रचार की शुरूआत रेवाड़ी से ही शुरू की थी। वन रैंक वन पैंशन को पूरा करने का काम भाजपा ने किया। उन्होंने ने कहा सेना में भर्ती होने वाले हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे। कांग्रेस वाले सेना का सम्मान नहीं करते। रैली में भाजपा के वरिष्ठ नेता केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सुरेंद्र नागर प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, सहित स्थानीय नेता मंच पर मौजूद थे। अमित शाह ने रेवाड़ी से प्रत्याशी लक्ष्मण यादव, बावल से डॉक्टर कृष्ण कुमार व कोसली से अनिल यादव के लिए वोट करने की अपील की।

आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वोट बैंक के लालच में तुष्टीकरण की राजनीति करती है। कांग्रेस के जमाने में हरियाणा में हथिनी से थानसेर तक पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते थे। राहुल गांधी अमेरिका में जाकर आरक्षण हटाने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हमने आरक्षण में क्रीमी लेयर को बढ़ाया है। गृहमंत्री ने कहा कि ये (राहुल गांधी) हम पर आरोप लगाते थे कि हम आरक्षण समाप्त करने वाले हैं और अमेरिका जाकर अंग्रेजी में बोलकर आए कि आरक्षण समाप्त कर देंगे। जब तक संसद में बीजेपी का एक भी सांसद है, तब तक आप आरक्षण समाप्त नहीं कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी चेन्नई मेट्रो व एकीकृत शिक्षा पर उपलब्ध कराएं फंड : स्टालिन

केटी न्यूज/नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने चेन्नई मेट्रो और एकीकृत शिक्षा पहल के लिए लंबित धनराशि को जल्द जारी करने के अलावा तमिल मछुआरों की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप की मांग की। डीएमके अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक को उद्देश्यपूर्ण बताते हुए तीन मुख्य मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट पेश की। वहीं इस बैठक के बाद सीएम स्टालिन ने पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री ने धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनी। चेन्नई मेट्रो के लिए धनराशि की मांग कीइस दौरान सीएम एमके स्टालिन ने चेन्नई मेट्रो परियोजना के लिए शीघ्र धनराशि जारी करने की मांग की, क्योंकि अब तक 18,544 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण पर काम शुरू करना चाहती है और लंबित बकाया राशि का भुगतान न किए जाने से कार्य में देरी हुई है। वहीं एकीकृत शिक्षा पहल के बारे में स्टालिन ने 60:40 केंद्र-राज्य वित्तपोषित कार्यक्रम की पहली किस्त में देरी पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि तमिलनाडु ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सकारात्मक तत्वों को शामिल किया है, लेकिन उसने त्रिभाषी नीति को स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा, हमने समझौता ज्ञापन में सुधार करने के लिए कहा है कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। सीएम स्टालिन ने श्रीलंकाई नौसेना की तरफ से गिरफ्तार किए गए तमिल मछुआरों की दुर्दशा पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी से व्यक्तिगत हस्तक्षेप का अनुरोध किया और कहा कि 191 मछली पकड़ने वाली नावें और 145 मछुआरे पकड़े गए हैं। उन्होंने अगले महीने कोलंबो में होने वाली भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति की बैठक में मामले का समाधान करने की मांग की।

संदीप घोष की जमानत अर्जी खारिज

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की हत्या मामले और अस्पताल में वित्तीय अनियमितता मामले में आरोपी पूर्व प्राचार्य संदीप घोष की जमानत याचिका सीबीआई की अदालत ने खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। अगर यह साबित होते हैं तो उनको मौत की सजा भी हो सकती है।

भारी बारिश में उज्जैन के महाकाल मंदिर के पास की दीवार गिरी, दो लोगों की मौत

उज्जैन। मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश में शुक्रवार देर शाम उज्जैन में बड़ा हादसा हो गया। यहां महाकाल मंदिर के चार नंबर गेट के पास बनी एक दीवार मिट्टी धंसने के चलते गिर गई। जानकारी के मुताबिक मलबे में कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस-प्रशासन की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। दीवार गिरने से कुछ लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। अभी तक मलबे की चपेट में आने से एक और महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौत की सूचना है। बारिश व पानी जमा होने से बचाव कार्य में दिक्कत हो रही है। सूत्रों के अनुसार हादसे में अब तक कुल करीब 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों में बच्चे और महिलाएं शामिल है।

विरुधुनगर में अनियंत्रित बस सड़क किनारे पलटी, तीन स्कूली छात्रों समेत चार की मौत

एजेंसी/चेन्नई

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के श्रीविल्लीपुथुर के पास ममसापुरम में शुक्रवार को एक निजी मिनी बस के पलट जाने से तीन स्कूली छात्रों सहित चार यात्रियों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि ममसापुरम में गांधी नगर इलाके के पास एक मोड़ पर मिनी बस के चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वाहन सड़क से फिसल गया और सड़क किनारे खड्डे में जा गिरा। बस पलट जाने से उसमें सवार यात्री उसके नीचे दब गए।तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मियों और पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बचाया और उन्हें इलाज के लिए श्रीविल्लीपुथुर के सरकारी अस्पताल भेजा। ममसापुरम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास हुई दुर्घटना में मारे गये लोगों की पहचान मदसामी (29), स्कूली छात्र वसुराज (16), नीतीश कुमार (17) और एक कॉलेज छात्र सतीश कुमार (20) के रूप में की गई है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया।

पीएम ने एकाधिकार मॉडल से छीन ली नौकरियां : राहुल

एजेंसी/नई दिल्ली

राहुल गांधी ने रोजगार और उद्योग को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के एकाधिकार मॉडल ने युवाओं की नौकरियां छीन लीं। साथ ही एमएसएमई को तबाह कर दिया। उन्होंने जीएसटी को सरल बनाने और बैंकिंग प्रणाली को छोटे व्यवसायों के लिए खोलने की जरूरत पर जोर दिया। जम्मू में ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस (एआईपीसी) के कार्यक्रम डोगरी धाम विद आरजी का एक वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के एक युवा स्टार्ट-अप मालिक की आंखों में भारत के उद्यमियों और छोटे व्यवसाय मालिकों के बीच संघर्ष को लेकर निराशा दिखती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी और नोटबंदी जैसी नीतियों ने छोटे और मध्यम उद्योगों पर हमला किया। इसने भारत को उत्पादक अर्थव्यवस्था से उपभोक्ता अर्थव्यवस्था में बदल दिया। ऐसे में न तो हम चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और न ही सभी भारतीयों की समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत बेहतरी का हकदार है। राहुल गांधी ने कहा कि हमें रोजगार सृजन के लिए जीएसटी को सरल बनाना चाहिए और बैंकिंग प्रणाली को छोटे व्यवसायों के लिए खोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण रोजगार की बिगड़ी संरचना है। रोजगार पर 10 में पांच एकाधिकारों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने कहा कि बड़े एकाधिकारों ने राजनीतिक व्यवस्था पर नियंत्रण किया हुआ है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के पास कौशल, क्षमताओं का एक विशाल समूह है। उन्होंने कहा कि कौशलों को वित्त, प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ना और जमीनी स्तर से उद्योगों का निर्माण करके ही आगे बढ़ा जा सकता है।

बलात्कार, सामूहिक बलात्कार और हत्या पीड़िताओं को योगी सरकार ने प्रदान की सहायता

पीड़ित एससी-एसटी परिवारों के लिए 1400 करोड़ रुपये आवंटित

केटी न्यूज/लखनऊ

योगी सरकार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। योगी सरकार ने हत्या, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की पीड़िताओं को साढ़े सात वर्ष में 1447 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी है। यह सहायता अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989) और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत प्रदान की जाती है। अपराध की गंभीरता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़ितों और उनके परिवारों को जरूरत पर सरकार की तरफ से मदद मिले। केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार यह सहायता 85,000 रुपये से 8.25 लाख रुपये तक होती है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य पीड़ितों और उनके परिवारों को समय पर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें सहायता मिल सके। इस पहल के तहत सरकार यह सुनिश्चित करती है कि परिवारों को जांच और परीक्षण के महत्वपूर्ण बिंदुओं के आधार पर आवश्यक सहायता मिले।

हर जनपद स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में टीम गठित

जनपद स्तर पर जिलाधिकारी व तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में गठित है समिति विभिन्न अपराधों से पीड़ित एससी-एसटी की महिलाओं को न्याय मिले। इसके लिए जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सतर्कता व मॉनीटरिंग समिति कार्य करती है, जबकि तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में उपखंड स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की व्यवस्था की गई है। गठित टीम पीड़ितों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। हत्या या अत्याचार के कारण मृत्यु होने पर परिजनों को 8.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिलती है। इसमें मुआवजा दो चरणों में वितरित किया जाता है। 50 प्रतिशत राशि पोस्टमार्टम के तुरंत बाद और शेष 50 प्रतिशत औपचारिक रूप से अदालत में चार्जशीट जमा होने के बाद प्रदान की जाती है।बलात्कार या सामूहिक बलात्कार के मामले में, पीड़ित 5.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के हकदार हैं। कानूनी प्रक्रिया के दौरान यह सहायता चरणबद्ध तरीके से प्रदान की जाती है। कुल 50 प्रतिशत राशि मेडिकल जांच और मेडिकल रिपोर्ट की पुष्टि के बाद दी जाती है, 25 प्रतिशत राशि कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने के बाद दी जाती है और अंतिम 25 प्रतिशत राशि निचली अदालत में मुकदमा समाप्त होने के बाद दी जाती है। धारा 376 घ के तहत सामूहिक बलात्कार की पीड़िता को राज्य सरकार 8.25 लाख रुपये प्रदान करती है। इसमें 50 प्रतिशत राशि मेडिकल जांच और मेडिकल रिपोर्ट के सत्यापन के बाद दी जाती है। 25 प्रतिशत राशि कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने के बाद दी जाती है। अंतिम 25 प्रतिशत राशि निचली अदालत में मुकदमा समाप्त होने पर दी जाती है।

सूबे के 250 बालू घाटों की ऑनलाइन बुकिंग 16 अक्टूबर से

- खान एवं भू-तत्व विभाग बालू-मित्र पोर्टल के जरिये बालू की आन लाइन बिक्री में जुटा
- विभाग ने सफेद और पीली दोनों किस्म की बालू की बिक्री का निर्णय लिया

केटी न्यूज/पटना

बिहार में जल्द ही आम नागरिक ऑनलाइन बालू खरीद सकेंगे। खान एवं भू-तत्व विभाग बालू-मित्र पोर्टल के जरिए बालू की ऑनलाइन बिक्री योजना पर काम कर रहा है। इस पोर्टल पर बालू की उपलब्धता कीमतें और गुणवत्ता दिखाई जाएगी। 16 अक्टूबर के बाद यह सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। विभाग 250 बालू घाटों से खनन की तैयारी भी कर रहा है। दरअसल, बिहार में अब ई-कामर्स साइट की तर्ज पर आम नागरिक आन लाइन बालू भी खरीद सकेंगे। खान एवं भू-तत्व विभाग बालू-मित्र पोर्टल के जरिये बालू की आन लाइन बिक्री योजना को अंतिम रूप देने में जुटा है। संभावना है कि 16 अक्टूबर के बाद यह सुविधा शुरू हो जाएगी। खान एवं भू-तत्व विभाग ने करीब महीने भर पहले ही बालू मित्र पोर्टल के जरिये आन लाइन बालू बिक्री योजना स्वीकृत की थी। इसके लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआइसी) का सहयोग भी लिया गया है। एनआइसी की बालू मित्र पोर्टल बना रहा है। सूत्रों की माने तो इस पोर्टल पर जिलों में बालू की उपलब्धता के साथ ही उसकी कीमतें भी दर्ज होंगी। मालूम हो कि बालू की ऑनलाइन खरीद का इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस पोर्टल पर जाकर बालू की गुणवत्ता देखकर उसकी आनलाइन बुकिंग कर सकेगा। विभाग ने बालू मित्र पोर्टल के जरिये सफेद और पीली दोनों किस्म की बालू की बिक्री का निर्णय किया है। बालू की आन लाइन बिक्री के बाद इसे डिलीवरी कराने की जिम्मेदारी भी विभाग की होगी। लेकिन, इसके लिए खरीदार को परिवहन कीमत चुकानी होगी। दूसरी ओर खान एवं भू-तत्व विभाग 16 अक्टूबर से एक साथ करीब 250 बालू घाटों से खनन की तैयारी में है। इन बालू घाटों को पर्यावरण अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। 15 जून तक प्रदेश के करीब 155 बालू घाटों से खनन हो रहा था। लेकिन निर्धारित नियमों के तहत 15 जून से मानसून की अवधि में बालू खनन पर रोक लगा दी गई थी। अब वापस नदियों से 16 अक्टूबर से खनन होना है। बालू का नदियों से खनन प्रारंभ होने पर आन लाइन बिक्री के लिए पर्याप्त मात्रा में बालू उपलब्ध हो जाएगा। इसके लिए विभाग पूरी तरह से तैयार है। ताकि किसी तरह का कोई विवाद सामने नहीं आये।

गोपालगंज के डीएम बने प्रशांत सीएच बीपीएससी के 29 अधिकारी इधर से उधर

केटी न्यूज/पटना

सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से तबादले की अधिसूचना जारी कर दी गई है। समाज कल्याण निदेशालय के निदेशक प्रशांत कुमार सीएच को गोपालगंज का नया डीएम बनाया गया है। वहीं बिहार प्रशासनिक सेवा के 29 अधिकारियों का तबादला किया गया है।दरअसल, नीतीश सरकार ने बिहार प्रशासनिक सेवा के 29 अधिकारियों का तबादला किया है। गोपालगंज में नए जिलाधिकारी की पोस्टिंग की गई है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक

प्रशांत कुमार सी.एच. को गोपालगंज का नया डीएम बनाया गया है। वहीं जहानाबाद में नए अनुमंडल पदाधिकारी की पोस्टिंग हुई है। सारण के वरीय उपसमाहर्ता राजीव रंजन सिंह जहानाबाद के एसडीओ होंगे जबकि जहानाबाद के एसडीओ विकास कुमार को स्थानांतरित कर पटना का वरीय उप समाहर्ता बनाया गया है। वहीं पूर्वी चंपारण की वरीय उप समाहर्ता रश्मि सिंह को आरा सदर का एसडीओ बनाया गया है। पटना के वरीय उप समाहर्ता सतीश रंजन को सुपौल का जिला भू अर्जन पदाधिकारी बनाया गया है। शशांक राज को जहानाबाद का जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अजमल खुर्शीद को कटिहार का जिला भू अर्जन पदाधिकारी बनाया गया है। सभी पदाधिकारियों को तत्काल नई पोस्टिंग वाली जगह पर योगदान करना है।

कोसी बराज से 6 लाख 81 हजार 639 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज होने की संभावना

आठ जिलों में तबाही का डर... नेपाल से 6.81 लाख क्यूसेक आएगा पानी

केटी न्यूज/पटना

शनिवार की दोपहर 12 बजे कोसी बराज से 6 लाख 81 हजार 639 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज होने की संभावना है। ऐसे में कोसी नदी के पूर्वी और पश्चिमी तटबंध के बीच बसे लोगों को बाढ़ और कटाव का सामना करना पड़ सकता है।सुपौल सहित सहरसा, मधेपुरा, दरभंगा, मधुबनी खगड़िया, भागलपुर और कटिहार जिले के कोसी दियारा में बसे लोगों के लिए शनिवार का दिन आफत भरा हो सकता है। इसको लेकर राज्य सरकार ने संबंधित जिलाधिकारियों के लिए हाई अलर्ट जारी किया है। दरअसल, शुक्रवार को नेपाल प्रभाग स्थित कोसी नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश रिकॉर्ड की गई है। वही शनिवार को बारिश और भी अधिक तेज होने की आशंका जताई जा रही है। जिसके बाद सुपौल जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कोसी तटबंध के अंदर बसी आबादी के लिए अलर्ट जारी किया है।

बाढ़ आश्रय स्थल या ऊंचे स्थानों पर शरण लें लोग

कोसी नदी के जलस्तर में अचानक अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कोसी नदी के दोनों तटबंधों के बीच बसे लोगों को जल्द से जल्द बाढ़ आश्रय स्थल अथवा नजदीक के ऊंचे स्थानों पर शरण लेने की अपील की है। जिलाधिकारी ने बताया कि अचानक जलस्तर में वृद्धि की वजह से तटबंध के अंदर अधिकांश इलाकों में बाढ़ का पानी फैलने की संभावना है। वही कई स्थानों पर कटाव की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। लिहाजा अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों की टीम लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार के अफवाह से बचने तथा गंभीर स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल प्रशासन से संपर्क साधने की अपील की है। सुपौल जिले में कुल 11 प्रखंड हैं। इसमें बसंतपुर, सरायगढ़ भपटियाही, किसनपुर, सुपौल सदर, मरौना और निर्मली प्रखंड के 32 पंचायत में बाढ़ का असर होगा। इन पंचायतों में करीब 25 हजार परिवार निवास करते हैं। इसके अतिरिक्त बाढ़ की स्थिति में कोसी के बहाव वाले अन्य जिलों में भी लाखों की आबादी प्रभावित होगी।

कोसी क्षेत्र के लिए बढ़ने वाली है मुसीबत

सुपौल के डीएम कौशल कुमार ने बताया कि नेपाल प्रभाग स्थित कोसी के जल ग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश को देखते हुए कोसी नदी के डिस्चार्ज में शुक्रवार की सुबह से ही बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। शुक्रवार की शाम 6 बजे कोसी बराज से 1 लाख 11 हजार 290 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज रिकॉर्ड किया गया है। वही जलस्तर में लगातार वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। जिलाधिकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर 12 बजे कोसी बराज से 6 लाख 81 हजार 639 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज होने की संभावना है। ऐसे में कोसी नदी के पूर्वी और पश्चिमी तटबंध के बीच बसे लोगों को बाढ़ और कटाव का सामना करना पड़ सकता है। वही प्रशासनिक अधिकारियों को भी लोगों को सतर्क करने और आवश्यक बचाव कार्य चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को भी तटबंध की सुरक्षा के मद्देनजर सतत निगरानी के लिए कहा गया है।अब तक रहा है 07 लाख 88 हजार 200 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज हो चुका है। करीब बीते 15 दिनों से कोसी बराज से पानी का डिस्चार्ज एक लाख क्यूसेक से भी कम रहा है। इस साल बराज से सर्वाधिक 3 लाख 93 हजार 715 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज 07 जुलाई को दिन के 03 बजे रिकॉर्ड किया गया था, जबकि वर्ष 2023 में सर्वाधिक 04 लाख 62 हजार 345 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज 14 अगस्त को रिकॉर्ड हुआ था।

विवाद: चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ मंत्री हरि सहनी ने दरभंगा कोर्ट में रखा अपना पक्ष

- बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर सिंह यादव द्वारा रामचरित मानस पर दिए गए विवाद बयान की सुनवाई शुरू

केटी न्यूज/दरभंगा

बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर सिंह यादव द्वारा 11 जनवरी 2023 को रामचरित मानस के खिलाफ दिए गए विवादित बयान को लेकर दर्ज मुकदमे में सुनवाई शुरू हो गई है। इस मामले में अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री हरि सहनी ने शुक्रवार को दरभंगा कोर्ट में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने पूर्व शिक्षा मंत्री के बयान को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया।जानकारी के मुताबिक, 11 जनवरी 2023 को बिहार के तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने रामचरित मानस को लेकर एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि रामचरित मानस नफरत फैलाने वाला ग्रंथ है। इस बयान के बाद पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। तब इसे हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया गया था। इस विवादित बयान के विरोध में 12 जनवरी 2023 को तत्कालीन भाजपा के एमएलसी हरि सहनी ने दरभंगा कोर्ट में चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

यह हिंदू आस्था का घोर अपमान है

मंत्री हरि सहनी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि रामचरित मानस हिंदू धर्म का पवित्र ग्रंथ है। यह केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक धरोहर भी है। चंद्रशेखर का यह बयान 130 करोड़ भारतीयों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है और यह हिंदू आस्था का घोर अपमान है।उन्होंने आगे कहा कि रामचरित मानस के खिलाफ इस तरह के अपमानजनक बयान न केवल सनातन धर्म पर चोट हैं, बल्कि यह समाज में सांप्रदायिक तनाव भी पैदा करते हैं। डॉ. चंद्रशेखर ने 11 जनवरी 2023 को रामचरित मानस को नफरत फैलाने वाला ग्रंथ बताते हुए कहा था कि यह ग्रंथ समाज में विभाजन और नफरत को बढ़ावा देता है। उनके इस बयान से न केवल बिहार बल्कि पूरे देश में विवाद खड़ा हो गया था। कई संगठनों ने उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

एक नजर

शराबबंदी ने महिलाओं को दिया शांति : मंत्री

जहानाबाद। जहानाबाद पहुंचे उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री रत्नेश सदा ने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर क्या कहते हैं, वह खुद ही बताएं। उनके यहां जब गरीब दलित वर्ग के लोग जाते हैं तो दरवाजा पर बैठने नहीं देते हैं। मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब लेकर इन दिनों यात्रा पर निकले हुए हैं, लेकिन गरीबों के पास रुकना भी मुनासिब नहीं समझते हैं।मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि प्रशांत किशोर का कहना है कि मेरी सरकार अगर बिहार में बनी तो शराबबंदी खत्म कर देंगे। उनके इस बयान पर महिलाओं ने करारा जवाब देते हुए तमाचा मार दिया और मुंह पर कालिख पोत दी है। महिलाओं ने कहा है कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने से कई घर बर्बाद होने से बच गए हैं। जो लोग शराब छोड़कर मुख्य धारा से जुड़े हैं, उनके बाल-बच्चों का पठन-पाठन सही ढंग से चल रहा है, उनके परिवार में खुशहाली है।मंत्री रत्नेश सदा ने केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के उस बयान पर वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि जीतन राम मांझी शराबबंदी पर बोलते हैं कि बड़े अफसर और बड़े लोग शराब का सेवन प्रतिदिन अपने आवास पर करते हैं। हम कहना चाहते हैं कि कोई अपने घर के अंदर क्या करता है, उससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है। वैसे मध्य निषेध विभाग के अधिकारियों को अगर जानकारी मिलती है कि घर के अंदर शराब पी रहे हैं तो विभाग के अधिकारी निश्चित रूप से कार्रवाई करते हैं।दरअसल, मंत्री रत्नेश सदा जहानाबाद में एक जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने मंत्री का जोरदार स्वागत किया।

पुलिसकर्मियों की छुट्टियां 5 से 16 अक्टूबर तक रद्द

पटना। अपराध पर अंकुश के लिए दुर्गा पूजा में अपराधियों की बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी की कार्रवाई मुख्यालय स्तर पर सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया गया है। इस दौरान बड़ी संख्या में घूमने निकलेंगे। हालांकि किसी की विशेष परिस्थिति में छुट्टी दी जा सकती है। दुर्गा पूजा के दौरान कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस मुख्यालय ने निर्णय लिया है। इसको लेकर शुक्रवार को आदेश जारी हुआ है। दरअसल, तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्र की शुरूआत हो रही है। ऐसे में दुर्गा पूजा के मौके पर बिहार भर में मेले का आयोजन होता है। लोग पूजा-पंडाल और मूर्ति देखने के लिए जाते हैं। ऐसे में दुर्गा पूजा के दौरान कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस मुख्यालय की ओर से आदेश जारी किया गया है कि 5 से 16 अक्टूबर तक पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द रहेंगी।

बिहार में अब होगी 45 लाख मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति : मंत्री लेशी

केटी न्यूज/पटना

केंद्र सरकार ने खरीफ सीजन 2024-25 में बिहार में धान अधिप्राप्ति के लिए निर्धारित 34 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य को बढ़ाकर 45 लाख मीट्रिक टन किए जाने की सहमति दे दी है। बिहार की खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने विभाग के सचिव डॉ. एन. सरवण कुमार की मौजूदगी में नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी से शिष्टाचार मुलाकात करने के बाद जारी बयान में बताया कि इस दौरान राज्य हित में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं की ओर केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया गया। लेशी सिंह ने बताया कि चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री से आगामी खरीफ सीजन 2024-25 में केंद्र सरकार द्वारा बिहार के लिए निर्धारित धान अधिप्राप्ति के लक्ष्य को 34 लाख मीट्रिक टन को बढ़ाकर 45 लाख मीट्रिक टन करने का आग्रह किया गया। इस पर केंद्रीय मंत्री ने लक्ष्य को पुनर्निर्धारित करने की सहमति दे दी। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने वकेंद्रीकृत अधिप्राप्ति के तहत बिहार द्वारा किए गए कार्यों से संबंधित अलग-अलग कारणों से लंबित राशि को भी जारी करने का निर्देश दिया।मंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्री जोशी ने बिहार के सप्लाई चेन मैनेजमेंट के तहत पिछले दो-तीन वर्षों में आधार बेस्ड ई.पॉस प्रमाणीकरण, इंड टू इंड कंप्यूटराइजेशन एवं नई तकनीक के कुशल प्रबंधन के साथ पारदर्शी रूप से खाद्यान्न वितरण के कार्य में देश में अग्रणी रहने पर सराहना की। साथ ही राशन कार्ड से संबंधित ई.केवाईसी करने, डुप्लीकेट डाटा रद्द करने, आधारसीडिंग के लिए देश भर में बिहार के बेहतरीन कार्य की भी प्रशंसा की। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने बिहार को आवश्यक सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया।

लुटेरी दुल्हन गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

गया। गया पुलिस ने लूटेरी दुल्हन के गैंग के तीन दलालों को गिरफ्तार किया है। इस गैंग ने बीते एक माह पहले यूपी के एक शख्स को बेवकूफ बनाकर नकली शादी के दो घंटे के अंदर नई नवेली दुल्हन एकाउंट खाली कर फरार हो गयी। यह पूरा मामला गया शहर के कोतवाली थाना की है। गया जिले में यूपी का रहने वाला महेंद्र कुमार नौकरी और रोजगार के सिलसिले में शहर के पहाड़पुर 5 नंबर गेट के समीप किराए के मकान में रह रहा था। 30 वर्षीय महेंद्र कुमार भी कुंवारा था तो वह शादी करने का मन बना लिया। उस व्यक्ति ने कहा 22 वर्षीय जुली कुमारी से शादी कराने की सलाह दी। गैंग के सदस्यों ने बताया लड़की के परिजन भी तैयार है। युवक भी तैयार हो गया। झुठी शादी का पैसा गायब किया गया।

पटना में बिहार पर्यटन टीजर का पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने किया लोकार्पण

रोपवे राजगीर की ऑनलाइन टिकट सेवा की शुरुआत

केटी न्यूज/ पटना

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित एक भव्य समारोह में पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने राजगीर रोपवे की ऑनलाइन टिकट सेवा का शुरूआत की। इस अवसर पर बिहार पर्यटन टीजर का भी लोकार्पण किया गया। जिसमें पर्यटन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण लोग शामिल हुए। पर्यटन मंत्री ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि बिहार में आधारभूत और अत्याधुनिक पर्यटकीय सुविधाओं का तेजी से विकास हो रहा है, जिसके कारण दुनियाभर से पर्यटक बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने परिचितों और मित्रों को बिहार आने का निमंत्रण दें, जिससे लोगों के मन में राज्य को लेकर बनी भ्रांतियां समाप्त होंगी।

राजगीर रोपवे की ऑनलाइन टिकट सेवा की शुरुआत: राजगीर, जो पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, अब अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो चुका है। राजगीर के रोपवे के लिए अब पर्यटकवेबसाइट पर जाकर आसानी से ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं। इस पहल से पर्यटकों को सुविधा के साथ-साथ समय की बचत भी होगी। इसके साथ ही, पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने निर्देश दिया कि राजगीर रोपवे की टिकट सेवा को जू और नेचर सफारी के टिकट सिस्टम से जोड़ने के लिए वन विभाग के साथ समन्वय किया जाए।

पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने का प्रयास: इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा का मुख्य विषय बिहार पर्यटन नीति 2024 और बिहार पर्यटन उद्योग में भविष्य की धुरी था। चर्चा के दौरान यह बताया गया कि बिहार सरकार लगातार पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार और विस्तार कर रही है। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में पर्यटन सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इस नीति का उद्देश्य राज्य में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना और उन्हें बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करना है। परिचर्चा में बिहार में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की और इसे राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया।

एकता और अनुशासन की सीख देता है खेलकूद, आत्मरक्षा के लिए कराटे बेहतर विकल्पः डीडीसी

- राज्य स्तरीय अंडर -19 कराटे प्रतियोगिता संपन्न, नेशनल चैंपियनशिप में दिखाएंगे दम
- मेजबान बक्सर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक गोल्ड व तीन ब्रांज मेडल पर जमाया कब्जा

केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना तथा जिला प्रशासन बक्सर के सौजन्य से बक्सर में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे (बालक अंडर 19) खेल प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। इसमें उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, नोडल पदाधिकारी सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा बक्सर शशांक सिंह एवं जिला युवा पदाधिकारी नेहरू युवा केन्द्र शामिल हुए। समापन समारोह के मौके पर डीडीसी ने चयनित खिलाडियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी। डीडीसी ने कहा कि खेलकूद एकता और अनुशासन की सीख देता है। जबकि आत्म रक्षा के लिए कराटे सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने युवाओं को इस विधा में परांगत होने के लिए प्रेरित किया। जबकि नोडल पदाधिकारी सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा ने ऐसे प्रतिभागी जो पदक नहीं जीत सकें को स्वरचित कविता फर्क का वाचन कर-के उत्साहवर्द्धन किया। समापन के मौके पर सभी तकनीकी पदाधिकारी एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे शारीरिक शिक्षकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डीडीसी एवं नोडल पदाधिकारी सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा ने सभी मेडलिस्ट खिलाडियों को मेडल से सम्मानित कर उत्साहवर्द्धन किया गया।

पटना की टीम ने जीते सर्वाधिक गोल्ड व रजत पदक

प्रतियोगिता में पटना की टीम ने सर्वाधिक तीन गोल्ड व चार रजत पदक जीत अंक तालिका में सबसे ऊपर रही। इसके अलावे बेगूसराय दो गोल्ड व एक सिल्वर, दरभंगा की टीम ने एक गोल्ड व एक सिल्वर तथा एक ब्रांज मेडल जीता। वही, मेजबान बक्सर के खाते में एक गोल्ड व तीन ब्रांज मेडल आए। जमुई एक गोल्ड, तीन ब्रांज, भागलपुर एक गोल्ड, ब्रांज, नालन्दा एक गोल्ड, दो ब्रांज, खगडिया एक गोल्ड, दो ब्रांज, बांका एक गोल्ड, एक ब्रांज, वैशाली एक सिल्वर, दो ब्रांज, मुजफ्फरपुर एक सिल्वर, एक ब्रांज, गया एक सिल्वर, गोपालगंज एक सिल्वर, पश्चिम चंपारण तीन ब्रांज एवं नवादा की टीम ने दो ब्रांज पदक प्राप्त किए।

इन प्रतिभागियों ने जीते पदकः कराटे प्रतियोयगिता में 35 कि.ग्रा. भार वर्ग में विवेक कुमार बेगूसराय ने गोल्ड, आर्यमन राज पटनाने सिल्वर व रियांश कुमार जमुई ने ब्रांज मेडल जीता। 35-40 कि.ग्रा. भार वर्ग में गौतम कुमार बेगूसराय, सत्यम कुमार गया, शिव शक्ति कुमार नालंदा, एवं आर्यन कुमार जमुई ने क्रमशः गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज पदक पर कब्जा जमाया। 40-45 किग्रा भार वर्ग में मंजीत कुमार दरभंगा गोल्ड, रोहित कुमार पटना सिल्वर, सुमित कुमार वैशाली एवं बिट्टू कुमार खगडिया ने ब्रांज पदक जीता। 45-50 किग्रा भार वर्ग में सौरभ कुमार खगड़िया गोल्ड, प्रकाश चन्द्र पटना सिल्वर, बुंदन कुमार नालन्दा एवं अरनव रूद्र प्रताप बांका ब्रांज मेडलिस्ट रहे। 50-54 किग्रा भार वर्ग में सोनू कुमार पटना गोल्ड, सूरज कुमार दरभंगा सिल्वर, किशन आनंद वैशाली एवं समर शर्मा नवादा ब्रांज। 54-58 किग्रा भार वर्ग में अमन कुमार सिंह बक्सर गोल्ड, मोहित कुमार गोपालगंज सिल्वर, अनमोल कुमार मुजफ्फरपुर एवं मंयक कुमार प. चंपारण ब्रांज। 58-62 किग्रा भार वर्ग में प्रणव ज्योति भागलपुर गोल्ड, आदित्य कुमार वैशाली सिल्वर, आशीष कुमार बक्सर एवं आकाश कुमार पश्चिम चंपारण ब्रांज। 62-66 किग्रा भार वर्ग में दिवेश आनन्द बांका गोल्ड, प्रकाश कुमार झा मुजफ्फरपुर सिल्वर, आयुष यादव पश्चिम चंपारण एवं श्रवण कुमार बक्सर ब्रांज। 66-70 किग्रा भार वर्ग में आर्यन कुमार लव पटना गोल्ड, अमन कुमार भागलपुर सिल्वर, प्रेम कुमार खगडिया एवं विशाल कुमार बक्सर ब्रांज। 70-74 किग्रा भार वर्ग में रिशु राज जमुई गोल्ड, विशेष कपिल पटना सिल्वर, रितेश कुमार तिवारी दरभंगा एवं प्रशांत कुमार नवादा ब्रांज। 78-82 किग्रा भार वर्ग में आर्यन कृष्ण नालंदा गोल्ड। जबकि प्लस 82 किग्रा भार वर्ग में कुमार देव प्रकाश पटना ने गोल्ड, गौरव कुमार बेगूसराय ने सिल्वर एवं सत्यम त्रिवेदी जुमई ने ब्रांज मेडल जीता।

खबरें फटाफट

पेड़ से टकराई बाइक, एक की मौत, दूसरा गम्भीर

बक्सर। धनसोई थाना क्षेत्र अंतर्गत बसही-कैथहर खुर्द मार्ग पर भगवानपुर टोला के समीप तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। जिस पर सवार 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वही, इस पर सवार एक और युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए निजी क्लिनिक ले जाया गया। जानकारी के अनुसार सिकठी पंचायत के कैथहर खुर्द गांव निवासी विपिन यादव के पुत्र पंकज कुमार सिंह एवं संतोष पाल के पुत्र रौशन पाल दोनों बाइक पर सवार होकर बसही गांव के तरफ अपने किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। जैसे ही वह भगवानपुर टोला गांव के समीप पहुंचे तभी बाइक अनियंत्रित होकर अचानक एक पेड़ से जा टकराई। पेड़ से टक्कर होते ही यह दोनों घायल होकर सड़क पर गिर गए। जिन्हें गम्भीर चोट आई। घटना की जानकारी के बाद पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल किसी निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने पंकज कुमार सिंह को मृत घोषित कर दिया। सामाजिक कार्यकर्ता तौकीर अंसारी ने बताया कि तीन दिन पूर्व सिकठी गांव के युवक की कार पेड़ से टकरा गई थी। जिसमें सवार पांच लोग घायल हो गए थे। जिसमें से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। दो अन्य लोग जीवन एवं मौत से जूझ रहे हैं।

सिमरी में आयोजित हुआ डीएम का जनता दरबार, सुनवाई के लिए आए 57 आवेदन

जनता दरबार में आए मामलों का निष्पादन एक सप्ताह के अंदर करें अधिकारीः डीएम

- रामपुर के ग्रामीण ने डीएम से मठिया की 300 बीघे की जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराने की लगाई गुहार
- डीएम ने डुमरांव डीसीएलआर व सिमरी सीओ को संयुक्त रूप से जांच का दिया जिम्मा

केटी न्यूज/बक्सर/सिमरी

सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को धरातल पर प्रभावी ढ़ग से लागू करने एवं न्याय के साथ विकास के उद्देश्य से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय सिमरी में जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की समस्या सुनी। सुनवाई के दौरान कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों की समस्या को एक-एक कर सुना एवं संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। इसमें अतिक्रमण, दाखिल खारिज में मनमानी, बागीत पर्चा देने, मुख्यमंत्री परिवहन योजना समेत कई अन्य तरह के आवेदन आए थे।

छोटका राजपुर के रामजी को दो वर्ष बाद भी नहीं मिला है अनुदानः जनता दरबार में डीएम से गुहार लगाने आए छोटका राजपुर के रामजी गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2022 में उन्होंने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना से वाहन लिया था, जिसका अभी तक अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है। जिलाधिकारी ने इसे बड़ी लापरवाही बताया तथा जिला परिवहन पदाधिकारी एवं सिमरी बीडीओ को एक सप्ताह के अंदर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें योजना के तहत अनुदान दिलाने का निर्देश दिया।

जनता दरबार में खुली अंचल प्रशासन की मनमानी की पोल

जनता दरबार में सहियार से आई सुधा देवी ने अंचल प्रशासन की मनमानी की पोल खोलकर रख दी। डीएम को दिए आवेदन में सुधा देवी ने बताया कि आठ जनवरी 2022 को उन्होंने जमीन खरीदी थी। जिसका दाखिल खारिज कराने के लिए अंचल कार्यालय में आवेदन दिया था, जिसे सीओ ने बिना किसी वजह अस्वीकृत कर दिया जबकि डुमरांव डीसीएलआर ने आदेश पारित कर दिया है। आवेदिका का इशारा अंचल कार्यालय में दाखिल खारिज में मनमानी व मैनेज सिस्टम की ओर था। जिलाधिकारी ने सीओ को निर्देश दिया कि डीसीएलआर द्वारा पारित आदेश का अनुपालन कर रसीद काटा जाए।

इंग्लिशपुर के भूमिहीनो ने डीएम से मांगी जमीनः जनता दरबार में इंग्लिशपुर से आई आशा देवी, मिन्टी देवी, सरस्वती देवी एवं दुर्गावती देवी ने डीएम के समक्ष अंचल प्रशासन से अपने रहने के लिए तीन डीसमिल जमीन देने की मांग की। उनलोगों का कहना था कि हमारे पास जमीन नहीं है, जिस कारण हमलोग किसी तरह से जीवन यापन करने को मजबूर हो रहे है। डीएम ने इसपर सिमरी सीओ को निर्देश दिया कि अभियान बसेरा-2 के तहत भूमिहीनों को बासगीत पर्चा दिलाएं।

300 बीघे की जमीन को अतिक्रमणमुक्त करने की मांगः जनता दरबार में रामपुर से आए परमात्मानंद यादव ने आवेदन देकर शिकायत किया कि रामपुर मठिया गांव में मठ की 300 बीघा जमीन को भू-मॉफियाओं ने अतिक्रमण कर लिया है। उन्होंने मठिया की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की गुहार डीएम से लगाई। आवेदक ने बताया कि फर्जी तरीके से मठ के पुजारी ने मठिया की जमीन का अपने नाम से जमाबंदी करा लिया है। उस जमाबंदी को रद्द करते हुए मठ के नाम पर जमाबंदी कराने को आग्रह किया गया। डीएम ने भूमि सुधार उप समाहर्ता डुमरांव एवं अंचलाधिकारी सिमरी को संयुक्त रूप से स्थलीय जांच कर इसका प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया।

प्रखंड पदाधिकारियों को मिला अलग-अलग निर्देश

जनता दरबार में आम जनों के आवेदनों पर सुनवाई के बाद सभी प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को डीएम ने अलग-अलग निर्देश दिए। उन्होंने सीओ को प्रखंड परिसर स्थित पानी टंकी के पास एवं नगरपुरा में शीघ्र अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण का ससमय निष्पादन करने को कहा गया। जबकि बीडीओ को जनता दरबार में प्राप्त कुल 57 आवेदनों को प्रखंड कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। बताया गया कि सभी आवेदक सात दिनों के बाद अपने आवेदन पर प्रगति के संबंध में प्रखंड कार्यालय से सूचना प्राप्त कर सकते है। जनता दरबार में अपर समाहर्ता बक्सर, डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्ता डुमरांव, सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

एक नजर

मुगांव के पंचायत कार्यालय का ताला तोड़ नगदी व लैपटॉप की चोरी, जांच जुटी पुलिस

डुमरांव। मुगांव पंचायत के कार्यालय का ताला तोड़ चोरों ने एक लैपटॉप, सीपीयू तथा आलमीरा में रखे 20 हजार रूपए नगद चुरा लिए है। चोरी की यह वारदता गुरूवार रात की है। इस मामले में पंचायत के मुखिया इंद्रजीत राय उर्फ इंदल सिंह ने अज्ञात चोरों के खिलाफ कोरानसराय थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार मुखिया प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट युनिट में ही पंचायत का कार्यालय संचालित कर रहे थे। गुरूवार की शाम कार्यालय में ताला बंद कर मुखिया समेत सभी पंचायत प्रतिनिधि अपने घर चले गए थे। रात में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ कार्यालय में प्रवेश किए तथा उसमें रखे डेल कंपनी के एक लैपटॉप, एक सीपीयू तथा आलमीरा का ताला तोड़ 20 हजार रूपए नगद चुरा लिए। सुबह में जब ग्रामीण मार्निंग वॉक के लिए उधर निकले तथा कार्यालय का ताला टूटा देखा तो उन्हें चोरी की बात समझ में आई। इसके बाद इसकी जानकारी मुखिया इंदल को दी गई। मुखिया ने कोरानसराय थाना पहुंच घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई। कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मुखिया के बयान पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। वही, चोरी की इस बात की जानकारी के बाद ग्रामीणों में चोर उचक्कों का भय बना हुआ है।

सीआरसी में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू

चौगाईं। वर्ग तीन से आठ तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षा संपन्न होने के बाद शुक्रवार से कॉपियों का मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया है। इसके लिए सभी सीआरसी केन्द्र को मुल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। जहां, मुल्यांकन के लिए शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक शिक्षक सुबह 10 बजे से शाम चार बजे अपने निर्धारित सीआरसी केन्द्र में कॉपियों का मूल्यांकन करेंगे। इसी कड़ी में चौगाईं प्रखंड के सीआरसी उच्च माध्यमिक विद्यालय नचाप व माध्यमिक विद्यालय ओझा बरांव में वर्ग तीन से आठ तक के बच्चों का अर्द्धवार्षिक परीक्षा का मूल्यांकन कार्य की शुरूआत हो गया हैं। सबसे पहले उच्च माध्यमिक विद्यालय नचाप के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुक्तेश्वर प्रसाद, समन्वयक सुशील कुमार, शिक्षक नरेन्द्र राम, अमित कुमार, सोनू कुमार यादव, अमित कुमार सिन्हा ,पवन कुमार सिंह,रविशंकर यादव, संजय कुमार, संजय तिवारी, अतुल कुमार सिंह ,कुमारी श्वेता, दिप्ती कुमारी, प्रीति कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इसके बाद ग्यारह विद्यालयों से आए वीक्षकों में से तीन प्रधान वीक्षक क्रमशः अभिमन्यु कुमार, विनय कुमार अस्थाना और नीतीश रौशन को नियुक्त कर उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। वीक्षण कार्य में प्रतिनियुक्त शिक्षक अपने अपने प्रधान वीक्षक के दिशा निर्देश में कापियों का मूल्यांकन कार्य शुरू किये। खास बात यह रही कि वीक्षक द्वारा अपने विद्यालय से इतर स्कूल के छात्रों की कापियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। वही, उच्च विद्यालय ओझा बरांव के प्रभारी प्रधानाध्यापक धीरज कुमार ने बताया कि आज से कॉपियों का मूल्याकंन शुरू हो गया है, जो एक अक्टूबर तक चलेगा।

36 लाख की शराब पर चला बुलडोजर

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की उपस्थिति में उत्पाद थाना अंतर्गत विभिन्न कांडों में जप्त लगभग 4500 लीटर शराब, जिसका बाजार मूल्य लगभग 36 लाख रुपए से अधिक है, का विनष्टीकरण बाजार समिति, बक्सर के प्रांगण में कराया गया। इस दौरान डीएम ने उत्पाद टीम को शराब बरामद करने के लिए और सक्रिय होने को कहा। डीएम ने कहा कि बिहार शराब बंदी कानून तभी सफल होगा जब पुलिस व उत्पाद विभाग की टीम मिलकर अभियान चलाएगी। डीएम ने कहा कि शराब तस्करी के जीरो टॉलरेंस की नीति को धरातल पर उतारना होगा। इस दौरान उत्पाद विभाग के अधिकारी व सिपाही भी मौजूद थे।

चौसा में बियर लदी कार जब्त, तस्कर गिरफ्तार

चौसा। चौसा स्थित चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने बियर लदी एक वैगनार को जब्त किया है। उत्पाद टीम ने चालक सह तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त वैगनार से 888 बोतल में 444 लीटर बियर बरामद हुआ है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान भोजपुर जिला के कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुल्हड़िया के कमला शंकर सिंह उर्फ बूढ़ा सिंह के पुत्र समीर कुमार उर्फ पिंटू सिंह के रूप में हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि उत्पाद विभाग की टीम चौसा चेक पोस्ट पर शराब की टोह में वाहनों की जांच पड़ताल कर रही थी। इस दौरान यूपी की तरफ से एक वैगनार आती दिखाई दी। जब उक्त वैगनार को रोक जांच-पड़ताल की गई तो डिग्गी तथा कार के अंदर से भारी मात्रा में बियर की बोतल बरामद हुई। उन्होंने कहा कि तस्कर को आवश्यक पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

बक्सर के सोमेश्वर स्थान की सरकारी जमीन की घेराबंदी रोकने के लिए एसडीएम से गुहार

केटी न्यूज/बक्सर

नगर के सोमेश्वर स्थान स्थित कथित सरकारी जमीन की हो रही घेराबंदी रोकने के लिए मोहल्ले के लोगों ने अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस जगह की घेराबंदी हो रही है वह जमीन बिहार सरकार की है। इस घेराबंदी के होने से आम लोगों ने परेशानी का जिक्र किया है। शहर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कोई नई बात नहीं है। बल्कि दबंग और प्रभावशाली लोगों के लिए यह फैशन का रूप धारण कर लिया है।

कई इलाकों में अतिक्रमणकारी सरकारी भूखंड पर काबिल होते जा रहे हैं। जिससे की आम लोगों को काफी परेशानी हो रही है। ऐसे ही एक मामले में सोमेश्वर स्थान वार्ड संख्या एक के सैकड़ो लोगों ने अनुमंडलाधिकारी से सरकारी जमीन से तत्काल अतिक्रमण हटाने की मांग की है। बताया जाता है कि अतिक्रमणकर्ता द्वारा तेजी से बाउंड्री निर्माण किया जा रहा है।

स्थानीय मोहल्ले के लोगों का कहना है कि सोमेश्वर स्थान स्थित पानी टंकी के पास सड़क किनारे की सरकारी परती जमीन पर राजकुमार चौधरी नामक व्यक्ति जबरन कब्जा करके बाउंड्री का नवनिर्माण किया जा रहा है। इस मामले को गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने अनुमंडलाधिकारी के अलावा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन दिया है। आवेदन पर हस्ताक्षर करने वाले लोगों में प्रमुख रूप से जितेन्द्र दूबे, अश्वनी चौबे, मुकुंद सनातन, सत्यम कुमार, अरविंद चौबे, अखिलेश मंडल, लाल साहब सिंह, अक्षयवर चौबे, गोविंद पाठक, धनजी सिंह, मुन्ना यादव, आकाश दीप राय, आशा देवी, शैलेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार सिंह और किशोर कुमार राय आदि के नाम शामिल हैं। हालांकि मोहल्ले के लोगों के इस आवेदन पर प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं शुरू की गई है।

जदयू पंचायतवार बूथ का गठन कर करेगा पार्टी का विस्तार

बक्सर। चौसा के अखौरीपुर गोला स्थित पार्टी कार्यालय पर जदयू द्वारा प्रखंड इकाई की बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुरेश चौहान ने की। इस बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह, विधानसभा प्रभारी प्रभु गोंड़ आदि नेताओं की उपस्थिति में पार्टी की समीक्षा करते हुए पार्टी विस्तार एवं पंचायतवार बूथ कमेटी के गठन पर चर्चा की गई। बताया गया कि आगामी दिनों में पार्टी का विस्तार किया जाएगा। जिसके तहत पंचायतवार बूथ कमिटी के गठन किया जाना है। आगामी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी कार्यकताओं को मजबूती के साथ लगना के आह्वान किया गया। बैठक में आजाद सिंह राठौर, मो. मुस्तफा, रामबाबू कुशवाहा, रामभजन सिंह कुशवाहा, निर्मल सिंह कुशवाहा, वशिष्ठ राजभर, हरिहर चौहान, विंध्यवासिनी प्रसाद आदि मौजूद रहे।

किसानों को उद्यान खेती और बीज उत्पादन की दी जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को चौसा किसान भवन में कृषि विभाग व आत्मा के संयुक्त तत्वावधान में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर किशोर की अध्यक्षता में किसान चौपाल सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों के हित मे कृषि पर आधारित नई खेती पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, प्रखंड प्रमुख सुनीता राय, जिप सदस्य पूजा कुमारी व बनारपुर मुखिया ममता देवी दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद कृषि समन्वयक प्रमोद कुमार सिंह ने कृषि विभाग के तहत संचालित सभी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पराली मैनजमेंट की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि पराली के साथ-साथ यंत्रीकरण की जानकारी देते हुए कहा कि किसान यंत्रीकरण से खेती पर बढ़ावा दे ताकि यूज भी बेहतर व सुलभ हो। इस दौरान उधान पदाधिकारी रमेश सिंह ने कहा कि किसान खेती के साथ उद्यान लगा कर इस खेती से अतिरिक्त आय कर सकते है। जिसके तहत नारियल, पपीता, केला, लेनो बैग आदि की खेती जो कृषि के तहत भी उन्हें मिल सकती है।

21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव में नन्द महोत्सव, मनु सतरूपा व रावण तपस्या का हुआ मंचन

रावण के आदेश पर राक्षस ब्राह्मणों और गायों पर अत्याचार करने लगते हैं

केटी न्यूज/बक्सर

श्री रामलीला समिति के तत्वावधान में किला मैदान के रामलीला मंच पर चल रहे 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को वृंदावन की सुप्रसिद्ध मंडल श्रीराधा माधव रासलीला एवं रामलीला संस्थान के स्वामी सुरेश उपाध्याय व्यास जी के सफल निर्देशन में वृंदावन के कलाकारों ने देर रात्रि मंचित रामलीला प्रसंग के दौरान मनु शतरूपा व रावण तपस्या तथा रामजन्म का मंचन किया। इसके पहले दिन में कृष्णलीला में नन्द महोत्सव प्रसंग को दिखाया गया।

रात्रि पहर मंचित रामलीला में दिखाया गया कि महाराज मनु अपने सभा कक्ष में बैठे हुए मन में विचार कर रहे हैं कि मुझे राज करते काफी समय हो चुका है, अब अपने पुत्र उत्तानपाद को सिंहासन सौंप कर भगवत भजन करते हुए तपस्या में समय व्यतीत करना चाहिए। ऐसा निर्णय करके महाराज मनु अपनी महारानी शतरूपा के साथ नेमिसारण क्षेत्र वन प्रदेश को तपस्या के लिए चल पड़ते हैं और वहां पहुंचकर महाराज मनु एवं शतरूपा घोर तप करते हैं। उनके कठोर तप को देखकर भगवान प्रसन्न होकर महाराज मनु से वरदान मांगने को कहते हैं। तब महाराज मनु नारायण से उन्हीं के समान पुत्र का वर मांगते हैं। आगे चलकर यही महाराज मनु दशरथ के रूप में और शतरूपा कौशल्या के रूप में जन्म लेती है। दूसरी तरफ दिखाया गया कि रावण व कुंभकरण भी तपस्या करते हैं और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मदेव उन्हें वरदान देते हैं। इसके बाद रावण घोर अत्याचार करने लग जाता है। रावण राक्षसों को गाय और ब्राह्मणों पर अत्याचार करने का आदेश देता है। रावण के आदेश पर राक्षस दल घोर अत्याचार करने लगता हैं। राक्षसों के अत्याचार बढ़ने पर एवं इंद्रादि देवताओं ने प्रभु का स्मरण किए, तब नारायण प्रकट होकर सभी देवताओं को आश्वस्त करते हैं कि जल्दी ही रावण सहित सभी राक्षसों के नाश के लिए मैं मनुष्य रूप में अवतरित हूंगा।

इसके बाद राजा दशरथ के पुत्रेष्टि यज्ञ का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि यज्ञ से अग्नि देव प्रकट होकर राजा दशरथ को हवी का प्रसाद देते हैं, जिसके प्रताप से महाराजा दशरथ को चार पुत्रों की प्राप्ति होती है। उक्त लीला को देखकर श्रद्धालुगण भाव विभोर हो जाते हैं। वहीं दिन में कृष्णलीला के दौरान नंद महोत्सव प्रसंग का मंचन किया गया। नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की... गीत पर श्रद्धालु रोमांचित हो श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते रहे। जिससे पूरा परिसर गूंजायमान हो उठा।

अत्यंत गरीब परिवारों को दो लाख रुपया की सहायता राशि की गारंटी दे नीतीश सरकार : विधायक

- माले ने हक दो वादा निभाओ अभियान के तहत किया प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन
- विधायक बोले- केंद्र सरकार गरीबों, दलित, अतिपिछड़ा, पिछड़े को उसका वाजिब हक छीन लेना चाहती है

केटी न्यूज/डुमरांव

भाकपा माले के हक दो वादा निभाओ अभियान के पार्टी दूसरे चरण के राज्यव्यापी आंदोलन के तहत डुमरांव प्रखंड पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी के पुरुष महिला कार्यकर्ता उपस्थित होकर पार्टी के आह्वान पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता कामरेड कन्हैया पासवान तथा संचालन कामरेड संजय शर्मा ने किया। इस मौके पर माले जिला सचिव नवीन कुमार, कामरेड बीर उपाध्याय, ऐपवा नेत्री पूजा देवी, नंदन के मुखिया रामजी सिंह यादव, युवा नेता बाबूलाल राम, प्रभात, नासिर हसन, माले प्रखंड नेता शिवजी राम, जाबिर कुरैशी, चंदेस, मुंशी पासवान आदि नेताओं ने धरना में शिरकत की।

अत्यंत गरीबों को लघु उद्यमी योजना का दो लाख रुपया देने के लिए 72 हजार रु. से कम का आय प्रमाण पत्र अंचल कार्यालय को देने, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल जमीन और शहरी बेघरों को पक्का मकान देने की मांग पर आवेदनों के साथ डुमरांव प्रखंड सह अंचल मुख्यालय पर हजारों गरीबों ने प्रदर्शन किया। ज्ञातव्य है कि बिहार सरकार ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के बाद राज्य के लगभग 95 लाख अत्यंत गरीब परिवारों को लघु उद्यमी योजना के तहत दो लाख रुपया की सहायता राशि की घोषणा की थी।

भाकपा माले के राज्य नेता सह डुमरांव विधायक डॉ. अजीत सिंह कुशवाहा ने कहा कि गरीबों को दो लाख रूपए लघु उद्यमी योजना के तहत प्रदान करने के लिए, गांव व शहर में आवास के लिए और भूमिहीन परिवारों को पांच डिसमिल जमीन देने की लड़ाई विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ी गई है। वह बिहार सरकार को घोषणा के अनुरूप देना होगा, वरना संघर्ष तेज होगा। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा जदयू की सरकार आई है, मुख्यमंत्री महोदय अपने वायदा को भूल जा रहे हैं। 94 लाख गरीबों को दो लाख प्रदान करने का वायदा उनको पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार जिसमें भाकपा-माले ने समर्थन दे रखा था उसने एक राज्य में जाति सर्वे करके दिखा दिया। केंद्र सरकार जनगणना तक रोक कर रखी है। इसका कारण यह है कि केंद्र सरकार गरीबों, दलित, अतिपिछड़ा, पिछड़े को उसका वाजिब हक छीन लेना चाहती है। उन्होंने आह्वान किया कि किसी कीमत पर मुख्यमंत्री द्वारा घोषित दो लाख को गरीबों को हासिल करना है। गरीबों के लिए 72 हजार तक का आय प्रमाण पत्र सरकार को बनाना ही होगा। इसके लिए लड़ाई चलेगी। प्रखंड कमेटी सदस्य भगवान दास, मानरूप पासवान, युवा नेता सुरेंद्र प्रसाद आदि ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में डुमरांव प्रखण्ड के करूअज, रजडीहा, अरिआंव, कोरान सराय, मठिला, लाखनडिहरा, सोवा, कोपवा सहित नगर के दक्खिन टोला, महरौरा, बनकट, नया-पुराना भोजपुर कई गांवों टोलों के गरीबों, मजदूरों, भूमिहीनों ने भाग लिया।

कागजी बनी हुई है शहरी गरीबों के लिए आवास नीति

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भाकपा माले नेताओं ने कहा कि शहरी गरीबों के लिए 2014 की आवास नीति कागजी बनी हुई है और सरकार का प्रयास शून्य है। उल्टे विकास के नाम पर बुलडोजर चल रहे हैं। गरीबों को बेदखल किया जा रहा है। एनडीए सरकार में शहरी गरीबों के लिए कोई भी नई आवास नहीं बनी है। जिन गरीबों की मेहनत से बिहार आबाद होता है दिनों दिन उन्हीं गरीबों का वहां रहते हुए रोजी रोटी आवास दूभर होता जा रहा है।

कोरानसराय में एटीएम में पैसा निकलने वाली जगह पर टेप के सहारे लगाया गया था लोहे का प्लेट

सीएमएस के अधिकारी बोले- खाताधारकों का पैसा लूटने की रची गई थी साजिश, रहें सतर्क

- सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों तक पहुंचने के प्रयास में जुटी पुलिस
- 8-10 खाताधारकों के साथ हुआ फ्रॉड, पैसा वापस करेगा सीएमएस
- सीएमएस कंपनी ने नहीं दर्ज कराया है एफआईआर

केटी न्यूज/बक्सर

कोरानसराय स्थित स्टेट बैंक के एटीएम में पैसा निकलने वाली जगह पर टेप के सहारे लोहे का प्लेट लगा खाताधारकों की गाढ़ी कमाई लूटने की साजिश रची गई थी। एटीएम में पैसा डालने वाली सीएमएस तथा तकनीकी गड़बड़ी दूर करने वाली एफएलएम टीम ने भी यह माना कि यह फ्रॉड के तहत किया गया था तथा उनकी योजना शाम में प्लेट हटा मोटी रकम ले भागने की थी, लेकिन स्थानीय दुकानदार सुमन कुमार की सुझबूझ तथा एफएलएम व सीएमएस की तत्परता से अपराधियों के मंसूबे पर पानी फिर गया।

एफएलएम पंकज कुमार ने बताया कि ऐसी साजिश पटना तथा उसके आस पास के इलाकों में हो चुकी है। हालांकि, इस इलाके के लिए यह पहली घटना है। उन्होंने बताया कि पैसा ट्रांजेक्शन नहीं होने की स्थिति में सतर्कता बहुत जरूरी है। संबंधित बैंक या एटीएम के टॉल फ्री नंबर पर बात कर फ्राड के शिकार होने से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि वरीय अधिकारियों को एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज निकाल पुलिस को देने को कहा गया है, ताकि साजिशकर्ता की शिनाख्त हो सके। हालांकि इस मामले में शुक्रवार को भी सीएमएस कंपनी ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया है। बहरहाल दूसरे दिन भी कोरानसराय तथा उसके आस पास के इलाकों में इस घटना की चर्चा हो रही थी।

बिना गॉर्ड के ही संचालित हो रहे हैं कई एटीएम

कोरानसराय की घटना के बाद एटीएम की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। वही जानकारों का कहना है कि इलाके के अधिकांश एटीएम में गॉर्ड नहीं हैं। एजेंसी के माध्यम से संचालित एटीएम के अधिकारियों का कहना है कि यहां गॉर्ड की व्यवस्था नहीं है। जबकि बैंकों के माध्यम से संचालित एटीएम में गॉर्ड होने के बाद भी एटीएम के पास गॉर्ड मौजूद नहीं रहते हैं। बता दें कि इसके कई बार कोरानसराय तथा पुराना भोजपुर सहित कई इलाकों में एटीएम उखाड़ने की कोशिश भी हो चुकी है। बावजूद गॉर्ड की तैनाती नहीं किया जाना कई सवाल खड़े कर रहे है। यहां, बैंक द्वारा संचालित एटीएम में गॉर्ड है, लेकिन गॉर्ड एटीएम छोड़कर शाखा परिसर में रहते है। इस संबंध में शाखा प्रबंधक ने बताया कि खाताधारकों की गोपनीयता भंग होने से बचाने और सुरक्षा के लिहाज से गॉर्ड शाखा परिसर से एटीएम तक आता-जाता रहता है।

8-10 लोगों का ट्रांजेक्शन के बाद भी नहीं निकला पैसा

गुरूवार की शाम सीएमएस की कैश टीम ने पूरे दिन एटीएम से निकलने वाले पैसे को रिकवर किया है। टीम ने जांचोपरांत बताया कि कुल 8-10 लोगों ने इस एटीएम से पैसे की निकासी की थी, जिनका ट्रांजेक्शन के बाद पैसा नहीं निकला था। ट्रांजेक्शन नंबर के आधार पर खाताधारकों का पैसा लौटाया जाएगा।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष

स्टेट बैंक के एटीएम से फ्रॉड किए जाने की सूचना मिली है। हालांकि एटीएम से संबंधित अधिकारियों ने इसकी लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। सीसीटीवी फुटेज और इस मामले में शिकायत आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। इस घटना के बाद से पुलिस सतर्क हो गई है।

- संजय कुमार, थानाध्यक्ष, कोरानसराय

एक नजर

उतरा एवं हथिया नक्षत्र की वर्षा से फसलों को मिली संजीवनी, किसानों में खुशी

केसठ। प्रखंड समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विगत दो दिनों से झमाझम बारिश से किसानों ने राहत की सांस ली है। किसान खुश नजर आ रहे है। लंबे इंतजार के बाद उतरा एवं हथिया नक्षत्र की वर्षा धान के फसल के लिए संजीवनी का काम किया है। किसानों का कहना है कि इस बारिश से धान के फसल में लगे कीड़े मकोड़े खत्म हो जायेगें। फसल की सिंचाई के लिए पानी की समस्या भी दुर हो जाएगी। क्षेत्र में धान की फसल अब लहलहा रही हैं।इसे बचाने के लिए किसान फसल की सिंचाई करने में जुटे थे।तब तक उतरा एवं हथिया नक्षत्र की वर्षा होने से किसानों को राहत मिली है। किसान इस नक्षत्र में वर्षा का इंतजार कर रहे थे। किसानों का कहना है कि इस वर्षा से किसानों को शारीरिक,मानसिक और आर्थिक परेशानियों से राहत मिली है। ऐसी स्थिति में किसानों की फसल अब बच जाएगी। जिसे अब उत्पादन क्षमता भी बढ़ जाएगी।इस साल धान की फसल का उत्पादन अच्छी होने की संभावना है। विदित हो कि धान का कटोरा कहलाने वाले प्रखंड के किसान सिंचाई के लिए नहर या फिर वर्षा पर आश्रित है। वही लोगों को गर्मी से भी बड़ी राहत मिली है।

चाईनीज टेम्पल गेट में अवतरित होंगी मां जगदंबे

डुमरांव। शारदीय नवरात्र की तैयारी चाहुओर जोरों पर चल रही है। घर की महिलाएं जहां घरों को साफ-सुथरा करते हुए संवारने में लगी हुई हैं, वहीं नौजवान अपने साथियों के साथ कमिटी बनाते हुए मां दुर्गा की आकर्षक मूर्ति बनाते हुए पंडालों को विभिन्न रूप देकर बनवाने में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में नगर के स्टेशन राड के शंकर सिनेमा के पास चाईनीज गेट टेंपल के तर्ज पर पंडाल बनाया जा रहा है। मां दुर्गा इसी पंडाल में अवतरित होंगी। मूर्तिकार निमार्ता तपस पाल और पंडाल निमार्ता लक्ष्मण दास, अध्यक्ष नागेन्द्र कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष सूरज यादव, सचिव संटू मित्रा, उपसचिव उपेन्द्र राय, कोषाध्यक्ष सोनू यादव, संरक्षक बुलेट यादव, अरविंद कुमार, पिंटू यादव, ब्रह्मा ठाकुर, दीलीप यादव, बैजनाथ यादव, ऋषभ सिंह, बजरंगी यादव, अवधेश यादव, अभय यादव, मनु सिंह, अमन कुमार, विशाल कुमार, विजय कुमारी पूजा की तैयारी में लगे हुए हैं।

मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति... स्टेशन रोड में फिर उभरे गड्ढे, जानलेवा बनी सड़क

शुक्रवार को आधा दर्जन वाहन गड्ढों में पलटे, सरकार को कोसते रहे लोग

अपने हाल पर आंसू बहा रही डुमरांव की सड़कें

केटी न्यूज/डुमरांव

अभी पिछले महीने ही स्टेशन रोड की मरम्मत एनएचएआई द्वारा करवाई गई थी। इस दौरान डुमरांव नगर परिषद ने जल निकासी भी कराया था। मरम्मत के नाम पर हजारों रूपए खर्च किए गए थे। लेकिन, एक महीने के अंदर ही इस पथ पर फिर से गड्ढे उभर आए हैं।

जर्जर बने नगर के स्टेशन रोड में गुजरते समय वाहन चालकों का कलेजा दहल जाता है। गड्ढों में तब्दील हो चुके इस रोड में कब वाहन पलट जाए कहना मुश्किल है। ऐसा कोई दिन नहीं है, जब टेम्पों नहीं पलटा हो। तीन दिनों से जारी बारिश में इस रोड की दशा और बिगड़ गई है। गड्ढा पूरी तरह से पानी से भर गया है, जिससे इसके गहराई का पता नहीं चलता और वाहन आकर उसमें फंस जाते हैं या पलट जाते हैं। शुक्रवार को तो आधा दर्जन वाहन गड्ढों में पलटते रहे और यात्री घायल होते रहे। इतना ही नहीं कुछ यात्री तो गड्ढों में गिरे समान को खोजने और समेटने में लगे हुए थे। लगभग आधा दर्जन यात्री ऐसे थे, जिनका मोबाईल गड्ढे में गिर गया था, जिसे खोजने में लगे थे। मिल भी रहा था तो पानी प्रवेश कर जाने के कारण बंद हो गया था।

स्टेशन रोड नगर के बीचोबीच से गुजरता है। यह एनएच-120 की सड़क है, लेकिन इसे देखने वाला कोई नहीं है। इस पर काम करने से नगर परिषद इसलिए कतराता है कि यह उसकी सड़क नहीं है। विभाग भी इस पर वर्षों से कोई काम ही नहीं करा रहा है। हालांकि दो बार नप द्वारा रोड़ा व मिट्टी डालकर भरवाया गया था, लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ। शुक्रवार का दिन यात्रियों व टेम्पों चालकों के लिए काफी निराशजनक रहा। राज हाईस्कूल के पश्चिमी गेट के आगे स्टेशन रोड में उभरे गड्ढें में तीन बार टेम्पों पलटा और यात्री घायल हो गए और उनका समान बर्बाद हो गया। वहीं इसी रोड में लालगंज कड़बी के पास भी तीन टेम्पों पलट गया, यात्रियों को नुकसान तो हुआ ही टेम्पों वालों को भी हेडलाईट के अलावे अन्य समान टूट गया।

क्या बोलीं नप चेयरमैन: इस संबंध में नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने कहा कि नप का रोड रहता तो प्राथमिकता के तौर पर उसे बनाया जाता, लेकिन हमारा हाथ कटा हुआ है।

कर्मियों के कल्याण के लिए गठित हुई महाविद्यालय स्तरीय कमेटी

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुदान नहीं वेतनमान फारेम के तहत वित्त अनुदानित माध्यमिक विद्यालय, इंटर एवं डिग्री संस्थानों के कर्मियों के कल्याण हेतु मर्पित क्षैक्षिक मंच के तहत शुक्रवार को इंटर कॉलेज के सभागार में एक बैठक 9 सदस्यीय कमेटी के लिए किया गया। इसकी अध्यक्षता एएनबी के प्रदेश प्रतिनिधि सदस्य बिनोद कुमार ओझा की देखरेख में किया गया। वहीं संरक्षक के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य सुमन चतुर्वेदी मौके पर मौजूद रहते हुए कमेटी को बनवाया।

महाविद्यालय के नौ सदस्यीय कमिटी में मनोविज्ञान के विभागध्यक्ष धनजी पाठक, सचिव सह प्रेस प्रतिनिधि के रूप में व्याख्याता डा. संजय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष रंजना कुमारी, अनुमंडल स्तरीय प्रतिनिधि मुकुल गौतम, जिला स्तरीय प्रतिनिधि नीशा कुमारी, दीपक कुमार, सुधीर कुमारी, सत्यनारायण मिश्रा को बनाया गया है। सबको बताया गया कि महाविद्यालय स्तरीय कमेटी बनाने का मुख्य उद्देश्य वित्त रहित कर्मियों की समस्याओं का स्थायी निदान, अनुदान के बदले वेतनमान, सरकारी कर्मी का दर्जा सहित सभी आवश्यक सरकारी सुविधा एवं संस्थाओं को स्थाई प्रबंध पूर्वक बहाल करने के लिए सशक्त आंदोलन हेतु विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर एक मजबूत इकाई का गठन किया गया है। मौके पर अवधेश कुमार पांडेय, सुभाष सिंह, पूजा चतुर्वेदी, सतीश कुमार, प्रमिला कुमारी, बाल्मिकी दूबे, राजेन्द्र राम सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रखंड प्रमुख के अविश्वास प्रस्ताव पर आज होगा चर्चा एवं मत विभाजन

केसठ। प्रखंड के प्रमुख मुन्ना सिंह के विरोध में पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लाया है। इसको लेकर चर्चा एवं मत विभाजन शनिवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में होगा। विदित हो केसठ प्रखंड में कुल पांच पंचायत समिति सदस्य है। जिसमें प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह के खिलाफ तीन पंचायत समिति सदस्य हैं।

डुमरांव और कोरानसराय में शांतिपूर्ण दुगार्पूजा के आयोजन को लेकर हुई शांति समिति की बैठक आयोजित

लाइसेंस लें पूजा समितियां, पंडालों में लगाएं सीसीटीवी: एसडीओ

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल क्षेत्र में इस वर्ष दुगार्पूजा का आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से करने को लेकर डीएम एवं एसपी के निर्देश के आलोक में क्षेत्र के डुमरांव व कोरानसराय थाने में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक आयोजित हुई।

डुमरांव थाने में आयोजित बैठक के दौरान एसडीओ राकेश कुमार ने कहा कि मां दुर्गे की प्रतिमा को स्थापित करने वाले पूजा समितियों को स्थानीय थाने से लाइसेंस लेना अनिवार्य है। पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाना, बिजली कनेक्शन लेना, फायर सेफ्टी का भी ख्याल रखना जरूरी है। साथ ही मूर्ति की अधिकतम ऊंचाई बीस फीट तक सीमित होना चाहिए। इसके साथ डीजे बजाने पर पूर्णतः पांबदी लगायी गयी है। मूर्ति विसर्जन कृत्रिम तालाब में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विसर्जन जुलूस में हथियार ले जाना व इसका प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध हैं। उन्होंने निर्धारित समय से प्रतिमा विसर्जन की बात कही।

वहीं एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि भीड़भाड़ वाले पूजा-पंडालों पर तीसरी आंख का भी उपयोग किया जायेगा। साथ ही शहर के कई जगहों पर वॉच टावरों से भी इसकी निगरानी की जाएगी। असामाजिक तत्वों की निगरानी के लिए जगह-जगह महिला व पुरुष जवानों की तैनाती की जायेगी। इसके साथ ही गड़बड़ी करने व अफवाह फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ पुलिस सख्ती बरतेगी। समिति के सदस्यों ने बिजली की सुचारू रूप से आपूर्ति, पानी आपूर्ति, शहर की सफाई, जगह-जगह उभरे गड्ढे को भरने और बिजली पोलों पर खराब पड़े लाइटों की मरम्मती करने की मांग की। इन मांगों पर अधिकारियों ने हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया।

मौके पर सहायक विद्युत अभियंता राकेश कुमार दुबे, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, सीओ शमन प्रकाश, थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत, चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता, नप प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, पार्षद अमर पासवान, संजय शर्मा, धीरज मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर कोरानसराय थाने में शांति समिति की बैठक में एसडीओ, एसडीपीओ के अलावे थानाध्यक्ष संजय कुमार मौजूद रहें। अधिकारियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में दशहरा पर्व मनाने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि मेला के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाने के लिए पंडालों के आसपास पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी। साथ ही विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों सहित ग्रामीणों से सहयोग करने की अपील की।

छह दिन से लापता अधेड़ का शव बरामद, परिजनों का आरोप- पट्टीदारों ने की हत्या

- जगदीशपुर थाना क्षेत्र के रूपबांध गांव स्थित छेर नदी के किनारे मिला शव
- जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शेषा टोला गांव का रहनेवाला था बुजुर्ग

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शेषा टोला गांव से लापता अधेड़ का सातवे दिन बरामद किया गया है। उनका शव जगदीशपुर थाना क्षेत्र के रूप बांध गांव स्थित छेर नदी के किनारे से गुरुवार की शाम बरामद किया गया है। शव मिलने से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का आलम रहा। मृतक के शरीर पर गले पर काला सा हल्का निशान एवं शव सड़ा-गला हुआ पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा जमीनी विवाद को लेकर पट्टीदार के ही लोगों पर गला दबाकर तथा मारपीट कर उनकी हत्या कर शव को नदी में फेकने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शेषा टोला गांव निवासी स्व.नागेश्वर चौधरी के 55 वर्षीय पुत्र जगदीश चौधरी है एवं वह पेशे से किसान थे। इधर मृतक के बेटे सोहन कुमार ने बताया कि पट्टीदार के ही लोगों से 9 डिसमिल जमीन को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। उसने उसी जमीन को बेचने के लिए उक्त पट्टीदार के द्वारा अन्य व्यक्ति से डेढ़ लाख रुपये रकम लिया गया है। तभी उसके पिता द्वारा कहा गया कि यदि ये आपका जमीन है तो आप मुख्य और सरपंच से चेक कर लीजिए। लेकिन वे लोग नहीं माने। 19 सितम्बर की शाम उसी जमीन के विवाद को लेकर उक्त पट्टीदार से झगड़ा हुआ था।

झगड़े के दौरान उन लोगों द्वारा उसके पिता और भाई को मारपीट को जख्मी भी कर दिया गया था। उसे समय उन लोगों के द्वारा उसके पिता को धमकी दी गई थी के दो दिन के अंदर मैं तुम्हें देख लूंगा। 20 सितम्बर की सुबह जब उसके पिता बौली पर उसी जमीन का कागज लेकर उसका खेसरा और खतियान निकलवाने गए थे।

उनके घर से निकलने के बाद कुछ देर बाद उक्त पट्टीदार भी उनके पीछे निकले थे। पट्टीदार के घर वापस लौट आये पर उसके पिता वापस नहीं लौटे। जिसके बाद उन लोगों के द्वारा उनकी काफी खोजबीन की गई। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। इसी बीच गुरुवार की शाम रूपबांध गांव के स्थानीय ग्रामीण द्वारा सूचना दी गई के छेर नदी के एक शव पड़ा है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और शव को देख उनकी पहचान की। वहीं दूसरी ओर मृतक बेटे सोहन कुमार ने उसी 9 डिसमिल जमीन के विवाद को लेकर अपने उक्त पट्टीदार के ही बलिराम, रामदास,राम प्रसाद सहित अन्य लोगों पर अपने पिता की मारपीट कर व गला दबाकर उनकी हत्या कर के उनके शव को छेर नदी में फेंकने का आरोप लगाया है।

खबरें फटाफट

चोरी की बैट्री के साथ एक गिरफ्तार

रोहतास। पुलिस ने चोरी की बैट्री साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए सूर्यपुरा थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत सूर्यपुरा निवासी सतेंद्र कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के पास से चोरी का एक बैट्री भी बरामद किया गया है । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 287/24 के आलोक में चोरी करने का मामला दर्ज था ।

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

रोहतास। पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत नौवा निवासी वीरेंद्र राम को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध सासाराम व्यवहार न्यायालय से पुराने केस के मामले में वारंट निर्गत था । श्री कुमार ने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

करंट लगने से महिला की मौत

आरा। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के संदेश गांव स्थित बधार में विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से बकरी चराने गए एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक संदेश थाना क्षेत्र के संदेश गांव वार्ड नंबर 11 निवासी तैयब मियां की 28 वर्षीया पत्नी जुमन खातून है। इधर मृतका के पति तैयब मियां ने बताया कि वह शुक्रवार की सुबह बकरी को चराने के लिए गांव में ही स्थित बधार में गई थी। जब वह बधार में बकरी को बांधने जा रही थी। तभी ऊपर से बिजली का विद्युत प्रवाहित तार लटक रहा था। उसी क्रम में उनका हाथ उसी विद्युत तार से स्पर्श कर गया और वह करंट की चपेट में आ गई। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतका को दो पुत्र आरिफ,आदिल एवं एक पुत्री जोया है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हत्या का कारण स्पष्ट नही, मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

लक्षणपुर गांव में फोन कर घर से बुला अधेड़ की गोली मारकर हत्या,सनसनी

- पुलिस ने सदर अस्पताल में शव का कराया पोस्टमार्टम
- घटनास्थल से एक खोखा, ग्लास एवं तीन फ्रूटी पैक बरामद
- फॉरेंसिक जांच टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य किया संकलन

केटी न्यूज/आरा

शहर से सटे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लक्षणपुर गांव में गुरुवार की देर रात फोन कर घर से बुला एक अधेड़ व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक को काफी करीब से उनके दाहिने साइड ललाट पर गोली मारी गई है। उनके शरीर पर दाहिने हाथ के केहुनी के नीचे हल्का चीरे का निशान, गले में काला निशान, बायां आंख पर काला एवं दायां साइड कान से खून बहता हुआ पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा नोकिलेदार छुरा व गला दबाकर एवं गोली मारकर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है।

उधर घटना की सूचना पाकर एसएसपी परिचय कुमार मुफस्सिल थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिन्हा, डीआईयू एवं फोरेंसिक जांच की टीम में घटनास्थल फौरन घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा, एक स्टील व एक प्लास्टिक का एक ग्लास एवं तीन फ्रूटी के पैक का डिब्बा बरामद किया है। इसके बाद फॉरेंसिक जांच की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य भी संकलन किया। जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लक्षणपुर गांव वार्ड नंबर 17 निवासी स्व.लच्छीधर प्रसाद के 44 वर्षीय पुत्र रामबाबू प्रसाद है एवं वह पेशे से किसान थे।

वही इस मामले में एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब सात दूरभाष पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष को सूचना मिली के लक्षणपुर गांव निवासी स्व.लच्छीधर प्रसाद के पुत्र रामबाबू प्रसाद की हत्या हो गई। सूचना पाकर मुफस्सिल थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ फौरन वहां पहुंचे। उसके बाद फोरेंसिक जांच की टीम और डीआईयू टीम भी वहां पहुंची। उन्होने बताया कि घटनास्थल मृतक के घर से कुछ दूरी पर स्थित बगीचे में है। इसके बाद पुलिस ने डेड बॉडी का घटनास्थल का जायजा लिया। घटनास्थल को देखने के बाद प्रतीत होता है कि उनकी हत्या गोली मारकर की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा भी बरामद किया है। ऐसा लगता है कि यह घटना पार्टी मनाने के दौरान की गई है। एएसपी ने बताया कि स्थानीय लोगों से पूछताछ के दौरान कुछ संदिग्ध लोगों के नाम सामने आए हैं। गिरफ्तारी को लेकर उनके नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन भी किया गया और पुलिस की अलग-अलग टीम अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही इस कांड का उद्वेदन कर दिया जाएगा।

पार्टी मनाने के बहाने घर से बुलाया था बगीचे में

मृतक के बेटे गोलू कुमार ने बताया कि गुरुवार की शाम गांव के ही तीन युवक द्वारा फोन कर उन्हें पार्टी मनाने के बहाने घर से बगीचे में बुलाया गया था। जहां पार्टी के दौरान उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की सुबह जब गांव के एक पंडित बगीचे की तरफ गए तो उन्होंने उन्हें वहां पड़ा देखा। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनकी गोली मारकर हत्या की गई है। जिसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम में मृतक के शरीर से बुलेट्स होने की पुष्टि की है। वहीं दूसरी तरफ मृतक के छोटे बेटे गोलू कुमार ने गांव के ही विकास, तूफानी एवं चंदन नामक युवक पर फोन कर उन्हें घर से बुलाकर पार्टी मनाने के लिए बगीचे में ले जाने एवं उनकी गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया है। उधर घटना की सूचना पाकर जमीरा पंचायत के पूर्व सरपंच लालजी प्रसाद आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मुआवजा देने एवं मृतक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

दो गुटों के बीच रुक-रुक कर हो रही फायरिंग से मचा हड़कप

- जहानाबाद जिले के घोषी थाना क्षेत्र के चुनुकपुर गांव का मामला
- जमीनी विवाद के कारण चली गोली, एक घायल

केटी न्यूज/ जहानाबाद

आपसी वर्चस्व को लेकर दो गुटों में जमकर गोली बारी हुई है। गोलीबारी की इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया है। जिसे घोसी पीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना घोषी थाना क्षेत्र के चुनुकपुर गांव की है। घायल व्यक्ति नरेश यादव बताया जाता है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि कुछ माह पूर्व जमीनी विवाद में एक पक्ष के द्वारा दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। जिसके बाद से गांव में विवाद गहरा गया था। बीते देर रात से यहां रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है।

बताया जा रहा है कि अभी तक दर्जनों राउंड फायरिंग हुई है। उपद्रवियों ने एक बाइक और करकटनुमा छावनी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। वही फायरिंग की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल कायम हो गया है। लोग अपने-अपने घरों में दुबके हुए है। इधर घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई और गांव में तनाव को देखते हुए कैम्प कर रही है। इस संबंध में एसडीपीओ ने गोलीबारी की घटना की पुष्टि करते हुए बताया की पुराने विवाद को लेकर गोलीबारी की घटना हुई है।

बताया कि एक नाबालिग को भी अभियुक्त बनाया गया था। लेकिन दूसरे पक्ष के लोगों द्वारा नाबालिग की उम्र की जांच के लिए कोर्ट में आवेदन दिया गया था। जिसके बाद उसकी जांच हुई तो इसी बात से नाराज हो कर नाबालिग अभियुक्त और दूसरे पक्ष में तनाव हो गया है। उन्होंने बताया की इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गए है जिसे अस्पताल पहुंचाया गया है। वही तनाव और गोलीबारी की घटना के मद्देनजर गांव में पुलिस कैंप कर रही है फिलहाल स्थिति सामान्य बनी हुई है। पुलिस ने दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

उपेंद्र कुशवाहा बोले... काराकाट की जनता के लिए हमेशा रहूंगा दिल से समर्पित

राज्यसभा सदस्य कुशवाहा का भाजपा नेता डॉ. मनीष ने किया स्वागत

केटी न्यूज/विक्रमगंज

स्थानीय शहर के तेंदुनी चौक पर काराकाट विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में एनडीए कार्यकताओं ने राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा का भव्य स्वागत किया।

उनके आगमन पर पूरा तेंदुनी चौक ढोल- नगाड़े बाजे से गूंजता रहा। जहां सैकड़ों की संख्या में उनके समर्थक और एनडीए कार्यकर्ता उनके उपर फूलों की बौछार व माला पहना नारों के साथ उनका स्वागत किया। मौके पर उपेंद्र कुशवाहा ने लोगों सहित कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि काराकाट क्षेत्र की जनता से हमेशा मुझे स्नेह सम्मान मिलता रहा है। जो बिहार में होने वाली आगामी 2025 में विधानसभा चुनाव में अबकी बार एनडीए की सरकार 200 सीटों के लक्ष्य को पार करेगी। जहां एनडीए गठबंधन की सरकार के आगे सभी विपक्षी दलों

की पार्टियां चारों खाने चित हो जायेगी। जो अबकी बार एनडीए के नेतृत्व में बिहार सरकार का बनना तय है। क्योंकि एनडीए की एक ही सोच है की बिहार एक नई शिखर पर पहुंच एक नया इतिहास लिखे। जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व बिहार में विकास की रफ्तार के साथ सबका साथ-सबका विकास का सपना पूरा हो सके। वही अवसर पर भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा एनडीए गठबंधन के एक जुझारू नेता है। जो बिहार में एनडीए गठबंधन को एक नई मजबूती देने में लगें है। मौके पर प्राचार्य सुरेंद्र कुमार सिंह, वीरबहादुर सिंह,उमाशंकर सिंह,विजय कुमार सिंह,दिनेश कुमार,अनिल सिंह,अरविंद सिंह,बलवंत सिंह, पूर्व मुखिया बसंत चौधरी, रमेश कुमार,शशिभूषण प्रसाद,रंजीत चौधरी,विवेक कुशवाहा,अभय कुमार सिंह,मंटू कुमार चौधरी,रोहित कुमार तिवारी,परवेज खान सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

छपरा के जिलाधिकारी ने दुगार्पूजा व अन्य त्योहारों को लेकर की बैठक, दिए कई निर्देश

प्रतिमा विसर्जन व शोभायात्रा के लिए लेना होगा लाइसेंस

- ट्रैफिक एसपी को पूजा के अवसर पर छपरा शहर के लिये स्पष्ट ट्रैफिक प्लान तैयार कर इसकी पूर्व जानकारी देने का निर्देश

केटी न्यूज/छपरा

जिलाधिकारी अमन समीर ने दुगार्पूजा एवं आगामी अन्य त्योहारों के अवसर पर विधि व्यवस्था सामान्य बानाये रखने को लेकर बैठक किया।दुर्गा पूजा के संदर्भ में बताया गया कि सभी प्रतिमा/विसर्जन यात्रा के लिये लाइसेन्स की अनिवार्यता को सुनिश्चित किया जाना है।सभी थाना/प्रखंड/अनुमंडल स्तर पर सभी स्थानीय पूजा समिति /आयोजकों के साथ तत्काल बैठक कर सभी आवश्यक दिशानिदेशों

से अवगत कराने को कहा गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर शांति समिति की बैठक सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। कार्यपलाक अभियंता विद्युत आपूर्त्ति को सभी आवश्यक जगहों पर बिजली के जर्जर तारों की मरम्मती सुनिश्चित करने को कहा गया। साफ सफाई को लेकर नगर निगम एवं अन्य सभी नगर निकायों को स्पष्ट निदेश दिया गया।

पुलिस उपाधीक्षक यातायात को पूजा के अवसर पर छपरा शहर के लिये स्पष्ट ट्रैफिक प्लान तैयार कर इसकी पूर्व जानकारी देने को कहा गया। शहरी क्षेत्रों में रौशनी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश सभी नगर निकायों को दिया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से मेन रोड एवं रेलवे लाइन के किनारे स्थित आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने का निदेश दिया गया। प्रतिमा विसर्जन सीधे नदियों में नहीं किया जाना है। इसके लिए नदियों के किनारे आवश्यकतानुसार कृत्रिम जलाशयों का निर्माण करने को कहा गया। विसर्जन हेतु चिन्हित सभी घाटों पर आपदा प्रबंधन के मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। बैठक में उपविकास आयुक्त, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचलाधिकारी,थाना प्रभारी आदि जुड़े थे।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जहानाबाद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली के निदेर्शानुसार जहानाबाद के मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत बनावर पहाड़ के पर्यटक भवन परिसर मैं विश्व पर्यटक दिवस के अवसर पर विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार जहानाबाद के द्वारा आयोजित की गई। आम जनों को यह भी संदेश देते हुए कहा गया कि अब राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार 24 घंटे कार्य करती है किसी को किसी भी समय सेवा देने के लिए उपलब्ध है राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार का हेल्पलाइन 15100 है। अब लोग घर बैठे ही इसका पूरा फायदा उठा सकते हैं।

एक नजर

जिलास्तरीय युवा कलाकृति महोत्सव का आयोजन, 150 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

सासाराम बिहार जिला प्रशासन के तत्वावधान में जिलास्तरीय कला, संस्कृति एवं युवा विभाग का युवा महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन। जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार शुक्रवार को मल्टीपर्पस हॉल फजलगंज में किया गया। जिसका उद्घाटन डीएम उदिता सिंह के कर कमलों के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। उद्घाटन समारोह में उप विकास आयुक्त,अपर समाहार्ता सह-अपर जिला दंडाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी,विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता एवं जिला के अन्य पदाधिकारी मौजुद रहे। जिला स्तरीय युवा महोत्सव में 13 विधाओं में लगभग 150 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभाग किया है। प्रत्येक विधा में प्रथम स्थान वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के लिए कला, संस्कृति एव युवा विभाग, बिहार के निदेर्शानुसार भेजा जाएगा।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

नोखा (रोहतास) शुक्रवार को नोखा थाना परिसर में आगामी दुगार्पूजा पर्व को शांतिपूर्ण मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीओ मकसूदन चौरसिया विडियो अतुल गुप्ता थानाध्यक्ष, दिनेश कुमार मालाकार सहित पूजा समिति सदस्य व। सभापति राधेश्याम सिंह उपसभापति धनजी सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, मनोज चंदेल, मुखिया दयानंद सिंह रंजित पासवान वार्ड पार्षद सदस्य मनोज कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता विजय सेठ आफताब आलम, राकेश कुमार, गांधी चौधरी, रमेश चौहान शामिल हुए। बैठक आगामी होने वाली दुगार्पूजा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि पूजा दौरान सरकार द्वारा जारी सभी गाइड लाइन व दिशा-निदेर्शों का पालन करना होगा। उक्त दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध होगा और लाइसेंस पर निर्धारित रूटों पर ही ससमय जुलूस का आयोजन करना होगा। पूजा को सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराने के लिए लोगों से पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की भी अपील की गई। पूजा में किसी तरह का अफवाह फैलाने या शांति भंग करने वालों से कड़ाई से निपटा जाएग। इसके लिए पुलिस अभी से ही सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को चिन्हित कर रही है ताकि समय रहते आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके। वहीं पूजा को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए उपस्थित पूजा समिति के सदस्यों ने भी अपना अपना सुझाव दिया। मौके पर अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गोडारी के पैक्स अध्यक्ष को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

काराकाट। काराकाट नगर पंचायत गोडारी के पैक्स अध्यक्ष उदय कुमार प्रसाद को मोबाइल पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जान मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। जिसके बाद पैक्स अध्यक्ष ने काराकाट थाना में लिखित आवेदन देकर जान माल की क्षति की आशंका जताते हुए मामले की गहन जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि किसी अनजान नंबर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरे मोबाइल पर 12 .08 मिनट पर 8210609319 से फोन आया जब मैं फोन से बात करने लगा तो उधर से गाली गलौज शुरू कर दिया और जान से मारने की धमकी देने लगा जिसके बाद मैं फोन काट दिया। इसके बाद कई बार लगातार रिंग करता रहा लेकिन हम फोन रिसीव नहीं किये। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि दर्ज बयान के आधार पर एफआइआर दर्ज कर लिया गया है। जिस मोबाइल से पैक्स अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी मिली है उस मोबाईल नंबर किसका है खोजबीन जारी है । जानकारी प्राप्त होते ही सख्त कारवाई की जाएगी ।

अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

काराकाट(रोहतास) काराकाट प्रखंड क्षेत्र के बाराडीह पंचायत अंतर्गत जोरावरपुर गांव के मुख्य गली में किया गया अतिक्रमण को सीओ डॉ रितेश कुमार ने हटवा दिया । सीओ ने बताया कि जोरावरपुर गांव में मुख्य गली में काफी दिनों से दरोगा पासवान ने अतिक्रमण कर रखा था । अतिक्रमण हटाने की लगातार नोटिस दी गई लेकिन अतिक्रमणकारी लगातार अनसुना करता रहा । अतिक्रमण हटाने की नोटिस देने के बाद भी कोई जवाब नही मिला और अतिक्रमण नही हटायी गई । मुख्य गली में अतिक्रमण से लोगों का आवागमन बाधित हो रहा था । गांव के लोग अतिक्रमण से परेशान थे लगातार अतिक्रमण हटाने की कई माह से मांग करते आ रहे है । बताया गया कि जोरावरपुर गांव में जैसे ही पुलिस बल जेसीबी के साथ पहुंची तो अतिक्रमण करने वालों ने अतिक्रमण नहीं हटाने का भरपूर प्रयास किया । पुलिस बल के साथ व जेसीबी को रोकने का भी भरपूर प्रयास किया लेकिन पुलिस बल ने प्रशासन की मदत कर अतिक्रमण को हटा दिया ।

दुष्कर्म के दो आरोपित गिरफ्तार

छपरा। जलालपुर थाना क्षेत्र के सर्वीसरेया गांव की एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी कोपा थाना क्षेत्र के सम्होता गांव के स्व० हरेंद्र राय का पुत्र राकेश कुमार राय तथा बनियापुर थाना क्षेत्र के रजौली गांव के काशी राय का पुत्र गुड्डू राय है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार 24 सितंबर को जलालपुर थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि सर्वी सरेया गांव की एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। पीड़िता के परिजन के आवेदन के आधार पर पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के साथ प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद थानाध्यक्ष राहुल कुमार, प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक सुनील कुमार व अनूप कुमार मोर्य सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जेपी विवि में त्रुटिपूर्ण अंकपत्रों में सुधार शुरू

छपरा। जयप्रकाश यूनिवर्सिटी में त्रुटि पूर्ण अंक पत्र में सुधार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कॉलेज के माध्यम से आए आवेदनों के आधार पर त्रुटि को सुधार कर विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। इसके बाद कॉलेज के माध्यम से अंक पत्र का वितरण किया जाएगा। सत्र 2020-23 के सेकेंड ईयर के छात्रों के रिजल्ट में भारी संख्या में गड़बड़ी हुई थी। इसको लेकर छात्रों ने हंगामा भी किया था। इसके बाद कुलपति ने आदेश पारित करते हुए जल्द से त्रुटि पूर्ण अंकपत्रों में सुधार करने का निर्देश दिया गया है। स्नातक सत्र 2020-23 फाइनल ईयर की परीक्षा में करीब 18 हजार छात्र-छात्राओं को शामिल होना है। इसके लिए पूर्व में फॉर्म भरने की तिथि जारी की गई थी। फॉर्म भरने की तिथि जारी करने से पहले कॉलेजों में पार्ट टू का जो अंकपत्र भेजा गया , उसमें काफी गड़बड़ी थी। 15 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं के अंक पत्र में त्रुटि होने के कारण उन्हें फॉर्म भरने में परेशानी हो रही थी। इसको लेकर छात्र-छात्राएं लगातार विश्वविद्यालय में हंगामा भी कर रहे थे। कुलपति ने परीक्षा विभाग को अविलंब अंक पत्र में हुई गड़बड़ी को सुधार का निर्देश दिया है। जब तक सभी छात्र-छात्राओं के अंक पत्र में सुधार नहीं होता है,तब तक फॉर्म भरने की नई तारीख जारी नहीं की जाएगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले... आज देश ही नहीं दुनियाभर के पर्यटकों को लुभा रहा उत्तर प्रदेश

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यटन दिवस पर प्रदेशवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर लुभा रहा है। बीते साल 46 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश आए। यूपी धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बन चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल मकर संक्रांति से 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 के दौरान 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे। सीएम योगी शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे।

- मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यटन दिवस पर दी शुभकामनाएं
- कहा, भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल है उत्तर प्रदेश

महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन : उन्होंने बताया कि बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। वहीं जैन टूरिज्म की दृष्टि से यूपी में अनेक संभावनाएं हैं। अयोध्या जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली है, काशी की पावन धरा पर अनेक जैन तीर्थंकर अवतरित हुए थे। कुशीनगर की पावा नगरी जैन तीर्थंकरों की पावन धरा के रूप में आज भी हमारे लिए पूज्य बनी हुई है। विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज कुंभ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसे ही हेरिटेज टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो झांसी में लक्ष्मीबाई का किला, बांदा में कालिंजर का किला, आगरा का लालकिला और रेड फोर्ट, फतेहपुर सीकरी, प्रयागराज का किला, रामनगर वाराणसी का किला, मिजार्पुर में चुनार किला और लखनऊ का इमामबाड़ा के रूप में एक लंबी परंपरा है। ईको टूरिज्म का तो यूपी हब ही है। चाहे दुधवा हो, चूका हो, कतर्नियाघाट, हस्थिनापुर, सूर्य सरोवर, सोनभद्र का सलखन, ओखला बर्ड सेंचुरी हो।

विरासत और विकास का बेहतरीन समन्वय है पर्यटन

उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के पर्यटकों को लुभाने में सफल हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में गत वर्ष यूपी में 46 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने यूपी के अलग अलग धार्मिक आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म या हेरिटेज टूरिज्म के साइट्स का भ्रमण किया है। ये पर्यटक यूपी के अंदर केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं आते बल्कि रोजगार सृजन में भी इनकी बड़ी भूमिका है। पर्यटन गतिविधियां विरासत और विकास के बेहतरीन समन्वय को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। स्पिरिच्युअल टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, जैन सर्किट आदि हमारे पास हैं। आज काशी में बाबा विश्वनाथ धाम करोड़ों पयर्टकों को आकर्षित कर रहे हैं।

सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। आज यूपी अपनी बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता है। रोड, रेल, वाटर और एयर कनेक्टिविटी हमारे पास मौजूद है। आज हम विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर झांसी में समारोह से जुड़ रहे हैं, तो वहीं 2025 में मकर संक्रांति से लेकर 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में भी दुनियाभर के 40 करोड़ श्रद्धालु भाग लेकर यूपी की इस अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के प्रति पूरे विश्व को आकर्षित करेंगे। सीएम योगी ने विश्वास व्यक्त किया कि पीएम मोदी के विजन के अनुरूप देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करने और यूपी को एक बेहतरीन टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार कामयाब होगी।

खबरें फटाफट

जन्म से कटे होठ व तालु के बच्चों का होगा नि:शुल्क इलाज

मऊ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा राहुल सिंह बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं सावित्री अस्पताल गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में पोषण माह के अंर्तगत, शनिवार 28 सितंबर 2024 को प्रात: 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक, जिला चिकित्सालय पुरुष में कटे होठ एवम कटे तालु के जन्मजात दोष की विकृति को दूर करने के लिए कटे होठ एवं कटे तालु के बच्चों उम्र 0 से 19 वर्ष तक के शिशुओं, बच्चों, तथा किशोरों के नि:शुल्क पंजीकरण, स्क्रीनिंग होगा, उसके उपरांत सावित्री अस्पताल गोरखपुर में नि:शुल्क ऑपरेशन किया जायेगा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा बीके यादव ने बताया कि कटे होठ एवम कटे तालु के नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए गोरखपुर आने जाने वास्ते परिजनों को साधारण बस का किराया भी सावित्री हॉस्पिटल, गोरखपुर जो स्माइल ट्रेन संस्था से संबद्ध है जिसके द्वारा दिया जायेगा। डीईआइसी मैनेजर अरविन्द कुमार वर्मा ने बताया कि जनपद मऊ में आरबीएसके कार्यक्रम द्वारा वर्ष 2019 से अभी तक 38 कटे होठ एवम कटे कटे तालु के बच्चों का नि:शुल्क ऑपरेशन कराया गया है, जो अभी सुंदर मुस्कान के साथ ही पूर्णत: स्वस्थ है।

डीएम ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

बलिया। जिलाधिकारी ने मॉडल तहसील स्थित ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का शुक्रवार को निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस के प्रत्येक तल के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सीसीटीवी कक्ष का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन उपस्थित रहे।

बलिया जनपद के बैरिया तहसील क्षेत्र में सर्वाधिक सड़कों का नुकसान

जनपद में बाढ़ से 25 सड़कें क्षतिग्रस्त

केटी न्यूज/बलिया

जिले में गंगा और सरयू के बाढ़ से एनएच-31 सहित कुल 25 सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बाढ़ का पानी कम होने पर सड़कों की स्थिति दिखने भी लगी है। बाढ़ खत्म होने के बाद गांव के लोगों को क्षतिग्रस्त सड़कों को लेकर भी काफी परेशानी झेलनी पड़ेगी।

लगभग 18 करोड़ से 25 ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराया गया था। जिले में जल जीवन मिशन ने भी भारी संख्या में सड़कों को नुकसान पहुंचाया है। उन सड़कों को ठीक किया जा रहा था तब तक बाढ़ आने के कारण कई क्षेत्रों की सड़कें डूब गईं। लंबे समय पर सड़क पर पानी रहने के कारण सड़कों पर दलदल हो गया और पिच उखड़ गया। कई सड़कें लंबी दूरी तक पूरी तरह से कट भी गई हैं। बैरिया तहसील क्षेत्र में सर्वाधिक सड़कों को नुकसान पहुंचा है। इसमें लोक निर्माण विभाग की सर्वाधिक सड़कें शामिल हैं।

इन सड़कों को पहुंचा नुकसान : गोपालनगर टांडी मार्ग, डुमाईगढ़ मार्ग, बिहार सीमा मार्ग, गोपालपुर-दुबेछपरा मार्ग, शिवपुर मार्ग, चांददियर-मांझी नई बस्ती मार्ग, दोकटी घाट मार्ग, भरसौता, बादिलपुर, पोखरा, गायघाट, बेलहरी, बलिहार, पांडेयपूर, जगदेवा, टेंगरही, लालगंज-शतीघाट, टोला रिसालराय, भवन टोला, सेवादास धाम मार्ग, सिताबदियारा आदि सहित बाढ़ क्षेत्र की अन्य सड़कें भी शामिल हैं। इसमें अधिकांश सड़कें लोक निर्माण विभाग की ही हैं।

केस : एक

सरयू के बाढ़ के पानी से सुरेमनपुर-गोपाल नगर मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। मार्ग के कट जाने से लोगों के आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग एक सप्ताह तक सरयू नदी के बाढ़ के पानी में डूबा हुआ था। पानी कम होने पर अब मार्ग से पानी हट गया है, लेकिन वहां दलदल होने के चलते लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। लोक निर्माण विभाग अभी उसे चलने के लायक बनाया जा रहा है, लेकिन सड़क को बेहतर हाल में बनाने की लोग मांग कर रहे हैं। गांव के लोगों ने बताया कि इसी मार्ग से लोग बिहार में भी आवागमन करते हैं।

केस : दो

जयप्रकाशनगर ढ़ाला से भवन टोला जाने वाले मार्ग पर भी गंगा का पानी चढ़ गया था। इसके कारण कई स्थानों पर मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। इसी रूट से लोग गंगा स्नान के लिए टिपूरी घाट पर जाते हैं। अब जब तक मार्ग नहीं बनता लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना होगा। निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता केशरी प्रसाद ने कहा कि सभी सड़कों का सर्वे कराया जा रहा है। कुछ स्थानों पर ग्रामीण सड़कें लंबी दूरी तक कट गई हैं। प्रथम चरण में पानी कम होने के बाद उन सड़कों को चलने लायक बनाया जाएगा। उसके बाद मानक के अनुसार मरम्मत कार्य होगा।

नीमा एसोसिएशन के अध्यक्ष बने डॉ. विजय, डा.शब्बीर सेक्रेटरी

केटी न्यूज/मऊ

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन मऊ की बैठक रौजा स्थित सभागार में आयोजित किया गया। चुनाव अधिकारी डा रामगोपाल गुप्त के निर्देशन में सर्व सम्मति से खुशनुमा वातावरण में डा. विजय के सिंह को प्रेसिडेंट , डा. शब्बीर अहमद को सेक्रेटरी , डा. एस लाल गुप्ता को पैंटरॉन, डा. एम अजहर को ट्रेजरार बनाया गया ।इसके साथ साथ डा एम के अनवर , डा सलीम जावेद को उपाध्यक्ष का पद भार सौंपा गया।

इसी क्रम में डा.रामगोपाल को प्रेस सेक्रेटरी और डा. एस पी मौर्य को आडिटर बनाया गया ।बैठक को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट डा विजय के सिंह ने कहा कि आप सभी सम्मानित सदस्यों के सहयोग से यह एसोसिएसन नए उत्साह और ऊर्जा के साथ आप सभी के हितों की रक्षा के लिए तन मन और धन से पूर्ण समर्पित होकर कार्य करेगी ।

इस अवसर पर सभी सदस्यों को पंजीकरण पत्र वितरित किया गया। बैठक में मुख्य रूप से डा .नवीन सिंह डा. के के सिंह डा. एच पी उपाध्याय डा. कैंसर परवेज डा. नसीरुद्दीन डा. ए के राय डा. सरफराज अहमद डा सिद्धार्थ डाअकीलुर्रहमान डा खुर्शीद ,डा. सतीश सिंह डा. अमित कुशवाहा डा .अजय सिंह डा. एस खालिद डा. अख्तर हसन डा. अनिल राय डा .मगुर्बुल समेत सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे।

स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का डीएम ने किया शुभारंभ

- हरित पर्व एवं स्वच्छता पर्यावरण जागरूकता रैली कम्युनिटी हाल में संपन्न

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र के नेतृत्व में पर्यावरण निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित जिला योजना 2024-25 के अंतर्गत सामाजिक वानिकी प्रभाग मऊ द्वारा मऊ स्थित कम्यूनिटी हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हरित पर्व 2024 संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वच्छता योग एवं पर्यावरण जागरूकता रैली से की गई, जिसका प्रारंभ आईटीआई परिसर से जिला परियोजना अधिकारी डॉ. हेमंत यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली में मऊ के विभिन्न विद्यालयों से 200 से अधिक छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए, जिनमें राजकीय बालिका विद्यालय, सोनीधापा बालिका इंटर कॉलेज, जीवन राम इंटर कॉलेज और डीसीएसके पीजी कॉलेज के विद्यार्थी भी सम्मिलित थे। छात्रों ने "वृक्ष लगाओ, धरती बचाओ," "पानी स्वच्छ रखें," और "पानी की बबार्दी रोकें" जैसे नारों के साथ गाजीपुर तिराहे होते हुए एनएच 29 हाईवे पर छात्रों ने बैनर, पोस्टर, और नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। रैली के बाद सभी विद्यार्थी, श्रम सेवक और एनसीसी कैडेट कम्युनिटी हॉल में उपस्थित हुए। इस अवसर पर कम्युनिटी हॉल के गलियारे में स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वच्छता ही सेवा एक महान पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र में स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना, तथा इसके अलावा विद्यार्थियों को "स्वच्छता ही सेवा" की शपथ दिलाई गई, साथ ही मऊ को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखने की अपील की गई।

मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर ने 'स्वच्छता और हमारा स्वास्थ्य' विषय पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के बिना स्वास्थ्य की कल्पना नहीं की जा सकती, इसलिए सभी को सफाई बनाए रखना आवश्यक है। प्राचार्य डीसीएसके पीजी कॉलेज डॉ. सर्वेश पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि जो वृक्ष स्वतः उग जाते हैं, वे भी प्रकृति का हिस्सा हैं, इसलिए हमें सभी प्रकार के पौधों की रक्षा करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

एक नजर

मधुबन में स्कूली वाहनों के फिटनेस एवं बिना परमिट चल रहे वाहनों का किया गया चालान

मऊ। स्कूली वाहनों के प्रति चलाये जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के अन्तर्गत स्कूली वाहनों की चेकिंग का कार्य मधुबन क्षेत्र में किया गया, जिसमें प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन / प्रवर्तन सुहेल अहमद एवं यात्रीकर अधिकारी, अरविन्द कुमार जैशल द्वारा 40 वाहनों को चेक किया गया, जिसमें विना फिटनेस एवं बिना परमिट के अभियोग में पायी गयी 04 स्कूली वाहनों को मधुबन थाना में बन्द एवं 06 वाहनों का चालान किया गया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि स्कूली वाहनों के प्रति चेकिंग का कार्य निरन्तर जारी रहेगा।

घोसी से सपा के सांसद राजीव राय को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

मऊ। घोसी लोकसभा से सपा सांसद राजीव राय को जान से मारने की धमकी मिली है। अज्ञात नम्बर से जान से मारने की धमकी मिली है। मऊ शहर कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं सांसद राजीव राय का कहना है कि एक नंबर से उनको लगातार फोन आ रहा था। फोन उठाने पर उधर से जान मारने की धमकी दी गई। इस संबंध में मऊ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस संबंध मे मऊ पुलिस अधीक्षक इलामारन का कहना है कि सांसद राजीव राय की तरफ से सूचना दी गई थी कि 20 सितम्बर को 10 बजकर 11 मिनट पर उनके फोन पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इस संबंध में थाना कोतवाली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

मुख्य विकास अधिकारी ने त्वरित आर्थिक विकास योजना एवं पूर्वांचल विकास निधि पर की बैठक

बलिया। मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में त्वरित आर्थिक विकास योजना एवं पूर्वांचल विकास निधि की बैठक संपन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत एवं सहायक अभियंता सीएनडीएस को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं का निस्तारण करते हुए निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तेजी से पूर्ण कराया जाय। उन्होंने कहा कि जो निर्माण कार्य पूर्ण हो गए हैं,उन निर्माण कार्यों के कार्य कंप्लीट होने के प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया जाय,जिससे अग्रिम कार्यवाही की जा सकें। उन्होंने भौतिक प्रगति के सापेक्ष भुगतान में भी प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने लम्बित पुराने कार्यों का निरीक्षण कराकर शासन को मांग पत्र भेजने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की प्रगति की अद्यतन सूचना उन्हें उपलब्ध कराई जाय।

प्रत्येक जिले में एक गांव को किया जाएगा मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित

सौर ऊर्जा से जगमगाएंगे बलिया सहित 10 गांव

केटी न्यूज/बलिया

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इस पहल के तहत प्रत्येक जिले में एक गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। हर गांव में सोलर संयंत्र स्थापित करने पर जाएंगे एक करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके लिए विशेष सचिव ने जिलाधिकारी एवं सीडीओ को पत्र भेजकर गांव का चयन कराने के लिए कहा है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता को कम करने के क्षेत्र में अब पंचायतें अब और एक कदम आगे बढ़ेंगी। अब पीएम सूर्य घर योजना के तहत हर जिले में एक गांव को माडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें बलिया समेत पूर्वांचल के दस जिलों के एक-एक गांव भी शामिल किए गए हैं। एक करोड़ रुपये खर्च कर गांव को माडल सोलर विलेज बनाया जा सकेगा।

ये उपकरण सोलर से होंगे संचालित : चयनित गांव में स्ट्रीट लाइट, सरकारी भवन, स्कूल और अस्पताल में लगाए गए सभी उपकरण सोलर से संचालित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव प्रशांत शर्मा ने इस संबंध में जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजा है।

प्रतियोगिता से होगा चयन

बलिया। मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने बताया कि सोलर विलेज के चयन का पहला आधार जनसंख्या होगी। इसके लिए वही पंचायत आवेदन कर सकती हैं, जिसकी जनसंख्या पांच हजार से अधिक है। आर्थिक रूप से मजबूत गांव को वरीयता मिलेगी। चयन के लिए एक विशेष प्रतियोगिता भी होगी।

28 फरवरी 2025 तक होगा चयन

बलिया। आवेदन करने वाली पंचायतों में छह माह के लिए सोलर ऊर्जा से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम चलेंगे। लोगों को दस मेगावाट से कम के सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। इसके बाद जिस ग्राम पंचायत में सबसे अधिक संयंत्र स्थापित होंगे, उसका चयन माडल सोलर विलेज के रूप में 28 फरवरी 2025 तक कर लिया जाएगा।

जिला स्तर पर बनेगी समिति

बलिया। सोलर गांव के चयन से लेकर बेहतर क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर एक समिति बनेगी। समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी होंगे। मुख्य विकास अधिकारी को उपाध्यक्ष बनाया जाएगा। समिति में सदस्य के रूप में जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायती राज अधिकारी और उप निदेशक कृषि शामिल होंगे।

क्या बोले सीडीओ

बलिया। सीडीओ ओजस्वी राज ने बताया कि वर्ष 2025 दिसंबर तक काम पूरा करने का लक्ष्य माडल सोलर गांव के लिए सरकार से एक करोड़ की वित्तीय सहायता मिलेगी। इसमें से दस प्रतिशत धनराशि उस गांव में संचालित बैंक, डेयरी सहकारी समिति, स्वयं सहायता समूह और अन्य लाभार्थी संस्थाओं से लिया जायेगा।

कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन की मांग को लेकर निकाला आक्रोश मार्च

- एनपीएस यूपीएस नहीं ओपीएस है हमारी मांग : राजेश सिंह

केटी न्यूज/मऊ

एनपीएस और यूपीएस के विरोध में अटेवा एनएमओपीएस के नेतृत्व में, पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नगर के सोनीधापा इंटर कॉलेजोंके मैदान से पंक्तिबद्ध होकर ,झंडा ,बैनर तख़्ती लेकर सहयोगी संगठनों पदाधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एक लम्बा जुलूस 'आक्रोश मार्च' के रूप निकल कर आजमगढ़ मोड़,गाजीपुर तिराहा होते हुए रोडवेज स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प.अलगुराय शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व संक्षिप्त सम्बोधन के बाद सम्पन्न हुआ। विदित हो कि कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की बहाली की मांग बहुत दिनों से चली आ रही है। एनपीएस के बाद विगत अगस्त महीने में केंद्र सरकार द्वारा यूपीएस नाम की एक नई पेंशन योजना केंद्रीय कर्मचारियों हेतु विकल्प के रूप में घोषित की गई। ज्ञातब्य हो कि अभी उसका क्रियान्वयन होना बाकी है । एनपीएस का विरोध कर रहे और पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्षरत संगठन अटेवा ने यूपीएस को कर्मचारियों के लिए धोखा बताया और इस संघटन ने अपने राष्ट्रीय मंच एनएमओपीएस के तत्वाधान में राष्ट्रीय स्तर पर 'आक्रोश मार्च' के रूप में इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस मार्च को कर्मचारियों के बहुत से संगठनों का समर्थन भी प्राप्त हुआ ।

दूसरे दिन भी जम्मू-कश्मीर के चुनावी दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, पीडीपी व नेकां को लताड़ा

आतंकवाद और सिंध नदी का जल प्रवाह साथ-साथ नहीं चल सकता: सीएम योगी आदित्यनाथ

- टेरेरिस्ट स्टेट नहीं, अब टूरिज्म स्टेट बन गया है जम्मू-कश्मीर : योगी
- योगी की दो टूक- अभी तो पाकिस्तान के हाथों में कटोरा आया है, पानी के लिए तरसने वाला है

केटी न्यूज/जम्मू/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम लोग बचपन में गाते रहे हैं कि "बिना सिंध के हिंद कहां है, रावी बिन पंजाब नहीं, गंगा आखिर खुश हो कैसे, जब तक संग चिनाब नहीं।" भारत सरकार ने 1960 के सिंधु बंटवारे की समीक्षा का आदेश देते हुए टो टूक कहा है कि 'वॉटर एंड टेररिज्म डोंट फ्लो टूगेदर' यानी आतंकवाद और सिंध नदी का जल प्रवाह साथ-साथ नहीं चल सकता। अभी तक पाकिस्तान के हाथों में कटोरा आया है, अब वह एक-एक बूंद पानी के लिए तरसने वाला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरे दिन भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव अभियान में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के प्रचार में पहुंचे। शुक्रवार को उन्होंने रामनगर से उम्मीदवार सुनील भारद्वाज, उधमपुर ईस्ट से प्रत्याशी रणवीर सिंह पठानिया, कठुआ से प्रत्याशी भारत भूषण, किश्तवाड़ से उम्मीदवार शगुन परिहार के लिए कमल खिलाने की अपील की। सीएम योगी को देखने-सुनने के लिए दोनों जनसभा में जबर्दस्त भीड़ उमड़ी।

यूपी की तरह ही जम्मू-कश्मीर भी विकास का हकदार : सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की ताकत का उदाहरण उत्तर प्रदेश में देखा जा सकता है, जहां 500 वर्ष बाद अयोध्या धाम में रामलला विराजमान हो गए। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो खून की नदियां बहेंगी। हमने कहा कि नए भारत में खून की नदियां नहीं बहती हैं, बल्कि यह अपनी सुरक्षा करना जानता है। सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष में यूपी में एक भी दंगा नहीं हुआ। यूपी की तरह ही जम्मू-कश्मीर भी विकास का हकदार है।

फिर से आतंकवाद का दौर लाना चाहती है कांग्रेस, पीडीपी व नेकां : सीएम योगी ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो 370 बहाल करेंगे यानी यह लोग फिर से आतंकवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार के पुराने दौर को लाना चाहते हैं। इन्हें शांति-सौहार्द व विकास नहीं, बल्कि सत्ता चाहिए, लेकिन इन तीनों दल के लिए यहां जगह नहीं है। जनता तिकड़ी को विदा करने का संकल्प ले चुकी है। सत्ता मिलने पर कांग्रेस, नेकां व पीडीपी के नेता 12 में से 8 महीने यूरोप-इंग्लैंड और तीन महीने दिल्ली रहते थे। आखिर एक महीने में जम्मू का विकास कैसे होगा।

तिकड़ी ने अराजकता, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और आतंकवाद को बढ़ाया : सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, नेकां व पीडीपी की तिकड़ी ने यहां अराजकता, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और आतंकवाद को बढ़ाया। बकरवाल, गुज्जर, दलित, वाल्मीकि समाज के लोगों को हक से वंचित कर रखा था। वहीं भाजपा पीएम मोदी के नेतृत्व में उनके जीवन में परिवर्तन ला रही है। यूपी में अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया। पीएम मोदी के नेतृत्व में 80 करोड़ लोगों को भारत में फ्री में राशन मिल रहा है तो वहीं पाकिस्तान भीख का कटोरा लेकर घूम रहा है।

कांग्रेस ने हालात नहीं बदला, बल्कि बदहाल कर दिया : सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि हाथ बदलेगा हालात, लेकिन हाथ ने हालात को बदहाल किया है। उन्होंने अपील की कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनवाइए। सुरक्षा-विकास पाइए और अटल जी के अखंड भारत के सपने को साकार कीजिए।

सभी जनसभाओं में केंद्रीय मंत्री व उधमपुर के सांसद डॉ. जितेंद्र सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना, उत्तराखंड के मंत्री धन सिंह

न ढकने के लिए कफन मिलेगा और न ही दो गज जमीन नसीब होगी

सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान आज दो कारणों से परेशान है। पहला तो वह अपने कर्मों की सजा भुगत रहा है। बलूचिस्तान कहता है कि हमें पाकिस्तान में नहीं रहना है, क्योंकि वहां की हुकूमत हमें विदेशी कहती है। पाक अधिकृत कश्मीर भी कहता है कि हमें अब पाकिस्तान हुकूमत नहीं चाहिए। भूखों मरने से अच्छा है कि जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बनकर अखंड भारत के सपनों को साकार बनाने में सहभागी बनेंगे। सीएम ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान की शह पर आतंक फैलाने वालों को न ढकने के लिए कफन मिलेगा और न ही दफन करने के लिए दो गज जमीन ही नसीब होगी। पाकिस्तान परस्त आतंकी जानते हैं कि आतंकवाद की कीमत किस रूप में चुकानी पड़ेगी। तीन भागों में बंट जाएगा, पाकिस्तान का अता-पता नहीं चलेगा।

'तिकड़ी' ने धरती के स्वर्ग को मजहबी उन्माद के पाप का वेयर हाउस बना दिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस ने धरती के स्वर्ग को मजहबी उन्माद के पाप का वेयर हाउस बनाकर जनता का शोषण किया। इन लोगों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद, भ्रष्टाचार को पनपाया, लेकिन अब 370 व 35 ए को हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में विकास तेजी से बढ़ गया है। टेरेरिस्ट स्टेट से टूरिज्म स्टेट बन गया है। जम्मू-कश्मीर में देश का सबसे बड़ा और ऊंचा ब्रिज बन रहा है तो वंदे भारत जैसी विश्व स्तरीय ट्रेन भी जम्मू से दिल्ली तक शुरू हुई है। नेकां. कांग्रेस व पीडीपी ने युवाओं को तमंचा थमाया था, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार टैबलेट देकर नौजवानों को रोजगार दे रही है।

उत्तर प्रदेश के नहीं, उत्तम प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं योगी महराज : जितेंद्र सिंह

केंद्रीय मंत्री व उधमपुर के सांसद जितेंद्र सिंह ने जनसभाओं में कहा कि योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश नहीं, उत्तम प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश को न सिर्फ उत्तम प्रदेश बना दिया, बल्कि वहां के कानून व्यवस्था को भी सुदृढ़ कर दिया। पूरा हिंदुस्तान उत्तम प्रदेश की मिसाल देता है। योगी आदित्यनाथ लाखों, करोड़ों हिंदुस्तानियों के आदर्श बन चुके हैं। जो जैसे समझता है, उसे वैसे ही समझाते हैं। यह महाराज भी हैं, मंत्रोच्चार भी करते हैं और यदि कोई जमीन हड़पता है तो बुलडोजर भी चलाते हैं। खराब मौसम के बावजूद सीएम योगी अपना वादा पूरा कर यहां आए। यहां ऐसे शख्सियत आए हैं, जिन्होंने पीएम मोदी के दिशानिर्देश में राम मंदिर का निर्माण कराया है।

धारा-370 के पापों की जड़ है कांग्रेस

सीएम योगी ने कहा कि कठुआ वही जनपद है, जहां 1952 में कांग्रेस सरकार द्वारा बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की भावनाओं के विरुद्ध संविधान में धारा-370 जुड़ने के खिलाफ भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के लोकतांत्रिक विरोध के फलस्वरूप यातना दी गई थी। यहां की आवाज को दबाने का कार्य हुआ था। सीएम योगी ने कहा कि धारा- 370 कांग्रेस के पापों की जड़ है। जम्मू-कश्मीर ने विभाजन की त्रासदी, आतंकवाद, पलायन, उपेक्षा को झेला। पीएम मोदी का नेतृत्व मिला तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ। भाजपा व जनसंघ का हर कार्यकर्ता नारा लगाता था कि जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है। 370 हटते ही जम्मू-कश्मीर विकास की मुख्य धारा से जुड़ गया है। आज यहां सामूहिक नरसंहार नहीं, बल्कि जी-20 के सम्मेलन हो रहे हैं। हर हाथ को काम और हर खेत को पानी मिल रहा है।

माध्यमिक विद्यालयीय प्रादेशिक तीरंदाजी में विंध्याचल का दबदबा

केटी न्यूज/पीडीडीयू नगर

नगर के इंडियन इंस्टीट्यूट खेल मैदान परिसर में तीन दिवसीय 68 वीं माध्यमिक विद्यालयीय प्रादेशिक तीरंदाजी प्रतियोगिता की शुरूआत शुक्रवार को हुई। पहले दिन इंडियन स्टाइल तीरंदाजी प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने लक्ष्य पर निशाना साधा। इसमें अंडर-14 बालक वर्ग में 678 अंक प्राप्त कर विंध्याचल मंडल के महावीर पहले स्थान पर रहे। वहीं बालिका वर्ग में मेरठ की निधि ने 829 अंक प्राप्त कर अव्वल रहीं।

प्रतियोगिता के पहले दिन इंडियन स्टाइल तीरंदाजी प्रतियोगिता में विंध्याचल मंडल के महावीर ने 678 अंक के साथ पहला, वाराणसी मंडल के सर्वेश कुमार 667 अंक के साथ दूसरा तथा विंध्याचल मंडल के विशाल कुमार 658 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस प्रकार बालक वर्ग में विंध्याचल मंडल का दबदबा रहा। वहीं अंडर-14 बालिका वर्ग में मेरठ मंडल की निधि 629 अंक प्राप्त कर पहले, सहारनपुर मंडल की मांशी 626 अंक प्राप्त कर दूसरे तथा मेरठ के ही शिवांगी 610 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। बालिका में मेरठ मंडल का दबदबा रहा। इसके पहले मुख्य अतिथि मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्ज्वलित कर तथा धनुष बाण चलाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि धनुर्विद्या का आज से ही नहीं बल्कि भगवान राम के जमाने से चलन है। पहले युद्ध में तीर धनुष मुख्य शस्त्र हुआ करते थे। छात्राएं इस विधा को जिंदा रख और अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ रहीं हैं। एसडीएम अविनाश कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजनों से इस खेल के प्रति भी जनपद और आस पास के लोगों में जिज्ञासा बढ़ेगी। प्रतियोगिता में 15 मंडल के कुल 197 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

चौड़ीकरण के लिए नापी होने से दुकानदारों में हड़कंप

चंदौली। पड़ाव से गोधना मोड़ तक करीब 14 किलोमीटर सिक्स लेन बनाया जाना प्रस्तावित है। पड़ाव छोर से कार्य आरंभ हो चुका है। सड़क चौड़ीकरण को लेकर पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों ने बुधवार की शाम व बृहस्पतिवार की सुबह स्थानीय बाजार में फीता लेकर जीटी रोड पर नाप की। इसको लेकर रोड के किनारे के दुकानों में हड़कंप मचा रहा। सभी अपनी दुकानों को लेकर चिंतित दिखे। वर्तमान में पड़ाव से लेकर सुभाष पार्क तक करीब आठ किलोमीटर सड़क सिक्स लेन का कार्य चल रहा है। स्थानीय बाजार को लेकर अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बाजार में सड़क को सिक्स या फोरलेन करने को लेकर खींचातानी चल रही है। बाजार के दुकानदारों का कहना है कि सड़क को फोरलेन किया जाए ताकि उनकी रोजी-रोटी बची रहे। वहीं कार्यदाई संस्था का कहना है कि उन्हें जितनी जमीन उपलब्ध कराई जाएगी, वे उतने में ही सड़क को बनाएंगे। सड़क चौड़ीकरण को लेकर कई बार दुकानों की नाप हो चुकी है। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि जीटी रोड पर बने डिवाइडर से दोनों किनारों पर 52-52 फीट जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। दो दिन हुई नाप के बाद दुकानदारों में हड़कंप मच गया है।

एक ही रात की बारिश में जौनपुर में हुए विकास के दावों की खुली पोल

- देर रात हुई बारिश से कई जगह धंसी सड़के

केटी न्यूज/जौनपुर

जनपद में देर रात हुई बारिश से नगर की सड़कें कई जगह-जगह धस कर गड्ढा नुमा बन गई है। डीएम कार्यालय के सामने सुबह स्कूल बस धस गयी।अधिकारियों ने आनन फानन में मरम्मत करवाया। लेकिन चार घंटे बाद ही उसी जगह फिर एक वाहन सड़क में धंस गया।वही दूसरी तरफ आरटीओ आफिस के बगल में जर्जर खम्भा गिरने से बड़ी घटना होने से बच गया।

नगर के बदलापुर पड़ाव से लेकर कटघरा तक सड़क पूरी तरीके धसी पड़ी है।वहां के लोगों ने जब सुबह यह नजारा देखा तो चौंक गए।लोगों का कहना है कि जौनपुर में तो विकास की गंगा बहाने का दावा किया जा रहा है लेकिन यहां देखने के बाद ऐसा लगता है कि विकास की गंगा कोशो दूर नजर आ रही है। तस्वीरों में देखिए किस तरीके से लंबी दूरी तक सड़क पूरी तरीके से धस चुकी है। आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानियां हो रही है लोगों का कहना है कि क्या जौनपुर में यही विकास हैं।

दावा किया जा रहा है कि जौनपुर में हर तरफ सड़के अच्छी हो गई है, नालियां बन गई है, पानी नहीं रुकता, लेकिन बावजूद इसके तस्वीर कुछ अलग ही बयां करती है।

इस तस्वीर को देखने के बाद आप खुद सोच में पड़ जाएंगे की आखिर विकास कहां पर है। शहर में लोकसभा चुनाव से पहले सीवर लाइन डालने का कार्य हुआ है।उस दौरान खोदी गयी सड़को को ठीक करने की जिम्मेदारी भी उसी कार्यदायी संस्था की थी लेकिन सीवर लाइन डालने के बाद कार्यदायी संस्था ने केवल अपना कोरम पूरा कर अपनी जिम्मेदारी से इति श्री कर लिया।

आपको बता दे की जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने आदेश दिया था कि 27 सितंबर तक शहर के अंदर सभी सड़के, नाले, गड्ढे भर दिए जाएं। आने वाले समय में नवरात्रि का त्यौहार है उसके मद्दे नजर जौनपुर को गड्ढा मुक्त किया जाए। लेकिन देर रात हुई इस बारिश ने एक बार फिर से पोल खोल के रख दिया है। अब देखना यह होगा कि क्या वाकई जौनपुर गड्ढा मुक्त हो जाएगा या फिर ऐसे ही चलता रहेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा किया जाएगा विकास कार्य को पूरा, रूपरेखा हुई तैयार

चंदौली के रामनगर औद्योगिक क्षेत्र का कायाकल्प कराएगी योगी सरकार

- 53.04 करोड़ की लागत से व्यापक स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर उन्नयन प्रक्रिया को किया जाएगा पूरा

केटी न्यूज/लखनऊ

सरकार ने अब चंदौली के रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के व्यापक कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। योजना के अनुसार, 53.04 करोड़ रुपए की लागत से इस कार्य को पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत व्यापक स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन की प्रक्रिया को पूरा करने की रूपरेखा तय की गई है।

बेहतर कनेक्टिविटी के कारण स्ट्रैटेजिक लोकेशन बना रामनगर औद्योगिक क्षेत्र : रामनगर औद्योगिक क्षेत्र को वर्ष 1978 में स्थापित व 2006-07 में विकसित किया गया था। यह औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से जुड़ा है और मुगलसराय रेलवे स्टेशन से लगभग 13 किमी की दूरी पर स्थित है। इसके अलावा, वाराणसी से इसकी दूरी करीब 30 किमी है, और राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डा, बाबतपुर, यहां से लगभग 51 किमी की दूरी पर है। यह क्षेत्र दोनों तरफ से राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से जुड़ा हुआ है, और अपनी बेहतर कनेक्टिविटी के कारण आवागमन की दृष्टि से बहुत सुगम है। यह औद्योगिक क्षेत्र करीब 515 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें 16.8 किमी का विकसित सड़क नेटवर्क और 15.8 किमी लंबा ड्रेनेज सिस्टम भी शामिल है। इन तमाम खूबियों के कारण रामनगर औद्योगिक क्षेत्र बेहतर कनेक्टिविटी युक्त स्ट्रैटेजिक लोकेशन के तौर पर अपनी पहचान को भविष्य के उभरते केंद्र के तौर पर विकसित कर रहा है।

इन कार्यों के जरिए रामनगर औद्योगिक क्षेत्र का होगा मेकओवर...

सड़क सुधारः सड़क सुधार के अंतर्गत लगभग 3 किमी और 2.09 किमी की सड़कों का उच्चीकरण किया जाएगा, जिसमें सड़कों की चौड़ीकरण, इंटरलॉकिंग व पेव्ड फुटपाथ भी शामिल है।

जल आपूर्तिः जल आपूर्ति के लिए 200 मिमी व्यास के पाइपों का इस्तेमाल करते हुए 400 मि.मी व्यास के साथ 300 मीटर गहरी नई ट्यूबवेल लगाई जाएगी। इसके साथ एक पंपिंग संयंत्र स्थापित होगा ताकि जल वितरण बेहतर तरीके से हो सके।

सार्वजनिक स्थानः सार्वजनिक स्थानों में, पार्क के प्रवेश द्वारों और मुख्य सड़कों पर कंक्रीट स्लैब और बेंच बनाए जाएंगे। साथ ही, ओल्ड फील्ड हॉस्टल और पुलिस पोस्ट का नवीनीकरण व उन्नयन भी किया जाएगा।

नई सुविधाएंः परियोजना परिचालन प्रबंधन और स्थानीय जैव विविधता का समर्थन करने के लिए एक कमान केंद्र और नेस्टिंग हट सहित कई नई सुविधाओं की शुरूआत की जाएगी। नेविगेशन और उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार के लिए प्रवेश द्वार, ईवी चार्जिंग सेंटर, बस स्टॉप, ट्रक पार्किंग स्थल, स्ट्रीट फर्नीचर, ले-आउट मानचित्र, लेन गाइड मानचित्र और एक फ्लैग मास्ट को भी जोड़ा जाएगा।

कचरा प्रबंधनः औद्योगिक क्षेत्र की स्वच्छता और सुंदरता को बनाए रखने के लिए एक व्यापक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी।

विद्युत इंफ्रास्टचरः औद्योगिक क्षेत्र रामनगर में 12.39 करोड़ रुपए की धनराशि से विद्युत उन्नयन का कार्य किया जाएगा। इस क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 33 केवी ओवरहेड लाइनों और 11 केवी केबलों की भूमिगत स्थापना की जाएगी। साथ ही, रात्रि के समय सुरक्षित और बेहतर आवागमन के लिए 810 नई स्ट्रीट लाइटें, 6 हाई मास्ट और 177 डेकोरेटिव पोल्स भी स्थापित किए जाएंगे।

रामनगर बनेगा औद्योगिक केंद्र

"यूपीसीडा द्वारा रामनगर औद्योगिक क्षेत्र को मॉडर्न इंडस्ट्रियल एरिया के रूप में विकसित करने से राज्य को भविष्य के नए औद्योगिक अवसर मिलेंगे। रामनगर जल्द ही एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र बनेगा, जिससे चंदौली के आसपास के क्षेत्रों के विकास और विस्तार भी होगा साथ ही रोजगार की संभावनाओं में बढ़ोत्ती होगी।

- मयूर माहेश्वरी
मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूपीसीडा

एक नजर

पराली प्रबंधन प्रचार वाहन रवाना

जौनपुर। प्रमोशन आफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट आफ क्राप रेज्ड्यू योजनान्तर्गत पराली प्रबन्धन हेतु प्रचार-प्रसार के दृष्टिगत जनपद के समस्त विकास खण्डों में गांव गांव घूमकर पराली प्रबन्धन के लिए कृषकों को जागरूक किये जाने हेतु विकास खण्डवार भ्रमण प्लान के अनुसार शुक्रवार को विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू एवं जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा पराली प्रबंधन प्रचार वाहनों की रवानगी कलेक्ट्रेट परिसर से की गई। प्रचार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवानगी उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि विगत वर्षो में जिन ग्रामों में पराली जलाई गई उनका ग्रामवार रोस्टर बनाते हुये प्राथमिकता के आधार पर प्रचार प्रसार कर कृषकों को पराली न जलाये जाने हेतु जागरूक किया जाय। जिन ग्रामों में प्रचार प्रसार वाहन जाये, उन ग्रामों के ग्राम प्रधानों, लेखपालो, सचिवों एवं कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जाये जिससे कि उनके द्वारा सदस्यों एवं ग्रामवासियों को अपने स्तर से भी पराली जलाने से होने वाले नुकसान,पराली जलाने से लगने वाले अर्थदण्ड से अवगत कराया जाये। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय तथा सम्बन्धित विकास खण्ड के कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

दिव्य शक्ति ने जीता भाषण प्रतियोगिता

चंदौली। पंडित कमलापति त्रिपाठी राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को सेवा पखवाड़ा के तहत आत्म निर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीए तृतीय वर्ष की छात्रा दिव्य शक्ति ने प्राप्त किया। वहीं द्वितीय स्थान बीए प्रथम वर्ष की छात्रा कुमारी नेहा और तृतीय स्थान बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी सिम्मी तिवारी ने प्राप्त किया। अध्यक्षीय संबोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डाक्टर सुकृति मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में भाग लेने की शुभकामनाएं दीं। कहा कि आने वाले दिनों में प्रतियोगिता में और अधिक संख्या में भाग लें, ताकि प्रतिभा का विकास हो सके। कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। डा रितु खरवार, डा. संगीता, डा .अरविंद कुमार, सुमना मुखर्जी, दिलशाद अंसारी सहित छात्र उपस्थित थे। संचालन डा पवन गुप्ता ने किया।

रोहित के परिजनों से मिले दारा सिंह चौहान

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के संघईपुर गांव में 23 सितम्बर को दिनदहाड़े हुए रोहित चौहान की हत्या हुई थी।मृतक रोहित चौहान के घर गुरुवार की रात को प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान ढांढस बधाने पहुंचे।उन्होंने मृतक के पिता एडवोकेट बाबूराम चौहान व उनके परिवार को सांत्वना दिया।हालांकि जब वे परिवार से मिलकर निकलने लगे तभी गांव की महिलाओं सहित अन्य ग्रामीणों ने मंत्री की गाड़ी का घेराव कर हत्यारोपियों के फाँसी देने की मांग किया।दारा सिंह चौहान ने लोगों को आश्वासन दिया कि उचित कानूनी कार्यवाही की जा रही है।कोई लापरवाही नही होगी। हालांकि मंत्री जी के सामने भारी संख्या में आयी महिलाएं काफी आक्रोशित थी।उस समय मंत्री सहित उनके साथ मौजूद लोग लगातार महिलाओं को समझाते रहे। महिलाएं मानने को तैयार नही थी। काफी समझाने के बाद महिलाएं मानी।

निशुल्क बीज लेकर, उन्नतशील खेती करें किसान : जिला कृषि अधिकारी

चंदौली। जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि रबी सीजन में तोरियां के 250 पैकेट बीज, सरसों बीज का 1500 मिनीकिट एवं अलसी बीज 300 मिनीकिट का किसानों में मुफ्त वितरण होगा। मिनीकिट प्राप्त करने वाले लाभार्थी कृषक का किसान पंजीकरण योजना में पंजीकृत होना अनिवार्य है तथा इसका वितरण ढडर मशीन से बायोमैट्रिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जायेगा। कृषि विभाग द्वारा दलहनी व तिलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे इसकी महंगाई पर अंकुश लगाया जा सके।

सुभाषितम्

नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

सुसाइड कैप्सूल: आत्महत्या या इच्छा मृत्यु की वैधानिक सुविधा

हाल ही में स्विट्जरलैंड में सुसाइड कैप्सूल के माध्यम से आत्महत्या ने पूरी दुनिया में एक गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। इस कैप्सूल का निर्माण नीदरलैंड्स की कंपनी ने किया है। यह केप्सूल स्विट्जरलैंड के मरियानेज की बुडलेरी स्ट्रीट के पास स्थित है। एक 64 वर्षीय अमेरिकी महिला की इच्छा मृत्यु ने इस आत्महत्या और कैप्सूल को चचाओं में ला दिया है। क्या ऐसे उपकरणों का उपयोग मानवीय मूल्यों और नैतिकता के अनुकूल है। सुसाइड कैप्सूल एक उन्नत तकनीकी उपकरण है। जिसमें इच्छामृत्यु की इच्छा करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से कैप्सूल के भीतर बैठ जाता है। दरवाजा बंद कर एक बटन दबाते ही कुछ मिनटों के भीतर कैप्सूल में नाइट्रोजन गैस फैल जाती है। जिससे व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इस तरह से मृत्यु बिना किसी दर्द या पीड़ा के होती है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है। जो जल्द और शांतिपूर्ण ढंग से जीवन को समाप्त कर देता है। अमेरिकी मे महिला की मृत्यु के बाद स्विट्जरलैंड की पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का दावा है, कंपनी के कुछ अधिकारियों और सेवा से जुड़े व्यक्तियों ने महिला को शांतिपूर्ण ढंग से आत्महत्या के लिए प्रेरित किया था। इस घटना के बाद नैतिकता,कानून,और चिकित्सा क्षेत्र में इच्छा मृत्यु को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। स्विट्जरलैंड में इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्राप्त है। परंतु इस मामले ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दुनिया के अधिकांश देशों में इसे वैध नहीं माना है। विशेषज्ञों का कहना है, ऐसे उपकरणों के प्रयोग के लिए कठोर कानूनी और नैतिक दिशा निर्देश आवश्यक हैं। जीवन समाप्त करने का यह माध्यम उन मरीजों के लिए सहायक हो सकता है। जो गंभीर पीड़ा और लाइलाज बीमारियों से जूझ रहे हैं। स्विट्जरलैंड की इस घटना ने पूरे विश्व में इच्छा मृत्यु को लेकर नई बहस को जन्म दिया है। कुछ लोग इसे मानवीय और चिकित्सा दृष्टि से उचित ठहराते हैं। वहीं दूसरी ओर इसे अनैतिक और गैरकानूनी मानते हैं। सरकारों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े जिम्मेदरों को इस विषय पर स्पष्टता से समग्र निर्णय लेने की आवश्यकता है। पिछले 4 दशक मे चिकित्सा के क्षेत्र में व्यवसायिकता देखने को मिल रही है। कृत्रिम उपचार के माध्यम से किसी तरह से बीमार व्यक्ति को लंबे समय तक जिंदा रखा जाता है। इस प्रक्रिया में उसे शारीरिक और मानसिक कष्ट से गुजारा जाता है। किसी भी दृष्टि से उसे जीवित रखा जाता है। चार दशक पहले चिकित्सक इस तरह के मामले में स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत मरीज को प्राकृतिक तरीके से देखरेख और उपचार करके उसे जिंदा रखने की कोशिश करते थे। शारीरिक संरचना में जब मरीज भोजन करने में असमर्थ हो जाए, औषधि का उसके ऊपर असर खत्म हो जाए, बीमारी से निजात पाने की कोई संभावना न हो। ऐसी स्थिति में प्राकृतिक मृत्यु की क्रिया से गुजरा जाता था। इसमें शरीर को असाध्य कष्ट नहीं होता था। पिछले 4 दशकों में जो उपकरण चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोग में लाये जा रहे हैं। कुछ ऐसी औषधि हैं जो शरीर के किसी एक अंग को लंबे समय तक जिंदा रख पाती है। उसके सहारे मरीज को शारीरिक और मानसिक कष्ट से अस्पतालों में गुजरा जाता है। मरीज के परिवार जनों से इलाज के नाम पर काफी पैसा अस्पतालों द्वारा कमाई की जाती है। भारत जैसे देश में साधु-संतों और जैन धर्म के लोगों में समाधि और संलेखना के माध्यम से इच्छा मृत्यु का चलन है। इस तरह की इच्छा मृत्यु से बाहरी शारीरिक कष्ट नही होता है। शारीरिक रूप से जो शरीर ग्रहण कर सकता है। उसको लेते हुए वह धीरे-धीरे शरीर को निष्क्रीय करते हुए स्वाभाविक मृत्यु का वरण करता है। भारत में स्वाभाविक प्राकृतिक मौत की यह प्रक्रिया घर-घर में प्रचलित थी जब भी कोई असाध्याय बीमारी से ग्रसित होता था, उम्र पूरी हो जाने के बाद जब शारीरिक अंग कमजोर हो जाते थे।

चिंतन-मनन

गुरु की स्वीकार्यता

हर वक्त संसार को गुरु की दृष्टि से देखो। तब यह संसार मलिन नहीं बल्कि प्रेम, आनन्द, सहयोगिता, दया आदि गुणों से परिपूर्ण, अधिक उत्सवपूर्ण लगेगा। तुम्हें किसी के साथ संबंध बनाने में भय नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास आश्रय है। घर के अन्दर से तुम बाहर के वज्रपात, आंधी, वर्षा व कड़ी धूप देखोगे। भीतर वातानुकूलित व्यवस्था है- शीतल और शान्त। बाहर गर्मी और अशांति है पर तुम परेशान नहीं होते, क्योंकि कुछ भी तुम्हें बेचैन और विचलित नहीं कर सकता। कोई तुम्हारी पूर्णता नहीं छीन सकता। यही है गुरु का उद्देश्य। संसार के सभी संबंध उलट-पुलट हो जाते हैं। संबंध बनते हैं और टूटते हैं। यहां राग भी है, द्वेष भी। यही संसार है। पर गुरु कोई संबंध नहीं, गुरु की मौजूदगी होती है। गुरु का सान्निध्य अनुभव करो। गुरु को अपने संसार का अंश मत बनाओ। संसार का हिस्सा बनाते ही, वही अप्रिय भावनाएं उठती हैं- उन्होंने ऐसा कहा, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूं। जीवन में गुरु का सान्निध्य सभी संबंधों में पूर्णता लाता है। यदि गुरु के निकट अनुभव नहीं कर रहे, तो यह तुम्हारे मन, धारणा, अहंकार के कारण है। जो कुछ भी महत्वपूर्ण है, अंतरंग है, उसे गुरु के साथ बांटो। जो तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है, आंतरिक है, जब तक तुम उसे गुरु को नहीं व्यक्त करते, तब तक निकटता का अनुभव नहीं कर सकते। आप कैसे हैं गुरु से हृदय खोलकर मन की गहराइयों में समाई अपने जीवन की आंतरिक व महत्वपूर्ण बातें करो। महत्वहीन या सांसारिक बातें न करो। यदि तुम गुरु के साथ निकटता अनुभव नहीं कर रहे, तो गुरु की आवश्यकता ही क्या है वह तुम्हारे लिए केवल एक और बोझ है। बस, उसे अलविदा कह दो। तुम गुरु के साथ हो ताकि तुम गुरु के आनन्द में सहभागी हो, उनकी चेतना के सहभागी। इसके लिए पहले तुम्हें अपने आप को खाली करना है, जो पहले से है, उसे गुरु को दे देना है। मन में जितना भी कूड़ा हो, किसी भी प्रकार का, गुरु लेने के लिए तैयार हैं।

शहीदे आजम :बम पिस्तौल से कभी क्रांति नहीं आती

दिलीप कुमार पाठक

कुछ महापुरुष कम समय के लिए ही सही धरती पर आते हैं और दुनिया को अपने आचरण से सिद्ध करते हैं कि आदमी का इस दुनिया में सिर्फ. पैदा होकर मरने के लिए जीवन नहीं होता, बल्कि सिद्ध भी कर जाते हैं कि एक आदमी देश ही नहीं दुनिया की तारीख बदल देता है.. हमारे देश में एक से बढ़कर एक बहादुर महामानव पैदा हुए हैं, लेकिन जब भी देश में सबसे बहादुर इंसान का जिक्र होगा , महान शहीद ए आजम भगत सिंह जी का नाम अग्रणी होगा. कहा जाता है हमारे भारतीय इतिहास में इनसे बहादुर इंसान पैदा ही नहीं हुआ, और न होगा. हमारे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगत सिंह जी क्रांतिकारी के साथ ही महान दार्शनिक इंसान थे. महान भगत सिंह जी खुद नास्तिक होते हुए भी ऐसे भारत की कल्पना करते थे, जहां हर धर्म जाति के लोग समानता के साथ अपना खुशहाल जीवन व्यतीत करें. आज हमारे देश में भगत सिंह जी के टैटू, स्टीकर लगाकर घूमते हुए लोग मिल जाते हैं. नए-नए राष्ट्रवाद की नई परिभाषा रचने वाले भगत सिंह जी का नाम लेकर मार्क्सवादी लोगों को हेय की दृष्टि से देखने वालों ने वामपन्थ की विचारधारा, कम्युनिस्ट शब्द को एक गाली के रूप में प्रयोग करना शुरू किया हो, वहाँ नई पीढ़ी के लोगों को, युवाओं को शहीदे आजम के विचार क्या खाक समझ आते होंगे?

आज के दौर में हमारे युवाओं के मन में शहीदे आजम भगत सिंह जी काम नाम जेहन में आते ही सबसे पहले हथियार, हिंसा, दिमाग में आते हैं. लेकिन भगत सिंह जी को उन्हें अपने दौर का दार्शनिक इंसान माना जाता है. उनके दौर के दोस्तों का कहना था भगत सिंह बहुत ज्यादा अध्ययन करने वाले विचारशील इंसान थे. हमेशा उनके हाथ में कोई न कोई बौद्धिक पुस्तक होती थी. भगत सिंह जी ने भारतीय दर्शन के साथ यूरोपीय, अमेरिकन, ब्रिटिश, रसियन दर्शन साहित्य का खूब अध्ययन किया था. भगत सिंह जी ने अरेस्ट होने से पहले लगभग 300 बौध्दिक किताबों का अध्ययन किया था, वहीं गिरफ्तार होने के बाद दो साल जेल में लगभग 300 किताबों का अध्ययन किया था. भगत सिंह अपनी लेखनी के लिए बहुत प्रसिद्ध थे, उस दौर पूरे देश की बड़ी - बड़ी मैग्जीन 'अकाली, प्रताप, वीर अर्जुन, कीर्ति, आदि में उनके आर्टिकल्स प्रकाशित होते थे. महान भगत सिंह उच्चतम विचारों के प्रगतिशील विचारों से ओतप्रोत दार्शनिक क्रांतिकारी थे. आजकल नाटकों मंच आदि में भगत सिंह जी का अभिनय करते बच्चे मूँछों को तरेरते, हाथों में पिस्टल लहराते हैं, तब दुःख होता है कि एक महान दार्शनिक क्रान्तिकारी को उग्र विचारो वाला इंसान ही माना जाता है, एवं उनके विचारो पर कोई विमर्श ही नहीं करता... शहीदे आजम भगत सिंह जी को समझना बहुत मुश्किल है.

महान भगत सिंह कहते थे –

बम, और पिस्तौल, से क्रांति नहीं आती क्रांति की तलवार विचारों से तेज होती है, हिंसा कुछ दिनों के लिए प्रभावी हो सकती है, लेकिन विचार हमेशा अमर रहते हैं". हिंसा के दम पर आप सफल हो भी सकते हैं लेकिन आप फि र से गिरेंगे यह भी तय है'.

आज अधिकांश लोग भगत सिंह जी का नाम लेकर हिंसा को प्रमोट करते हैं. एक महान दार्शनिक क्रांतिकारी को हिंसक विचार वाला क्रांतिकारी बनाने में तुले रहते हैं. भगत सिंह वसुधैव कुटुम्बकम यानि विश्व हमारा परिवार है, समाजवाद, नास्तिकता जैसी विचारधारा को मानते थे. इसीलिए शहीदे आजम कार्ल मार्क्स, ब्लादिमीर लेनिन, आदि से खासे प्रभावित थे. किसानो, मजदूरों को सामाजिक भेदभावपूर्ण जीवन जीते हुए देखकर बहुत दुखी होते थे. वे समाज के निचले स्तर पर ज़िन्दगी जी रहे लोगों के लिए आवाज उठाना चाहते थे, लड़ना चाहते थे. उनकी इस विचारधारा को समझने के लिए समझा जा सकता है जब उन्होंने एक अवॉर्ड विनिंग आर्टिकल में गुरु गोविंद सिंह जी को याद करते हुए लिखा था --- सूरा सो पहिचानिए जो लड़े दीन के हित पुर्जा - पुर्जा कट मरे कभू न छड़े खेत... कहने का मतलब है बहादुर वही है जो कमजोर, दुःखी लोगों के लिए लड़ता रहे , भले ही लड़ते हुए खुद मिट जाए. आजादी से पूर्व हमारे सभी क्रांतिकारियों का प्राथमिकताओं में आजादी ही थी. सामाजिक न्याय की बात तो बाद में भी की जा सकती थी, लेकिन भगत सिंह इससे भी पहले सामाजिक न्याय की बात को जोर देते थे. भगत सिंह का मानना था जब आदमी के साथ व्यक्तिगत रूप से अन्याय होता है, तो एक मजदूर, किसान को उससे कोई फर्क.

नहीं पड़ता कि शासन किसका है, फिर चाहे ब्रिटिश राज हो या भारत का.. भूखे व्यक्ति का स्वतन्त्रता, गुलामी आदि से क्या लेना देना. शोषण को शोषण ही कहा जाएगा चाहे करने वाला कोई भी हो. मजदूरो, किसानो की ज़िन्दगी में कोई परिवर्तन नहीं आएगा जब तक सामाजिक सुरक्षा, न्याय की तरजीह न दी जाए. भगत सिंह चाहते थे, भारत की आजादी के साथ सामाजिक न्याय की बात की जाए, क्योंकि सत्ता परिवर्तन से देश नहीं बदलेगा. उन्होंने इसके लिए एक पार्टी भी बनाई थी, उनकी पार्टी का नाम था 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' बाद में भगत सिंह, एवं चंद्रशेखर आजाद ने इसी में सोशलिस्ट शब्द जोड़ दिया. भगत सिंह अपनी सामाजिक न्याय की परिभाषा के साथ किसी तरह का कोई समझौता नहीं करते थे और न ही वो भूलते थे. जब असेंबली में उन्होंने बम गिराए थे, तब शहीदे आजम एवं बटुकेश्वर दत्त दोनों ने तीन नारे लगाए थे. इंकलाब जिंदाबाद, साम्राज्यवाद का नाश हो, सामाजिक क्रांति.. आदि उनके प्रसिद्ध नारे थे. गुलामी के दौर में पैदा होने वाले शहीदे आजम वसुधैव कुटुम्बकम यानि विश्व एक परिवार है, जैसी महान विचारधारा में यकीन करते थे. भगत सिंह ने एक लेख लिखा था 'विश्व प्रेम' जिसे उनके शहीद होने के बाद 1942 कोलकाता की मैग्जीन मतवाला में प्रकाशित किया गया था.

शहीदे आजम ने लिखा

वसुधैव कुटुम्बकम यानि विश्व एक परिवार है, यह कितना सुन्दर महान आदर्श है, हर किसी को अपना हो जाने दो, कोई भी अजनबी न हो, वह कितना सुन्दर दौर होगा जब दुनिया से पराएपन का भाव मिट जाएगा. जिस दिन दुनिया में यह सुन्दर आदर्श स्थापित होंगे, उस दिन कह सकेंगे इस दुनिया ने अपनी ऊंचाई को छू लिया है. इस आर्टिकल में वसुधैव कुटुम्बकम जैसी विचारधारा को लिखने वाले विद्वान व्यक्ति को भगत सिंह बहुत साराहते हैं. जिन्हें सामाजिक जीवन की साधारण बातें भी नहीं पता वो राष्ट्रवाद जैसे बड़े-बड़े शब्दों का उपयोग करते हैं, जबकि बड़े से बड़े दार्शनिकों ने इस शब्द को महत्त्व ही नहीं दिया.. आज के दौर में बहुतेरे लोग इस क्षुब्ध राष्ट्रवाद जैसे शब्द का खूब उपयोग करते हुए विपरीत विचारो के लोगों को क्रिटिसाईज करते हुए नीचा दिखाते हैं, देखा जाए तो वो लोग न गाँधी जी को समझ पाए न भगत सिंह जी को न गुरु टैगोर, न ही पंडित नेहरू जी को क्यों कि सभी दार्शनिक क्रांतिकारी इस शब्द को उपयोगी नहीं मानते थे. आज के ऐसे लोग संकीर्णतावादी सोच से ग्रसित हो चुके हैं. ये वैसे ही मानसिकता के लोग होते हैं जो खुद को सर्वश्रेष्ठ मानकर दूसरे मुल्कों को नीचा दिखाते हैं. जैसे आज भारत - पाकिस्तान, चीन - भारत की दुश्मनी है, भगत सिंह जी के दौर में अमेरिका - जापान, एवं फ्रांस - जर्मनी के बीच में खूब दुश्मनी थी, उस दौर के भगत सिंह का ख्वाब था दुनिया आदर्श जब मानी जाएगी जब अमेरिका जापान एक दूसरे से दुश्मनी छोड़कर एक दूसरे का सम्मान करते हुए, एक दूसरे का सम्मान करेंगे, वहीँ जर्मनी एवं फ्रांस एक दूसरे को मित्रता की दृष्टि से देखेंगे. वहीँ ब्रिटेन भारत को एक आजाद मुल्क मानकर जब भारत सम्मान के साथ ब्रिटेन के साथ स्पर्धा करेगा. गुलामी के दौर में भी भगत सिंह ब्रिटेन को गुलाम होने की कामना नहीं करते थे. बल्कि वो कामना करते थे, दुनिया एक दूसरे की इज्जत करते हुए स्पर्धा करते हुए आगे बढ़े. शहीदे आजम के ऐसे उच्चतम विचार आज की दुनिया के लिए भी प्रासंगिक है, और रहेंगे. शहीदे आजम महात्मा गांधी जी से प्रेरित होकर ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बनने की सोचकर देश की आजादी की लड़ाई में उतरे थे. भगत सिंह, 'गांधी जी' को अपना लीडर, मार्गदर्शक मानते थे, साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस, एवं पण्डित जवाहर लाल नेहरू जी से काफी प्रभावित थे. सन 1928 में भगत सिंह ने कीर्ति मैग्जीन में एक आर्टिकल लिखा था, आर्टिकल का नाम था 'नए नेताओं के विचार' इस आर्टिकल में भगत सिंह पंडित नेहरू जी, एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस का ज़िक्र करते हुए लिखते हैं भगत सिंह नेताजी को इमोशनल बंगाली कहते हुए लिखते हैं सुभाष चंद्र बोस देश की खूबसूरती को रोमांटिसिज्म कर रहे हैं, उन्होंने इसे भावुकता कह कर खारिज कर दिया. वहीँ तर्कसंगत बात पर नेहरूजी के भाषण से तुलना करते हुए नेहरू जी की बात से सहमत हुए पंडित जवाहर लाल नेहरू कहते हैं 'जिस देश में जाओ वो सोचता है कि वो किसी दूसरे देश से खास है, वहीँ उसका दुनिया के लिए एक संदेश है, जैसे ब्रिटेन दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है. भगत सिंह जी का मानना था जरूरी नहीं है कि हम एक - दूसरे से सहमत ही हों, एक दूसरे से असहमति का भी स्वागत होना चाहिए, जो बात न्यायोचित न हो उस बात को नहीं मानना चाहिए, चाहे वेद, पुराण, कुरान, बाइबिल ही क्यों न कहें. समतावादी विचारों को मुखरता से उठाने वाले भगत सिंह 1927 में अपने लिखने वाले आर्टिकल में जिक्र करते हैं - दुनिया के सभी गरीब लोग चाहे जिस भी जाति, धर्म, नस्ल, या सीमाओं से बंधे देशों के हों, सभी के समान अधिकार होने चाहिए. सभी का उद्देश्य होना चाहिए, समाज से लिंग धर्म, जाति, भाषा, आदि के नाम पर भेदभाव बंद होना चाहिए. यह ताकत आम लोगों के हाथ में होना चाहिए. भगत सिंह का मानना था सत्ताधीशों को धर्म, जाति से दूर रखना चाहिए. सरकारों की किसी भी धर्म से नजदीकी दूसरे धर्म के लोगों के अन्दर असुरक्षा की भावना पैदा कर सकती है, और यह भावना पैदा होना किसी भी सरकार उस मुल्क के लिए सबसे खराब बात है. वैसे भी धर्म, आस्था आदमी की व्यक्तिगत होती है, उसका समाजीकरण, सरकारीकरण नहीं होना चाहिए. आज सत्ता के लोग मन्दिर - मस्जिद की बातें करते हैं तो बहुत दुःख होता है क्या भगत सिंह जी के ये विचार थे? युवाओं को सोचना होगा. शहीदे आजम इतनी कम उम्र में ही पूरी संवेदनाएं पढ़ चुके थे, बल्कि उसे आत्मसात भी कर चुके थे, वहीँ उसे लिखकर हम सभी के लिए दस्तावेज छोड़ गए कि आने वाली नस्लें जान सकें कि हमारे महान पूर्वज कितने महान थे. नास्तिक भगत सिंह अपनी नास्तिकतावाद के प्रति भी उदारवादी ही थे।

बदलती लाइफ स्टाइल से नींद की कमी एक बड़ी चुनौती

दिलीप कुमार पाठक

स्वस्थ शरीर के लिए विशेषज्ञ स्लीप साइकल को ठीक रखने पर विशेष जोर देते हैं, इसमें सोने-जागने के निर्धारित समय और नींद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है नींद की गुणवत्ता का संपूर्ण स्वास्थ्य पर असर देखा जा सकता है। तमाम अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है, उनमें कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का जोखिम अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं नींद की गुणवत्ता के साथ इसकी अवधि का ख्याल रखना भी बहुत आवश्यक है, अक्सर लोगों की स्लीप साइकल में एक बड़ी समस्या देखी गई है, कई लोगों को रात में देर तक जगने की आदत होती है। यह आदत भले ही सामान्य लगती हो, पर सेहत पर इसके कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को रात में 6-8 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है। इसके लिए रात में 10 से सुबह 6 बजे तक सोने के समय को सबसे गुणवत्तापूर्ण नींद वाला माना जाता है, हालांकि अक्सर देखने को मिलता है कि अधिकतर लोग रात में 12-1 बजे सोते हैं। यह आदत आपकी स्लीप साइकल को बिगाड़ देती है, जिससे नींद पूरी न होने के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है। देर से सोने वाले लोगों में स्वाभाविक रूप से सुबह देर से उठने की भी आदत होती है, इस कारण से अक्सर ऐसे लोगों के लिए सुबह के समय व्यायाम कर पाना कठिन हो जाता है। हेल्थ प्रमोशन एंड क्रॉनिक डिजीज प्रिवेंशन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकताओं ने पाया कि देर से सोने वाले लोगों में अन्य लोगों की तुलना में गतिहीन जीवनशैली की समस्याएं भी अधिक देखने को मिलती हैं, जिसका संपूर्ण सेहत पर बहुत नकारात्मक असर हो सकता है। आजकल नींद की कमी से परेशानियां बहुत आम हो गई हैं। खासकर युवाओं में डिप्रेशन अवसाद की बीमारियां डेरा जमा चुकी हैं। देश में युवाओं का एक बड़ा वर्ग अवसाद से ज्यादा परेशान है। जिन्हें इसकी समस्या होती है, ऐसे लोग अपनी तरह की दुनिया बना लेते हैं..। हमारे आसपास के लोग समझ नहीं पाते..। मेरा मानना है पहले आप अपनी जरूरतें पूरी करिए फि र आप जमाने के लिए सोचिए जब आपके अंदर ही एक कोलाहल है तो आप दुनिया के लिए क्या ही लड़ पाएंगे! मुझे सम्बन्धित व्यक्ति के बारे में ज़्यादा पता नहीं है लेकिन इस उम्र में डिप्रेशन का कारण ज्यादातर भविष्य की चिंता ही होती है। सबसे पहले आप खुद को स्थायित्व दीजिए बाद में जमाने के लिए सोचिए। अभी कुछ दिनों पहले पढ़ा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प ने डिप्रेशन की वजह से आत्महत्या कर ली। भला इंग्लैंड के इतने बड़े क्रिकेटर को ऐसी क्या समस्या थी कि उन्होंने खुद को ऐसे खत्म कर दिया?? जाहिर है अंदर एक कोलाहल रहा होगा जो उन्हें अपने साथ ले गया..। वैसे भी पैसे जरूरतों से ज़्यादा मानसिक सुकून बहुत आवश्यक है। मैंने बहुत सालों से अनुभव किया है, हमारे समाज में या दुनिया में जिस तरह की लाइफस्टाइल को लेकर आकर्षण है, मुझे लगता है कुछ सालों बाद आधी दुनिया अवसाद में होगी। आज हर तीसरा आदमी अपनी टेंशन में डूबा हुआ है। एक-दूसरे से आगे निकलने की जद्दोजहद, असीमित सामाजिक दबाव...अवसाद के कई कारण होते हैं, लेकिन नींद की कमी भी एक महत्वपूर्ण कारण है। अब आधी दुनिया रात में सोती नहीं है, जबकि बहुत आवश्यक हो तो हो देर रात जागना चाहिए। वैसे भी नींद का जीवन में अपना एक महत्त्व होता है, इसके दुष्प्रभाव जल्दी पहिचान में नहीं आते, बल्कि धीरे-धीरे नींद की कमी गम्भीर समस्या बन जाती है ; और आज आधी से ज्यादा युवाओं की आबादी इसकी गिरफ़्त में है। अब तो देर रात तक जगने का फैशन बन चुका है। रात में जागने के बाद जिम जाकर शरीर फुलाने से क्या हासिल होता है?? योग व्यायाम की जगह जिम करने की अंधी दौड़ भी युवाओ को परेशानी में डाल रही है। सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती हैं स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है। दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं। मैंने अब तक बहुत से चिकित्सकों से परामर्श लिया है, उन्होंने जिम जाने की बजाय योग, व्यायाम को सही बताया है। जबकि जिम जाने के अनेकों साइड इफेक्ट हैं। अतः सबसे पहले अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करते हुए रात में जल्दी सो जाएं रात सोने के लिए ही बनाई गई है, सुबह सूरज उगने से पहले उठ जाएं, सुबह योग, व्यायाम करने के बाद जल्दी नहाकर फ्रेश हो जाएं..उगते हुए सूरज को देखिए, सुबह चिड़ियों को देखिए, डिप्रेशन से आप पूर्णतः विजयी तो नहीं होंगे फि र भी आप आगे के लिए खुद को बेहतर कर पाएंगे। जब आपका मूड फ्रेश होगा तो आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं। जो अच्छा लगे वो कीजिए। समाने वाला जो करता है वही मुझे करना है इस धारणा से खुद को बचाकर रखिए..। अगर ये रात में अनावश्यक जागने का फैशन ट्रेंड में रहा तो देखिएगा दुनिया की आधी आबादी स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों से घिरी होगी। और यह समस्या बड़ी विकराल होगी...नींद की कमी से भी अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष आज आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे और ऐसा करने में आपको प्रसन्नता होगी।	**तुला** आज दिन लाभ से भरा होगा, लेकिन आपको परिश्रम अधिक करना होगा।
वृषभ आज दिन सुख समृद्धि से भरा होगा। आपके जीवन से हर प्रकार की बाधा दूर होगी।	**वृश्चिक** लाभ होगा। ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे जो आपकी खिन्नता को बढ़ा देंगे।
मिथुन आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके भाग्य में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे।	**धनु** आज सफलता प्राप्त होगी और भाग्य में वृद्धि होने से आपका मन प्रसन्न होगा।
कर्क आज दिन सुख में बीतेगा और मन प्रसन्न रहेगा। धर्म और आध्यात्म में आपको रुचि रहेगी।	**मकर** आपके सुख में वृद्धि होगी। आपके निर्णय लेने की क्षमता से आपको लाभ होगा।
सिंह आज करियर के मामले में लाभ होगा। अपनी शान शौकत के लिए धन का व्यय करेंगे।	**कुंभ** नवीन योजनाएं सफल होने से आपको खुशी होगी। रुचि आध्यात्मिक कार्य में रहेगी।
कन्या ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे जो कि चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।	**मीन** आपका मन खुश रहेगा। मानसिक अशांति खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं।

राजकाज

तीसरे कार्यकाल के 100 दिन भारी पड़े

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीसरा कार्यकाल है। पहले दो कार्यकाल के 100 दिन प्रधानमंत्री मोदी के लिए ऐतिहासिक रहे। दोनों बार के 100 दिन में ऐसा जलवा बना था। जिसको आज भी लोग याद करते हैं। तीसरी बार के 100 दिन मोदी जी को भारी पड़ गए हैं। पहले के दो बार के 100 दिन से अब के 100 दिन की तुलना हो रही है। 400 पार का नारा 240 में सिमट गया। संसद में तीन बिल वापस लेने पड़े। हरियाणा में बगावत हो गई। वक्फ बिल जेपीसी में भेजना पडा। रही सही कसर सेबी प्रमुख ने पूरी कर दी। बांग्लादेश में हुए विद्रोह ने भारत में चुनौती बढ़ा दी। हरियाणा और कश्मीर की बगावत ने पार्टी के चाल चरित्र चेहरा और अनुशासन को जग जाहिर कर दिया। अभी तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम तय नहीं हो पाया। बहुत ऊपर चढ़ने के बाद वहां बने रहना बहुत मुश्किल होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब यह समझ में आ रहा है।

केजरीवाल की खाली कुर्सी

लोकशाही में अब राजशाही के दृश्य देखने को मिल रहे हैं। राजा राम का वनवास हुआ। अनुज भरत ने सिंहासन में खड़ाऊ रखकर 14 साल तक भगवान राम का राजकाज चलाया। बनवासी राम की तरह सारे सुख त्याग कर त्यागी बन गए। अब वही काम लोकतंत्र की व्यवस्था में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी कर रही हैं। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की मुख्यमंत्री की कुर्सी को सिंहासन मानकर सुरक्षित रख दिया है। वह एक नई कुर्सी पर बैठ रही हैं। उनका कहना है, विधानसभा चुनाव के बाद जब आम आदमी पार्टी की दिल्ली में विजय होगी। तब केजरीवाल अपने सिंहासन पर आकर बैठेंगे। तब तक वह उनके नाम से राजकाज करेंगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1837 बहादुर शाह द्वितीय दिल्ली की गद्दी पर बैठे. 1929 पार्श्व गायिका लता मंगेशकर का जन्म. 1947 नाजी जर्मनी ने चेकोस्लोवाकिया में आतंक फैलाना शुरू किया. 1951 इंडोनेशिया राष्ट्रसंघ का सदस्य बना. 1965 मनीला फिलीपींस से 56 किलो मीटर दक्षिण में ज्वालामुखी फूटने से 1977 जापान के छापामारों ने अपहत विमान के 56 व्यक्तियों को बंधक बना लिया. 1987 ईरान में आयातुल्ला खोमेनी के उत्तराधिकारी मेंहदी हाशमी को गोली से उड़ा दिया गया. 1988 चेकोस्लोवाकिया ने ब्रिटेन के दो सैन्य अधिकारियों को निष्कासित कर दिया. 1989 फिलीपीस के पूर्व राष्ट्रपति 'फडीनांड का निधन. 1993 कराकस राजमार्ग के नीचे गैस पाइपलाइन के विस्फोट से पचास व्यक्ति मारे गए. 2003 भारत ने छठे एशियाई कप हॉकी टूनार्मेंट में पाकिस्तान को पराजित कर खिताब जीता।

दैनिक पंचांग

28 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.17 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	09.31 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.47 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.52 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.39 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.12 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.42 बजे से
राहु	मीन में	वृष	20.22 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	22.20 बजे से
		कर्क	00.34 बजे से
		सिंह	02.50 बजे से
		कन्या	05.02 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2024 वर्ष का 272 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 14.50 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 03.38 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्ध 23.51 बजे को समाप्त। **करण** बालव 14.50 बजे तदनन्तर कौलव 03.46 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872116 **जूलियन दिन** 2460581.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 24 **विशेष** इंदिरा एकादशी व्रत, माघ श्राद्ध, लता मंगेशकर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सर्व पितृ अमावस्या के दिन जरूर करें ये उपाय, सभी समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में सर्वपितृ अमावस्या को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के नाम से श्राद्ध और पिंडदान करने की विशेष मान्यता है। अब ऐसे में इस दिन कुछ उपायों को करने से लाभ हो सकता है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू धर्म में सर्वपितृ अमावस्या के पितरों की विदाई की जाती है। पंचांग के अनुसार, हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण, दान और श्राद्धकर्म विशेष रूप से करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी कारणवश अगर आप अपने पितरों का श्राद्ध नहीं कर पाएं हैं, तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध विशेष रूप से करें। ऐसे में इस सर्व पितृ अमावस्या के दिन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिसे करने से व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए जरूर करें ये उपाय

सर्व पितृ अमावस्या के दिन मनोकामना पूर्ति के लिए तिल का लड्डू बनाएं और मंदिर में जाकर भगवान को भोग लगाएं। साथ ही अपने मनोकामना कहें। इससे आपको लाभ हो सकता है। साथ ही उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। आप इस दिन घर के मंदिर में पूजा करने के दौरान भोग लग सकते हैं।

ईशान कोण दिशा में जलाएं चौमुखी दीपक

ईशान कोण को हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में एक बहुत ही पवित्र स्थान माना जाता है। इसे देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। इस दिशा में पूजा करने और दीपक जलाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। ईशान कोण में दीपक जलाने से घर में धन का आगमन होता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने के लिए उपाय

सर्वपितृ अमावस्या एक ऐसा पर्व है जो हमारे पूर्वजों को याद करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ और दान का फल बहुत जल्दी मिलता है। इतना ही नहीं, इस दिन मां लक्ष्मी के सामने घी का दीपक जलाएं और 108 बार मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। इससे आपको आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा सर्व पितृ अमावस्या के दिन तुलसी माला से 21 बार जप करें। इससे आपको सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

श्राद्ध करने से उतरता है पूर्वजों का ऋण

पितरों का कर्ज चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के बाद भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। इसमें जो श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता भी करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि अगर पितर नाराज हो जाएं तो व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल नहीं रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं भी श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए। श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वप्रथम गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें।

पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

दिन का महत्व

जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती। जो सप्तमी को श्राद्ध आदि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं। अष्टमी को श्राद्ध करने वाला सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी को श्राद्ध करने से ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि का श्रद्धा मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त कराता है।

ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

पितृपक्ष में श्राद्ध के समय आखिर चावल से ही क्यों बनाए जाते हैं पिंड?

हिंदू धर्म में पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने की विशेष मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में चल रही परेशानियां भी दूर हो जाती है। अब ऐसे में पितृपक्ष में चावल से पिंड बनाने का महत्व क्या है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

सनातन धर्म में पितृपक्ष में दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि अगर विधिवत रूप से पितरों के नाम से पिंडदान किया जाए, तो व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिलते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। पिंडदान करना बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है।

ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त होता है। अब ऐसे में पिंडदान करने के दौरान हर बातों का ध्यान विशेष रूप से रखा जाता है। जिस तरह कुशा से पितरों का तर्पण किया जाता है। ठीक वैसे ही पिंडदान करने के लिए आटे के पिंड बनाएं जाते हैं और चावल के पिंड पितरों के निमित्त बनाएं जाते हैं। वहीं पितृपक्ष में दान के समय चावल से ही क्यों पिंड बनाने का महत्व है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान का विशेष महत्व होता है। इस दौरान चावल से पिंड बनाकर पितरों को अर्पित किया जाता है। चावल को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए, पितरों को अर्पित करने के लिए चावल का उपयोग किया जाता है। चावल प्रकृति का एक महत्वपूर्ण अंग है और यह भोजन का आधार है। चावल के पिंड से यह संदेश जाता है कि हम प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और पितरों को भी प्रकृति का आशीर्वाद प्रदान करना चाहते हैं। हिंदू धर्म में अन्नदान को पुण्य का काम माना जाता है। चावल का पिंड बनाकर पितरों को अर्पित करना भी एक प्रकार का अन्नदान ही है।

चावल से है चंद्रमा का संबंध

चंद्रमा के माध्यम से पिंड पितरों तक पहुंचता है। इसलिए पिंड बनाने के लिए चावल सबसे उत्तम माना जाता है। चावल को सुख-शांति और मोक्ष का भी कारक माना जाता है। इसलिए पितृपक्ष में दान के समय चावल का इस्तेमाल विशेष रूप से करने की मान्यता है। इतना हीं नहीं, चावल से पिंड बनाकर दान करने से व्यक्ति को कभी भी आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है।

पितृपक्ष में नहीं करते हैं पूर्वजों का श्राद्ध तो हो सकते हैं बड़े नुकसान

पितृपक्ष दिवंगत आत्माओं को समर्पित है। साथ ही, उन्हें प्रसन्न करने, क्षमा मांगने और पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए भी ये 15 दिन अहम माना जाता है। पूर्वज सांसारिक यात्रा समाप्त कर मृत्यु के बाद परलोक पहुंचते हैं। शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि, परलोक में लोगों को न तो अन्न मिलता है और न ही उन्हें जल मिलता है। ऐसे में, पुत्र-पौत्रादि जब पितरों का तर्पण या श्राद्धकर्म करते हैं, तो यह सीधी पूर्वजों को लगता है। इससे पितृ संतुष्ट होते हैं और अपने वंश को फलने-फूलने का आशीर्वाद भी देते हैं। वहीं, शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि अगर पितृपक्ष के दौरान पितरों का श्राद्ध न हो, तो वे दुखी हो जाते हैं और श्राप देकर वापस अपने लोक लौट जाते हैं। ऐसे में, जातकों को कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

शांति और सुख का अभाव

पितृपक्ष में पितरों को अपने वंशों से आशा रहती है कि वे उनका श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करेंगे और इसी आशा के साथ आश्विन मास में पितृपक्ष के दौरान पूर्वज धरती पर आते हैं। ऐसे में, अगर उनके वंशज श्राद्ध न करें तो पितर प्रसन्न नहीं होते हैं और व्यक्ति के जीवन में शांति और सुख का अभाव रहता है। जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

हो सकते हैं परेशान

पितृपक्ष के दौरान श्राद्ध-तर्पण न करने से पितृ अतृप्त रहते हैं और वे अपने वंशों को आशीर्वाद देने के बजाय कष्ट पहुंचाते हैं। ऐसे में, आपको पितृदोष लगता है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार, जिस कुल में श्राद्ध कर्म नहीं होता है। वहां दीर्घायु या निरोगी संतानों का जन्म नहीं होता है। साथ ही, ऐसे परिवार में खुशिया कम ही आती हैं। पितृ दोष के कारण व्यक्ति को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में नुकसान, धन हानि और गरीबी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

संतान पर पड़ता है बुरा असर

पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म न करने से वंशजों के जीवन में बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है। यह न केवल आपके जीवन को बल्कि आपके संतान को भी मुसिबत में डाल देता है। यही नहीं, आने वाली पीढ़ियां भी इससे प्रभावित होती हैं। इसका बुरा फल उन्हें भी झेलना पड़ता है। इसका परिणाम वंशजों को जीवनभर और हर पीढ़ी को झेलना पड़ जाता है।

मृत्यु के बाद आखिर क्यों किया जाता है पिंडदान, जानें इसका महत्व

हिंदू मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष में मृत पूर्वजों के लिए पिंडदान करने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि यह एक दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने का अनुष्ठान है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान के बिना मृत आत्मा को मुक्ति नहीं मिलती है और वो इधर उधर भटकती रहती है। गया और अन्य स्थानों में पिंडदान बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है और ये मुख्य रूप से उस व्यक्ति की संतान या किसी निकट के रिश्तेदार द्वारा ही किया जाता है। पितृ पक्ष वो समय होता है जब मृत पूर्वज धरती पर आते हैं और अपने वंशजों से प्रसन्न होने पर उन्हें सफल और समृद्ध जीवन का आशीर्वाद देते हैं।

गरुड़ पुराण के अनुसार यदि मृत व्यक्ति का पिंडदान नहीं किया जाता है तो ये घर के अन्य सदस्यों के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है।

क्या होता है पितृ पक्ष

अश्विन के हिंदू महीने के दौरान एक पखवाड़ा मृत पूर्वजों को समर्पित होता है और इस अवधि को पितृ पक्ष कहा जाता है। यह चरण, जो 16 दिनों तक चलता है इसमें कोई भी शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे किसी भी अनुष्ठान की मनाही होती है। पितृ पक्ष का समापन सर्वपितृ अमावस्या के साथ होता है जो मां दुर्गा को समर्पित शारदीय नवरात्रि की शुरुआत का प्रतीक मानी जाती है। पितृ पक्ष से जुड़ी कई मान्यताओं में तर्पण और पिंडदान भी शामिल हैं जो पितरों की शांति के लिए अच्छे माने जाते हैं।

पिंडदान क्या होता है

पिंडदान किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु के बाद हिंदुओं द्वारा किया जाने वाला एक पवित्र अनुष्ठान है। गरुड़ पुराण के अनुसार स्वर्ग लोक में जाने वाली आत्मा की शांति के लिए यह अनुष्ठान अनिवार्य है। यह मृतकों के लिए सांसारिक आसक्तियों से राहत प्रदान करने और अंतिम मोक्ष पाने के लिए किया जाता है। पिंडदान मृत पूर्वजों के लिए एक प्रसाद स्वरूप होता है। इसे मुख्य रूप से पके हुए चावल को काले तिल के साथ मिलाकर बनाया जाता है। इस मिश्रण के छोटे-छोटे पिंड या गोले बनाकर पूर्वजों के नाम से चढ़ाया जाता है जिससे पितरों को शांति और मोक्ष मिल सके।

पितृ दोष निवारण

यह अनुष्ठान उन लोगों के लिए होता है जिनके घर में पितृ दोष होता है। इस पूजा में तर्पण कर्म, ब्राह्मणों को भोजन और वस्त्र और पितृ आराधना बड़ी ही विधि विधान के साथ की जाती है।

काल सर्प योग पूजा

इस तरह का पिंडदान उन लोगों द्वारा किया जाता है जिनकी कुंडली में कालसर्प दोष होता है और जो आर्थिक नुकसान से पीड़ित होते हैं और अपने परिवार में सुख समृद्धि बनाए रखने में असफल होते हैं।

त्रिपिंडी श्राद्ध और पिंडदान

यह अनुष्ठान उन प्रियजनों के उद्धार के लिए किया जाता है जिनकी अप्राकृतिक परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है और उनकी आत्मा किसी वजह से अतृप्त है।

पिंडदान का महत्व

पिंड दान एक अत्यंत महत्वपूर्ण अनुष्ठान है जो कई पापों से मुक्ति के साथ पितरों की तृप्ति के लिए किया जाता है। यह अनुष्ठान दिवंगत आत्मा को पुनर्जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त करता है। पिंडदान आत्मा को सांसारिक भौतिकवादी बंधनों से अलग करने के लिए भी आवश्यक माना जाता है जिससे विकास की यात्रा में आगे बढ़ा का सके। ऐसी मान्यता है कि यदि पिंडदान नहीं किया जाता है तो पितरों की आत्मा दुखी और असंतुष्ट रहती है। पुराणों के अनुसार पिंड दान दिवंगत आत्मा को ज्ञान दिखाने में मदद करता है और उन्हें मोक्ष की ओर ले जाता है। यह संस्कार परिवार के सुख, समृद्धि के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

पिंडदान कौन कर सकता है

शास्त्रों की मानें तो मृत व्यक्ति को स्वर्ग का मार्ग उसका पुत्र ही दिला सकता है। इसलिए मान्यता है कि पुत्र को ही श्राद्ध और पिंडदान का पहला हक है। पुत्र न होने पर परिवार के अन्य किसी रिश्तेदार या पंडित के द्वारा ही पिंडदान हो सकता है। वैसे धर्म की मानें तो पिता का श्राद्ध बेटे के द्वारा ही होना चाहिए। बेटा न होने पर पिंडदान का हक़ पत्नी को भी दिया गया है और पत्नी की अनुपस्थिति में भाई या कोई करीबी यह अनुष्ठान कर सकता है। यदि मृत व्यक्ति के एक से अधिक पुत्र हैं तो पिंडदान सबसे बड़े पुत्र को ही करना चाहिए। यदि दिवंगत का बेटा भी नहीं है तो उसका पिंडदान और श्राद्ध पोते के द्वारा भी किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम में खेल, एडवांस काम करा निकाल रहे ऑफ लाइन टेंडर

धनबाद., एजेंसी। नगर निगम में टेंडर मैनेज का खेल चल रहा है. इसमें पहले एडवांस काम कराया गया, उसके बाद टेंडर निकाला गया. इसपर सवाल उठ रहे हैं. टेंडर निकाले बिना कैसे एडवांस में काम कराया गया. इसके बाद टेंडर निकाला गया. एडवांस में जिस संवेदक ने काम किया है, उसका नाम सूरज कुमार बताया जा रहा है. नगर निगम के ग्राउंड व फर्स्ट फ्लोर पर अधिकारियों व कर्मचारियों के बैठने के लिए केबिन बनाये गये हैं. कुछ दिन पहले ही दोनों फ्लोर में केबिन का काम पूरा हुआ. जबकि एक दिन पहले 25 सितंबर को इसका टेंडर निकला है. टेंडर डालने की अंतिम तिथि पांच अक्तूबर रखी गयी है. फर्स्ट फ्लोर में जो केबिन बनाये गये हैं, उसकी प्राक्कलित राशि 2, 34, 253 रुपये हैं. वहीं ग्राउंड फ्लोर फ्लोर में बनाये गये केबिन की प्राक्कलित राशि 2, 19, 961 रुपये है. इस काम को पूरा करने का 15 दिन का समय दिया गया है. इधर, नगर निगम के अभियंता की मानें तो अति आवश्यकता को देखते हुए एडवांस में काम कराना पड़ा. कुछ काम अतिआवश्यक होने पर कराये जाते हैं और बाद में उसका टेंडर निकाला जाता है. टेंडर एक प्रक्रिया है, जिसे पूरा किया जाता है.

छात्राओं ने की शिकायत, माफीनामा पर जबरन कराया जा रहा हस्ताक्षर

धनबाद, एजेंसी। टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट एसएसएलएनटी बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय का विवाद खत्म नहीं हो रहा है. अब छात्राओं ने वहां के शिक्षकों पर जबरन माफी नामा पर हस्ताक्षर कराने का आरोप लगाया है. छात्राएं गुरुवार को भी उपायुक्त माधवी मिश्रा से पूरे मामले की शिकायत करने पहुंची थी. छात्राओं का कहना है कि प्रभारी प्राचार्या द्वारा गैर कानूनी तरीके से पैसे वसूलने और अभद्रता की शिकायत 23 सितंबर को की गयी थी. इसकी जांच के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी 24 सितंबर को स्कूल पहुंची थी.छात्राओं ने कहा कि मामले में अब प्रमोद कुमार वर्मा, सुधा कुमारी, नागेंद्र कुमार, प्रभात कुमार, सुमन कष्ण, नंद किशोर पांडेय आदि शिक्षकों द्वारा जबरन माफीनामा पर हस्ताक्षर लिया जा रहा है. वहीं प्राचार्या एवं अन्य शिक्षकों द्वारा धमकाया जा रहा है कि यदि हम अपने बयान वापस नहीं लेते हैं तो बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जायेगा.छात्राओं का कहना है कि मामले को लेकर स्कूल में भय का वातावरण बन गया है. छात्राओं ने कार्रवाई की मांग की है. शिकायत करने पहुंची छात्राओं में सोनाली कुमारी, पूर्णिमा मिश्रा, राखी कुमारी, ज्योति मिश्रा, इशिका कुमारी, काजल कुमारी, कोमल कुमारी, राखी कुमारी, रिया कुमारी आदि शामिल थीं.

बोकारो के चिकित्सक समेत चार नये डेंगू के मरीज मिले

धनबाद, एजेंसी। बुधवार को डेंगू के मरीजों की संख्या में फिर से इजाफा हुआ है. एसएनएमएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में भेजे गये बुखार से पीड़ित विभिन्न मरीजों के सैंपलों की जांच में चार की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है. डेंगू पॉजिटिव पाये गये गये मरीजों में बोकारो के एक चिकित्सक समेत अन्य शामिल है. जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार बोकारो से दो सैंपल जांच के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा गया था. वहीं धनबाद जिला के विभिन्न अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों से 30 से ज्यादा सैंपल एलाइजा जांच के लिए एसएनएमएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग भेजा गया था. बोकारो से आये दोनों मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव पायी गई. इनमें डॉ एस कुमार व स्नेहा कुमारी(13) के अलावा धनबाद की रेखा कुमारी (16) व स्नेहा झा(24) शामिल हैं. बोकारो के दो मरीज के डेंगू पॉजिटिव पाये जाने की सूचना जिला स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित जिले के जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दी है. गिरिडीह जिला के निमियाघाट स्थित कोरियाडीह बलथरिया निवासी रूपेश कुमार गुप्ता की मौत मंगलवार की रात एसएनएमएमसीएच, धनबाद में हो गयी. घटना के बाद मृतक के भाई महेंद्र प्रसाद गुप्ता ने सरायढेला थाना की पुलिस को अपना बयान दर्ज कराया. महेंद्र ने बताया कि उसका भाई मुंबई में काम करता था. वह शालीमार एक्सप्रेस से जमशेदपुर आ रहा था. इस दौरान 21 सितंबर को ट्रेन से गिर गया और उसका इलाज जमशेदपुर का सदर अस्पताल में चल रहा था. इसके बाद उसे धनबाद एसएनएमएमसीएच लगाया गया, जहां मंगलवार की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी.

तो यहां रची गई झारखंड शराब घोटाले की साजिश, 2 बड़े अधिकारियों के नाम शामिल, एफआईआर दर्ज

रांची/रायपुर, एजेंसी। झारखंड में कथित शराब घोटाले की पूरी साजिश रायपुर में रची गई थी। रायपुर की आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने अपनी प्राथमिकी में इसका जिक्र किया है। ईओडब्ल्यू ने अपनी प्राथमिकी में अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी, अनिल टुटेजा, अरविंद सिंह सहित सात लोगों को आरोपित किया है।

इनपर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपितों में उत्पाद विभाग झारखंड के दो अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। आरोपितों में से कई वर्तमान में छत्तीसगढ़ में हुए 2200 करोड़ रुपये के घोटाले में जेल में बंद हैं। ईओडब्ल्यू में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार दिसंबर 2022 में झारखंड की शराब नीति में बदलाव किया गया था।

इसकी बैठक रायपुर में अनवर ढेबर के ठिकाने में की गई थी। इस दौरान एपी त्रिपाठी, अनिल टुटेजा, अरविंद सिंह सहित झारखंड के उत्पाद अधिकारी भी मौजूद थे। नीति में बदलाव करने के पीछे सुमित कंपनी को फायदा दिलाना बताया गया है।

इससे करोड़ों रुपये का सरकार का नुकसान हुआ है। यही कंपनी छत्तीसगढ़ में भी शराब ठेके का काम कर रही थी। गौरतलब है कि झारखंड में भी छत्तीसगढ़ माडल पर मई 2022 से शराब की बिक्री हो रही थी। इनमें छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एपी त्रिपाठी को सलाहकार नियुक्त किया गया था।

प्रिज्म होलोग्राम एंड फिल्म सिक्योरिटी लिमिटेड को शराब की बोतलों में होलोग्राम छापने का काम मिला था। इसी तरह मेसर्स सुमित फैसिलिटीज लिमिटेड को मैन पावर सप्लाई की जिम्मेदारी मिली थी। तीनों ही छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में आरोपित भी हैं।

इनके विरुद्ध जांच के क्रम में झारखंड का कनेक्शन जुड़ा था। झारखंड में इन तीनों ही कंपनियों पर कार्रवाई हो चुकी है। मेसर्स प्रिज्म पर होलोग्राम छापने पर रोक लगा दी गई थी और उसे ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया था। दूसरी कंपनी मेसर्स सुमित फैसिलिटीज को राजस्व पूरा नहीं कर पाने की वजह से कंपनी की बैंक गारंटी को जब्त कर लिया गया था। झारखंड सरकार ने छत्तीसगढ़ स्टेट कारपोरेशन को सलाहकार से हटा दिया था।

झारखंड में भी शराब, जमीन व बालू घोटाले में एक ईसीआइआर दर्ज कर ईडी जांच कर रही है। ईडी ने इस मामले में एक आरोपित योगेंद्र तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। देवघर, जामताड़ा आदि जिलों में दर्ज नकली शराब, बालू तस्करी व जमीन घोटाले से संबंधित करीब दर्जनभर से अधिक प्राथमिकियों को ईडी ने अपनी ईसीआइआर में जोड़ा था। ईडी की जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार में नकली होलोग्राम लगाकर पूरे राज्य में शराब की सप्लाई की गई थी। उसी तरह से झारखंड में भी नकली होलोग्राम लगाकर शराब की सप्लाई की बात कही गई है। आरोप है कि नकली होलोग्राम पर लगातार शराब बेची गई है। इसका हिसाब भी नहीं है।

धकोकसं ने 24 सूत्री मांगों को ले किया प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ ने 24 सूत्री मांगों को लेकर गुरुवार को बीसीसीएल सीवी एरिया के जीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया. बाद में जीएम को मांग पत्र सौंपा. जीएम सुधाकर प्रसाद ने सभी मांगों पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया. प्रदर्शन में महेश तांती, लालमोहन दास नागेंद्र कुशवाहा, गुड्डू सिंह, मंटू कुमार सहित दर्जनों सदस्य शामिल थे.

धकोकसं की मांगों में सभी अनुषांगी कंपनी में एक जैसा सदस्यता सत्यापन बैंक ऑफ सिस्टम, आईआर पद्धति सुनिश्चित करने, वेतन समझौता में मंजूर मांगों का क्रियान्वयन, सुपर स्पेशलिस्ट अस्पताल निर्माण, पैरामेडिकल स्टाफ की बहाली, अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध करने, कैडर स्कीम में सुधार कर कंपनी में पुराने पदनाम जैसे (जेनरल मजदूर, माइनिंग सरदार, ओवरमैन, डाटा इंट्री ऑपरेटर) में बदलाव करने, महिला सशक्तिकरण के लिए कमेटी का गठन करने, भूमि अधिग्रहण के मुआवजा में वृद्धि, कैशलेस इलाज सुनिश्चित करने, कर्मियों को स्मार्ट कार्ड देने, ठेका मजदूरों से आठ घंटे ड्यूटी, बायोमीट्रिक हाजिरी, वेतन, भत्ते, सुरक्षा, कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, बोनस पीएलआर, एचपीसी वेजेज का क्रियान्वयन, कोल उद्योग में कार्यरत मजदूरों को दुर्घटना होने पर सिंगरेनी कंपनी की तर्ज पर स्थायी मजदूरों को एक करोड़ 15 लाख रुपये तथा ठेका मजदूरों को 40 लाख रुपये दुर्घटना बीमा लागू करने आदि शामिल है.

झारखंड के कई इलाकों में होगी भारी बारिश, इस बार दुर्गा पूजा में डाल सकती है खलल

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में निम्न दवाब वाला क्षेत्र बनने से झारखंड के सभी इलाके में बारिश हो रही है. गुरुवार को साहिबगंज में भारी बारिश हुई. यहां 106 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया, जबकि रांची व आसपास के इलाके में आकाश में बादाल छाये रहे तथा छिटपुट बारिश हुई.मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह कई जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है. खास कर राज्य के उत्तर-पूर्वी, उत्तर-पश्चिम तथा दक्षिण-पूर्वी भाग में भारी बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है. कहीं-कहीं बज्रपात भी हो सकता है. रांची में दोपहर बाद आकाश में बादल छाये रहेंगे व कहीं-कहीं ही छिटपुट बारिश हो सकती है. शुक्रवार को ही संताल परगना में भारी बारिश होने की चेतावनी दी गयी है.मौसम विभाग के अनुसार शनिवार से रांची और आसपास के इलाके में मौसम साफ होने की संभावना है. कई इलाकों में आकाश में बादल छाये रहेंगे. इधर मौसम विभाग ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में दो अक्तूबर से निम्न दवाब का क्षेत्र बनने की संभावना व्यक्त की गयी है. इससे तीन अक्तूबर से सात अक्तूबर तक झारखंड में बारिश हो सकती है. इससे दुर्गा पूजा में खलल पड़ने की संभावना है.मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में एक जून 2024 से 26 सितंबर 2024 तक सामान्य से एक प्रतिशत कम बारिश हुई है. झारखंड में सामान्य बारिश 999.7 मिमी है, जबकि वास्तविक वर्षापात 990.5 मिमी है.

भाजपा के परिवर्तन यात्रा में भारी बारिश के बावजूद गोल्फ मैदान में डटे रहे भाजपा समर्थक

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में भाजपा की ओर से आयोजित परिवर्तन यात्रा के समापन समारोह में भारी बारिश के बावजूद समर्थकों में भारी जोश दिखा. धनबाद से टिकट के कई दावेदारों ने खुल कर शक्ति प्रदर्शन किया. कई नेता बारिश में भींगते हुए रोड शो करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे. गुरुवार को सुबह से ही मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ था. रह-रह कर बारिश हो रही थी. कार्यक्रम शुरू होने से पहले बारिश तेज हो गयी. पूरा शहर अस्त-व्यस्त हो गया.

इसके बावजूद कार्यक्रम स्थल पर टिकट के दावेदार अपने समर्थकों के साथ पूरे उत्साह के साथ पहुंच रहे थे. झूमर नाच हो रहा था. कोई खुली गाड़ी में रोड शो करते हुए आ रहे थे. विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा में नेताओं ने एक तरह से शक्ति प्रदर्शन किया. परिवर्तन यात्रा को लेकर आज शहर में कई स्थानों पर रोड शो होना था. लेकिन, बारिश के चलते नहीं हुआ. सभी नेता सीधे कार्यक्रम स्थल पर पहुंच रहे थे.

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तय समय से लगभग 50 मिनट विलंब से पहुंचे. बारिश को लेकर लग रहा था शायद मुख्य अतिथि नहीं आ पायें. मंच से बार-बार घोषणा हो रही थी कि राजनाथ सिंह कुछ ही क्षणों में आने वाले हैं. रक्षा मंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी अपराह्न 3.53 बजे मंच पर पहुंचे. उस समय पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय भाषण दे रहे थे. खराब मौसम को देखते हुए कार्यक्रम में कटौती की गयी. केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सांसद दीपक प्रकाश, धनबाद के सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा को बोलने का मौका नहीं मिला. सीधे प्रदेश अध्यक्ष ने माइक पकड़ा व संक्षिप्त में भाषण दिया. इसके बाद रक्षा मंत्री ने संबोधन शुरू किया. वह 39 मिनट तक बोले.

रक्षामंत्री जब भाषण दे रहे थे, तब कुछ भाजपा समर्थकों ने नारेबाजी शुरू कर दी. एक दावेदार के कुछ समर्थक कुर्सी पर चढ़ कर नारा लगाने लगे. इस पर रक्षा मंत्री ने नाराजगी जतायी. उन्हें चुप रहने को कहा. थोड़ी देर सब शांत रहे. फिर नारेबाजी होने लगी, तो मंत्री ने कहा यहां के युवा साथी कुछ ज्यादा ही उत्साहित लग रहे हैं.

बड़े नेताओं के आने से पहले ही कार्यक्रम शुरू हो गया था. बारिश में कार्यकर्ता वहां बने रहें. इसके लिए भजन, भक्ति गीतों का आयोजन हुआ. छऊ नृत्य भी पेश किया गया.

पुरानी पेंशन स्कीम के लिए निकली कैंडल मार्च

रांची, एजेंसी। एनएमओपीएस (नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम) व एफएएनपीएसआर (फ्रंट अगेस्ट एनपीएसइन रेलवे) के केंद्रीय कमेटी के निर्देश पर गुरुवार को धनबाद स्टेशन परिसर से कैंडल मार्च निकाला गया. इसमें केंद्र व राज्य के कर्मी शामिल हुए.

यूपीएस (यूनिफाइड पेंशन स्कीम) व एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) के विरोध किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता इसीआरइयू के संरक्षक बीआर सिंह व संचालन एनएमओपीएस व एफएएनएसपीआर उपाध्यक्ष पंकज कुमार शर्मा ने किया. कार्यक्रम में ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लॉयज यूनियन, ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन, ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल, ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन, रेल कर्मचारी ट्रैकमेंटेनर एसोसिएशन, ऑल इंडिया रेल ट्रक मेंटेनर यूनियन, ईस्ट सेंट्रल रेलवे वर्क्स कर्मचारी एसोसिएशन, ऑल इंडिया टिकट चेकिंग स्टाफ संगठन व झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एंड ईप्लॉयज फेडरेशन का समर्थन था.

सैकड़ों सदस्यों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया. बीआर सिंह, ईसीआरईयू उपाध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि कर्मियों को हर हाल में ओल्ड पेंशन स्कीम चाहिए. मौके पर इसीआरयू के शाखा सचिव उदय कुमार, सुबोध कुमार, कमलेश कुमार, रामाशीष कुमार, अनिल कुमार सिंह, मुकुंद कुमार, मुन्ना चौधरी, एसके चौधरी, संतोष गुप्ता, एमके यादव, यूके सैनिक, शंकर यादव, जेके महतो, आरके सिंह तथा जेएचएआरओटीईएफ से उज्ज्वल तिवारी, जय होरो, ब्रजेश भट्ट, संजय गिरी, राकेश कुमार,लक्ष्मी नारायण, प्रमोद सिंह चौधरी आदि मौजूद थे.

सदर अस्पताल में डीपीएचएल का निर्माण पूरा स्वास्थ्य कर्मियों की ट्रेनिंग के बाद शुरू होगी जांच

रांची, एजेंसी। सदर अस्पताल में अगले माह से डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, मंकी पॉक्स समेत विभिन्न गंभीर वायरल बीमारियों से संबंधित जांच की सुविधा मरीजों को मिलेगी. वायरल बीमारियों की जांच के लिए मरीजों के सैंपल जिले के बाहर व दूसरे लैब में भेजने की जरूरत नहीं होगी. सदर अस्पताल में डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ लेबोरेट्री (डीपीएचएल) लैब का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. इस लैब में मरीजों को विभिन्न बीमारियों की जांच की सारी सुविधा एक ही जगह पर मिलेगी. सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन ने बताया कि लैब में करीब 150 से अधिक तरह की जांच होगी. लैब में नियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों को ट्रेनिंग के लिए रांची भेजने की तैयारी है. उनके ट्रेनिंग प्राप्त कर वापस लौटते ही लैब को शुरू कर दिया जायेगा.

लैब में अलग-अलग जांच के लिए स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से मशीनें मुहैया करायी गयी हैं. सभी मशीनों को इंस्टॉल कर लिया गया है. मशीनों के संचालन के लिए टेक्नीशियन, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, बायोकेमिस्ट के साथ पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर की नियुक्ति की गयी है. इन सभी को रांची में ट्रेनिंग देने की तैयारी है.

यहां चिकन पॉक्स, डेंगू के लिए एलाइजा, मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस चिकुनगुनिया, टीबी के अलावा माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित सारी जांच होगी. इनमें वायरोलॉजी, बैक्टीरियोलॉजी, प्रोटिस्टोलॉजी, माइक्रोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और पैरासिटोलॉजी की जांच शामिल है. बीएसएल टू मानक की लैब में स्क्रब टाइफस, मलेरिया, एक्यूट इंसेफेलाटिस सिंड्रोम, डायरिया समेत संचारी रोगों से जुड़ी जरूरी जांच तथा कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, गुर्दा, मोतियाबिंद, अल्जाइमर आदि बीमारियों की जांच हो सकेगी.

जेल और लाठी-डंडे से नहीं डरते, झारखंडी लड़कर लेंगे हक, रांची में गरजे सीएम हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को एक बार फिर राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधा। राजधानी के प्रभात तारा मैदान में 1.77 लाख किसानों के 400 करोड़ से अधिक के लोन माफी कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जब हम अधिकार मांगते हैं तो हमें जेल में डाल देते हैं, लेकिन झारखंडी जेल और लाठी-डंडे से डरने वाला नहीं है। लड़कर झारखंड लिया था। अब लड़कर अपना हक भी लेंगे।

उन्होंने कहा, विपक्ष ने लगातार झूठा आरोप लगाया और अंत में उन्हें जेल में डाल दिया। नेक इरादा और ईमानदारी से काम कर रही सरकार को अगर कोई झूठा आरोप लगाकर परेशान करता है तो गरीबों की हाय लगती है। आप लोगों के आशीर्वाद से फिर से हम आप लोगों के सामने हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द राज्य में चुनाव होने वाला है। विपक्षी गिद्ध की तरह मंडरा रहे हैं। ऐसी-ऐसी शक्ल के लोग दिख रहे हैं, जिसे आपने कभी नहीं देखा होगा। यह लोग चुनाव में दिखेंगे। इनसे होशियार रहिएगा, क्योंकि चुनाव के बाद ये लोग नहीं दिखेंगे।

सोरेन ने कहा कि जब बेरोजगारों को रोजगार, महिला को सम्मान, बेटियों को शिक्षा, मजदूरों को काम देते है तो ये लोग न्यायालय चला जाता है और योजना को बाधित करता है। अब किसानों को सम्मान दे रहे हैं तो पता नहीं है कि इसको लेकर भी न्यायालय में जाए। हम सभी लड़ाई जीतेंगे। राज्य बनने के बाद सबसे ज्यादा भाजपा की सरकार रही है। उनकी एक भी उपलब्धि नहीं है। इन्होंने जल, जंगल और जमीन को उजाड़ने का प्रयास किया। हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई के नाम पर आपस में लड़ाकर राजनीतिक रोटी सेंकते हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा के लोग व्यापारी हैं। इनके पास इतने पैसे हैं कि जहां हारते हैं, वहां पर सरकार खरीद लेते हैं। महाराष्ट्र इसका उदाहरण है। जहां खरीद नहीं सकते हैं। वहां पर झूठे केस में फंसाकर जेल भेज कर सरकार ही बदल दिया जाता है। इनके पास किसानों को देने के लिए एमएसपी, किसानों के लोन माफी, पेंशन देने का पैसा नहीं है, लेकिन बड़े-बड़े पूंजीपतियों का ऋण माफ करने का पैसा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पूंजीपतियों के पास इतना पैसा है कि गिनते-गिनते पूरी उम्र गुजर जाएगी फिर भी गिन नहीं पाएंगे। ये लोग किसानों को आय दोगुनी करने की बात करते हैं मगर उन्हीं किसानों पर गोली और लाठी-ठंडा चलवाते हैं। किसानों ने भी एक साल तक दिल्ली को घेर कर बता दिया कि किसानों को मत छेड़ो। अंत में सरकार को तीनों काला कानून वापस लेना पड़ा। यह है देश के अन्नदाताओं की ताकत, जब ये अपने पर आ जाएं तो सरकारें बदल देते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो अपने वादों के अनुसार किसानों के 50 हजार का लोन माफ किया। हम किसानों को वादों के अनुसार दो लाख तक लोन माफ कर रहे हैं। हमारा राज्य गरीब है। हमारे किसानों के पास जमीन ही बैंक है और फसल ही एटीएम है। किसान लोन लेकर खेती करते हैं। मौसम की मार के कारण फसल खराब हो जाती है और किसान कर्ज में डूब जाते हैं।

उन्होंने कहा कि व्यापारी लोगों को छत्तीसगढ़ का एक जंगल दे दिया गया। वहां आंदोलन चल रहा है। हो सकता है कि ये लोग यहां फिर से आ गए तो यहां के भी जंगल इन्हें सौंप दें। देश का हर चीज बेच दिया, देश को बेच दिया, परिसंपत्ति बेच दिया। अब जंगल भी बेचने की तैयारी में हैं ताकि आदिवासी ही खत्म हो जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसान केवल मौसमी अन्य और सब्जी न उगाएं, बल्कि फल-फुल आदि भी उजपाएं। कश्मीर में उपजने वाले फल और फूल भी उगाएं। हमारे लोग मांस-मछली और अंडा भी खाते हैं। मछली और अंडा दूसरे प्रदेशों से आता है। हमारे किसान भाई पशुपालन करके राज्य में खपत को पूरी कर सकते हैं और अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

कार्यक्रम में राज्य के वित्त मंत्री डा. रामेश्वर उरांव, श्रम एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता, कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, विधायक राजेश कच्छप, सांसद डा महुआ माजी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विभागीय सचिव अबु बकर सिद्धिकी सहित कई लोग उपस्थित थे।

सरकार जारी करेगी सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड, चालू वित्त वर्ष में 20000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025 की दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड के माध्यम से 20,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार सरकार 21 साप्ताहिक नीलामियों के जरिए वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही के लिए उधारी पूरी करने की योजना बना रही है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक ग्रीन बॉन्ड 5,000 करोड़ रुपये के चार किस्तों में जारी किए जाएंगे। 5000 करोड़ रुपये के 10 साल के सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड का पहला इश्यू 25 से 29 नवंबर को आएगा। दूसरा इश्यू, 5,000 करोड़ रुपये का 30 साल का बॉन्ड, 9 से 13 दिसंबर के बीच आएगा। 10 साल की अवधि के लिए तीसरा ग्रीन बॉन्ड 27 से 31 जनवरी के बीच जारी किया जाएगा और 30 साल के ग्रीन बॉन्ड की अंतिम किस्त 17 से 21 फरवरी के बीच आएगी।

सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड एक प्रकार का सरकारी ऋण है जो भारत को कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन में मदद करने से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तपोषित करने पर खर्च होगा। इसके अलावा, सरकार ने ग्रीन शू विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार भी बरकरार रखा है। जिससे उसे नीलामी अधिसूचनाओं में उल्लिखित प्रत्येक सिक्यूरिटी के एवज में 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता स्वीकार करने की अनुमति मिलेगी। यह लचीलापन सरकार को निवेशकों की अतिरिक्त मांग को पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान ट्रेजरी बिलों के माध्यम से केंद्र सरकार की साप्ताहिक उधारी 13 सप्ताह के लिए 19,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसके अलावा, सरकारी खातों में अस्थायी विसंगतियों को दूर करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक ने ॥2 एफवाय25 के लिए वेज एंड मीन्स एडवांस की सीमा भी 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित की है। इससे अल्पकालिक वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता सुनिश्चित हो सकेगी।

वित्त मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से 2024-25 की दूसरी छमाही के लिए अपने उधार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया है। विज्ञपति के अनुसार, इसमें से 6.61 लाख करोड़ रुपये, जो कुल उधार कार्यक्रम के लक्ष्य का 47.2 प्रतिशत है, वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में प्रतिभूतियों और बांड्स को जारी कर जुटाए जाएंगे।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड बंद किए जाने की चर्चाओं के बीच आया नया अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को बंद किए जाने की चर्चाओं के बीच सरकार ने एक नया अपडेट जारी किया है। सरकार का कहना है कि अगली किस्त का निर्णय बाजार की मांग के आधार पर लिया जाएगा। अगर बाजार में डिमांड होगी, तभी सरकार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की नई किस्त लाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि सरकार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की नई किस्त लाने से पहले बाजार की स्थिति का गहराई से आकलन करेगी। यह योजना कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है और इसमें बॉरोइंग कॉस्ट सबसे ज्यादा है। ऐसे में नई किस्त लाने से पहले बाजार की स्थितियों और जरूरतों की समीक्षा की जाएगी।

स्कीम के बंद होने की आशंका

यह जानकारी ऐसे समय में आई है, जब पिछले महीने से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को बंद करने के कयास लगाए जा रहे थे। मीडिया में आई रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार इस स्कीम को महंगा और जटिल मान रही है, जिसके कारण इसे बंद करने पर विचार किया जा रहा है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की शुरुआत साल 2015 में की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य सोने के आयात पर नियंत्रण लगाना था। भारतीय रिजर्व बैंक इस स्कीम के तहत बॉन्ड जारी करता है और यह निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया है। हालांकि, अगर इसे बंद किया जाता है, तो यह स्कीम अपनी शुरुआत के 10 साल भी पूरे नहीं कर पाएगी।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक-उपभोक्ता देश बना भारत, गन्ने की खेती 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि नीतिगत बदलावों के कारण भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक और उपभोक्ता देश बन गया है। वे भारत शर्करा एवं जैव ऊर्जा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम चलाया है। इसमें इथेनॉल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले 10 साल में इथेनॉल की बिक्री से सबसे अधिक राजस्व चीनी मिलों को प्राप्त हुआ है।

जोशी ने कहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) का उत्सर्जन कम हो रहा है, इससे निवेश के अधिक अवसर सामने आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नई डिस्टलरी की स्थापना की गई है। इससे देश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन में भी बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार एक मजबूत, टिकाऊ चीनी उद्योग के लिए प्रतिबद्ध है। यह देश के लिए मजबूत आर्थिक स्तंभ भी है, इससे देश में अक्षय ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है। जोशी ने कहा कि पिछले 10 सालों में गन्ना खेती का क्षेत्रफल लगभग 18 फीसदी बढ़ा है, जबकि गन्ना उत्पादन में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

हाय महंगाई! 70 रुपए किलो हुआ प्याज, रसोई का बजट संभालना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल मानसून की अच्छी बारिश से पूरे देश में फसल उत्पादन बेहतर हुआ है लेकिन आम लोगों के लिए महंगाई की समस्या बढ़ गई है। प्याज, टमाटर और हरी सब्जियों के भाव तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे रसोई का बजट संभालना मुश्किल हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेट्रो शहरों में प्याज और टमाटर के भाव 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। हरी सब्जियों की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं और बड़े शहरों में शिमला मिर्च, लौकी और पालक जैसे उत्पाद 100 रुपए प्रति किलो तक बिक रहे हैं। दिल्ली की आजादपुर मंडी के ट्रेडर्स के मुताबिक प्याज, टमाटर और हरी सब्जियों के दामों में वृद्धि का मुख्य कारण देश के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी बारिश है। प्रमुख उत्पादक राज्यों जैसे महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में बारिश ने फसल को प्रभावित किया है। इसके अलावा सड़कों को नुकसान पहुंचने के कारण सप्लाई चेन भी बाधित हुई है।

रियायती भाव पर प्याज बेच रही सरकार

हर साल बारिश के मौसम में सब्जियों की कीमतें चढ़ जाती हैं लेकिन सरकार ने इस बार राहत पहुंचाने के लिए पहले ही प्याज की रियायती बिक्री शुरू कर दी है। 5 सितंबर से 35 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज प्रमुख शहरों में उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकारी सहकारी एजेंसियों एनसीसीएफ और नाफेड के माध्यम से प्याज की बिक्री की जा रही है। आने वाले दिनों में सरकार टमाटर की रियायती बिक्री शुरू करने पर भी विचार कर रही है। पिछले साल जब टमाटर के दाम बढ़े थे, तब रियायती बिक्री से कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिली थी।

दवाई-मोटरसाइकिल सहित 100 वस्तुएं होंगी सस्ती, घट सकती है जीएसटी दर; सरकार बना रही योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले दिनों में दवाइयों, बाइक सहित जरूरी वस्तुएं सस्ती हो सकती हैं। बोतलबंद पानी, पेय पदार्थ के साथ कुछ सामान महंगे हो सकते हैं। केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह यानी जीओएम जीएसटी दरों में सुधार की योजना बना रहा है। इसमें 100 वस्तुओं को शामिल किया गया है।

जीओम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में बदलाव पर 20 अक्तूबर को बैठक करेगा। इसमें जीएसटी की 12 फीसदी दर घटाकर 5 फीसदी करने पर चर्चा होगी। जीओएम सिफारिशें जीएसटी परिषद के समक्ष रखेगा। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बृहस्पतिवार को बताया, चर्चा में मोटर

साइकिल और बोतलबंद पानी जैसे महत्वपूर्ण विषय

शामिल हैं। बुधवार को जीओएम की बैठक में चिकित्सा और दवा से संबंधित वस्तुओं पर कर दरों में कमी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह सभी 12 फीसदी के स्लैब में हैं। भट्टाचार्य ने कहा, इन कटौतियों से होने वाले संभावित राजस्व हानि को जीओएम कुछ वस्तुओं जैसे एयरटेड पानी और पेय पदार्थों पर जीएसटी बढ़ाने के विकल्प के रूप में देख रहा है। इन पर 28 फीसदी कर लगाए जाते हैं। साथ ही उपकर भी बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में चार जीएसटी स्लैब हैं। इनकी दरें 5 फीसदी, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत, और 28 प्रतिशत हैं। 2024 में औसत जीएसटी दर 11.56 प्रतिशत हो गई है जो रेवेन्यू न्यूट्रल रेट 15.3 फीसदी से कम है।

बीमा प्रीमियम पर फैसला नवंबर में

स्वास्थ्य व जीवन बीमा प्रीमियम पर दर कम करने का निर्णय लेने के लिए मंत्रिस्तरीय समिति की पहली बैठक 19 अक्तूबर को होगी। बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। इस कर को हटाने या कम करने की मांग की जा रही है। जीएसटी परिषद ने इस पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए 13 सदस्यीय मंत्री समूह गठित करने का निर्णय लिया था। मंत्री समूह को अक्तूबर अंत तक परिषद को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। बीमा प्रीमियम पर परिषद द्वारा अंतिम निर्णय नवंबर में होने वाली बैठक में लिया जाएगा।

साइकिल के भी घट सकते हैं दाम

मंत्री ने कहा, आम लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली साइकिल पर दर कम करने पर मंत्री समूह विचार-विमर्श करेगा। साइकिल और उसके कलपुर्जों पर 12 प्रतिशत कर है। ई-साइकिल पर पांच फीसदी है।

कानूनन 40 प्रतिशत तक लग सकता है कर

जीएसटी कानून के तहत वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 प्रतिशत तक का कर लगाया जा सकता है। हालांकि, 18 प्रतिशत कर वाली कुछ वस्तुएं जैसे बाल, ड्रायर, हेयर कलर तथा मेकअप उत्पाद फिर से 28 प्रतिशत स्लैब में आ सकते हैं। पश्चिम बंगाल ने सुझाव दिया कि जीएसटी परिषद की 23वीं बैठक में लिए गए निर्णय पर फिर से विचार किया जाना चाहिए, जिसमें 28 प्रतिशत के स्लैब को हटाकर 178 वस्तुओं पर कर की दरें घटाई गई थीं। साथ ही वस्तुओं पर कर की दर को घटाकर पांच प्रतिशत पर लाकर आम आदमी को राहत मिलेगी। खाद्य वस्तुओं को 12 प्रतिशत की दर से पांच प्रतिशत की दर पर लाने से कीमतों में कमी के रूप में राहत मिलेगी।

रिपोर्ट: मकानों की कीमतें 23 फीसदी बढ़ीं, बिक्री 11 फीसदी घटी; त्योहारी तिमाही में बढ़ सकती है मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। शीर्ष सात शहरों में कीमतों में 23 फीसदी की तेजी से जुलाई-सितंबर में मकानों की बिक्री 11 प्रतिशत घट गई है। साथ ही, नए लॉन्च भी कम हो गए हैं। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के मुताबिक, इस दौरान कुल 1.07 लाख घर बिके हैं। एक साल पहले समान तिमाही में 1.20 लाख घर बिके थे। एनारॉक की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी सात शहरों में बिक्री में गिरावट आई है। इस साल जुलाई-सितंबर में 93,750 नए मकान बने हैं जो एक साल पहले समान तिमाही में 1.16 लाख था। त्योहारी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) के दौरान डेवलपर्स के पास कई परियोजनाएं हैं। इससे इस दौरान बाजार में तेज मांग हो सकती है। दिल्ली -एनसीआर में दो फीसदी घटी बिक्री... दिल्ली-एनसीआर में जुलाई-सितंबर में बिक्री दो फीसदी गिरकर 15,570 इकाई रह गई है। बंगलूरू में 8 फीसदी घटकर 15,025 यूनिट रह गई है। हैदराबाद में 22 फीसदी, कोलकाता में 25 फीसदी, चेन्नई में 9 फीसदी की कमी आई है। हैदराबाद में सबसे अधिक औसत 32 फीसदी दाम बढ़े हैं। मुंबई महानगर में बिक्री छह फीसदी घटी है जबकि पुणे में 17 फीसदी की कमी आई है।

मेरिका के ऊंचे शुल्क से चीन की डंपिंग की संभावना, भारत को सावधान रहने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। 27 सितंबर से अमेरिका द्वारा चीन के उत्पादों पर 7.5 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक के ऊंचे शुल्क लगाने के फैसले के बाद भारत के सामने चीन से बड़े पैमाने पर उत्पादों की डंपिंग का खतरा मंडरा रहा है। चीन के सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन, लिथियम-आयन बैटरी, सीरिंज और इस्पात जैसे उत्पादों पर लगाए गए इन ऊंचे शुल्कों से चीन को अमेरिकी बाजार में चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अब आशंका जताई जा रही है कि चीन अपने अतिरिक्त उत्पादों को भारत जैसे बाजारों में निर्यात कर सकता है, जिससे भारतीय उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है।

भारतीय उद्योगों पर बढ़ सकता है दबाव

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन के उत्पादों की इस डंपिंग से भारतीय उद्योगों, खासकर स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों को कड़ी चुनौती का

सामना करना पड़ेगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने सुझाव दिया है कि भारत को अपने उद्योगों की सुरक्षा के लिए त्वरित कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को वाणिज्य विभाग के तहत एक वार रूम स्थापित करना चाहिए, जो इन उत्पादों के आयात पर नजर रख सके और समय पर हस्तक्षेप कर सके। इससे घरेलू उद्योगों को चीन की डंपिंग से बचाने में मदद मिलेगी।

भारतीय स्टील उद्योग के सामने खतरा

भारतीय स्टील संघ के महासचिव आलोक सहाय ने बताया कि पिछले साल चीन से भारत में स्टील का आयात 91 प्रतिशत बढ़ गया था और इस साल भी इसमें तेजी आई है। चीन, अपने निर्यात बाजारों पर बंदिशों के कारण, भारत जैसे देशों में स्टील डंप कर रहा है। हालांकि, डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की प्रक्रिया लंबी होने के कारण भारतीय उद्योगों को तुरंत राहत मिल पाना मुश्किल है।

आयात-निर्यात का असंतुलनअग

स्त 2024 के आयात-निर्यात आंकड़ों के अनुसार, चीन को भारत से होने वाला निर्यात 22.44 प्रतिशत घटकर 1 अरब डॉलर रह गया, जबकि चीन से आयात 15.5 प्रतिशत बढ़कर 10.8 अरब डॉलर हो गया। यह व्यापार असंतुलन भारत के लिए चिंता का विषय है। अमेरिकी नीति का असर भारत के सोलर पैनल और ईवी उद्योग पर भी पड़ सकता है। सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च के सीईओ डी धनुराज ने कहा कि अमेरिका द्वारा ईवी और सोलर पैनलों पर शुल्क बढ़ाने से भारत और अन्य विकासशील देशों को कोई बड़ा फायदा नहीं होगा। हालांकि, इंडियन सोलर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विनी सहगल ने बताया कि भारत में सोलर पैनल डंपिंग रोकने के लिए सरकार ने कड़े नियम लागू किए हैं, जिनके कारण चीन अपने पैनल भारत में आसानी से नहीं बेच सकता।

एक झटके में कमाए 17.1 अरब डॉलर! मस्क, बेजोस, जकरबर्ग के साथ 200 अरब क्लब में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांसीसी कारोबारी और दुनिया की सबसे बड़ी लग्जरी गुड्स कंपनी एलवीएमएच मोएट हेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ में गुरुवार को 17.1 अरब डॉलर यानी करीब 14,30,01,31,50,000 रुपये की तेजी आई। इसके साथ ही वह 200 अरब डॉलर क्लब में शामिल हो गए हैं। उनकी नेटवर्थ 201 अरब डॉलर पहुंच गई है। अरनॉल्ट और परिवार की एलवीएमएच में 47.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस लग्जरी हाउस के पास अभी 70 से अधिक ब्रांड हैं। संभवत यह पहला मौका है जब दुनिया के टॉप चार रईसों की नेटवर्थ 200 अरब डॉलर से ज्यादा है। इस लिस्ट में टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क, ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस, फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग और अरनॉल्ट शामिल हैं। मस्क 268 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर है। बेजोस 214 अरब डॉलर के साथ दूसरे, जकरबर्ग (202 अरब डॉलर) तीसरे और अरनलॉल्ट (201 अरब डॉलर) चौथे नंबर पर हैं। इस साल जकरबर्ग की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 73.5 अरब डॉलर की तेजी आई है। लैरी एलिसन (181 अरब डॉलर) पांचवें, बिल गेट्स (163 अरब डॉलर) छठे, स्टीव बालमर (149

अरब डॉलर) सातवें, लैरी पेज (147 अरब डॉलर) आठवें, वॉरेन बफे (143 अरब डॉलर) नौवें और सर्गेई ब्रिन (139 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर है।

अनिल अंबानी की एक और कंपनी कर्ज मुक्त होने के करीब, समय से पहले चुका दिए 850 करोड़

अंबानी और अडानी भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी इस लिस्ट में 13वें स्थान पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ 114 अरब डॉलर है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 105 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 15वें नंबर पर जमे हुए हैं। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 20.5 करोड़ डॉलर की तेजी आई। दुनिया में 17 अरबपतियों की नेटवर्थ 100 अरब डॉलर से ज्यादा है।

शुरू में सबने नकारा, फिर जीता ऐसा भरोसा कि सालाना 70 लाख की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के बनासकांठा जिले के भावेश पुरोहित ने ऑर्गेक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनोखी पहल की है। उन्होंने धेनु प्रसाद नाम की कंपनी शुरू की है। यह गोमूत्र से प्राकृतिक खाद बनाती है। भावेश ने 2017 में इस कंपनी की नींव रखी थी। आज यह कंपनी 70 लाख रुपये सालाना कमाई कर रही है। आइए, यहां भावेश की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बायोटेक्नोलॉजी से ग्रेजुएशन

गुजरात के बनासकांठा जिले के भाभार में धेनु प्रसाद केमिकल कीटनाशकों की जगह गोमूत्र से बनी प्राकृतिक खादों को बढ़ावा देती है। भावेश पुरोहित ने 2017 में इस कंपनी को शुरू किया था। वह इसी जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने बायोटेक्नोलॉजी में डिग्री ले रखी है। भावेश को अपने पिता से प्रेरणा मिली। वह एक गौशाला के जरिए बेसहारा गायों को बचाते थे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही भावेश ने अपने पिता को गायों को बचाने के लिए संघर्ष करते देखा।

ऐसे आया विचार

भावेश पुरोहति ने देखा कि बहुत सारी गायों को यूं ही छोड़ दिया जाता है। इसके लिए उन्हें कोई स्थायी समाधान खोजना था। वह चाहते थे कि किसानों के लिए ये गायें आर्थिक रूप से फायदेमंद हों। गोमूत्र को 100 प्रतिशत प्राकृतिक खाद में बदलने का विचार धेनु प्रसाद की शुरुआत थी। उन्हें पता था कि इस तरह से किसानों के लिए गायों को रखना संभव होगा। किसानों को जैविक खेती का लाभ मिलेगा। अंतिम उपभोक्ता को ताजा, अधिक प्राकृतिक खाद्य उत्पाद मिलेंगे। इसी विचार की बुनियाद पर धेनु प्रसाद एग्रोवेट लिमिटेड की स्थापना हुई।

तीन साल की रिसर्च के बाद स्टार्टअप ने गोमूत्र खाद सफलतापूर्वक लॉन्च की। इससे मिट्टी की सेहत में काफी सुधार होता है। शुरुआत में भावेश ने अपने पिता की गौशाला से सिर्फ 50 लीटर गोमूत्र जुटाया। किसान जैविक खेती के बारे में ज्यादा नहीं जानते थे। ऐसे में वे बहुत असमंजस में थे। भावेश पुरोहित लगभग हर दिन आसपास के गांवों और खेतों में जाते थे। सिर्फ अस्वीकृति ही मिलती थी। कोई भी इसे आजमाने को तैयार नहीं था। फिर उन्होंने किसानों को गोमूत्र खाद के फायदों के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया। आज धेनु प्रसाद गोमूत्र डेयरी बनकर उभरी है। यह 500 से ज्यादा किसानों को ऑर्गेनिक खेती अपनाने में मदद कर रही है। कंपनी हर महीने 45,000 लीटर गोमूत्र को प्रोसेस करती है। यह धनरक्षक (प्राकृतिक कीटनाशक) और धनभूमि (मृदा कंडीशनर) जैसे उत्पाद पेश करती है। वित्त वर्ष 203-24 में कंपनी का रेवेन्यू 70 लाख रुपये रहा। कंपनी अपने कामकाज का विस्तार करने की योजना बना रही है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, २८ सितंबर 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

ऋषभ में गिलक्रिस्ट दिखता है: युवराज

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने ऋषभ पंत और महान ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट के बीच समानताएं बताई हैं। युवराज ने खेल पर खासकर मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते समय पंत के प्रभाव पर प्रकाश डाला। युवराज ने क्लब प्रेयरी फायर पॉडकास्ट में कहा कि ऋषभ में बहुत सारे गिलक्रिस्ट हैं क्योंकि वह आते हैं और जब पांचवें और छठे नंबर पर आते हैं तो खेल बदल देते हैं। दरअसल, मैंने पंत से इस बारे में बहुत जिक्र किया है कि कैसे गिलक्रिस्ट ने टेस्ट में मध्य क्रम की बल्लेबाजी को बदल दिया, उनका दृष्टिकोण क्या है। वह निश्चित रूप से टेस्ट में हमारे लिए पांचवें और छठे नंबर पर मैच विजेता है।

पंत की आक्रामक शैली और अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख बदलने की क्षमता की तुलना अक्सर गिलक्रिस्ट से की जाती है, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका में क्रांति ला दी। युवराज की टिप्पणियां भारत की टेस्ट लाइनअप में पंत की महत्वपूर्ण भूमिका की बढ़ती मान्यता को दर्शाती

हैं। युवराज की टिप्पणी तब आई है जब पंत खेल के सभी प्रारूपों में भारत के लिए खुद को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करते जा रहे हैं। पहले से ही कई मैच विजेता प्रदर्शनों के साथ मध्य क्रम में पंत का प्रभाव तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है, ठीक उसी तरह जैसे ऑस्ट्रेलिया के लिए गिलक्रिस्ट का था।

पंत ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट फॉर्मेट में डेब्यू किया था। टेस्ट में 26 वर्षीय पंत ने 34 मैच और 58 पारियां खेलीं और 74.11 की स्ट्राइक रेट से 2419 रन बनाए। एक गंभीर कार दुर्घटना के बाद ठीक होने के बाद ऋषभ पंत ने बांग्लादेश श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय टेस्ट में वापसी की। भारत की ओर से श्रृंखला के पहले मैच में दूसरी पारी में शतक सहित उनके तेज स्कोर ने उन्हें आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में वापस ला दिया है और वह छठे स्थान पर हैं।

पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में दूसरी पारी में 128 गेंदों में 85.16 के स्ट्राइक रेट से 109 रन की पारी खेली। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ने क्रीज पर अपने समय के दौरान 13 चौके और 4 छक्के लगाए। भारत की दूसरी पारी के 56वें ओवर में मेहदी हसन मिराज द्वारा उन्हें आउट करने के बाद उनकी पारी समाप्त हो गई।

नीरज चोपड़ा ने किया खुलासा-

चोट अब ठीक है, अगला बड़ा लक्ष्य 2025 विश्व चैंपियनशिप

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आगामी सत्र के लिए शत प्रतिशत फिट होने का वादा करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2025 टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में पोडियम पर जगह हासिल करना है। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता नीरज ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे। वह अपने मौजूदा सत्र को समाप्त कर स्वदेश वापस आ गए हैं।टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक अपने नाम किया। वह लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। इस 26 साल के खिलाड़ी ने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय की 'मिशन ओलंपिक 2036' पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर कहा, मेरा सत्र अब खत्म हो गया है। अगले साल का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप है और हम इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर देंगे। ओलंपिक हमेशा हमारे दिमाग में रहता है, लेकिन उसके लिए हमारे पास चार साल हैं।विश्व चैंपियनशिप अगले साल 13 से 21 सितंबर तक आयोजित होने वाली है। चोपड़ा पूरे साल मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे और इससे ओलंपिक और डायमंड फाइनल दोनों में उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। डायमंड लीग फाइनल में उन्होंने टूटे हुए बाएं हाथ के साथ भी प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही थी ताकि यह तय किया जा सके कि चोट से उबरने के लिए सर्जरी की जरूरत होगी या नहीं।

क्या बारबाडोस के बाद यूएई में भी इतिहास रचेगी टीम इंडिया!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह साल अब तक शानदार रहा है। एक तरफ रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतकर भारत का परचम बुलंद किया और अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला टीम यूएई में तिरंगे की शान बढ़ाने पहुंच चुकी है। भारत की महिला टीम टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। क्रिकेट फैंस को टूर्नामेंट के आगाज का बेसब्री से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद करीब से चूक गई थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का दबाव टीम इंडिया पर हावी हो गया था। मगर, इस बार यह टीम हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। कोच मजूमदार विश्व कप की तैयारियों को लेकर आश्वस्त हैं, जबकि टीम की कप्तान का मानना है कि उनके पास टी20 विश्व कप के लिए एक सर्वश्रेष्ठ टीम है।स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में खतरनाक सलामी जोड़ी है, जो अच्छे-अच्छे बॉलिंग लाइन-अप की बखिया उधेड़ने का माद्दा रखती हैं।मिडिल ऑर्डर में खुद हरमनप्रीत जिम्मा उठाएंगी जबकि फिनिशर की भूमिका में ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी धाकड़ खिलाड़ी शामिल हैं। गेंदबाजी में टीम के पास पूजा वस्त्रकर, अरुंधति रेड्डी और रेणुका सिंह जैसी गेंदबाज हैं। इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।भारतीय महिला क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में बेहतरीन प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है, लेकिन बड़े मंच और खिताब जीतने का सपना अब भी अधूरा है।

रविचंद्रन अश्विन एशिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने

कानपुर, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट मैच में आर अश्विन ने पहली पारी में जैसे ही कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो को आउट किया उन्होंने इतिहास रच दिया और एशिया में वो टेस्ट प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड अनिल कुंबले के नाम पर दर्ज था, लेकिन अब अश्विन उनसे आगे निकल गए।

अश्विन ने तोड़ा कुंबले का महारिकॉर्ड

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अश्विन ने जैसे ही विरोधी टीम के कप्तान शान्तो को आउट किया उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अश्विन ने शान्तो को पहली पारी में 31 रन के स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया और भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इस विकेट को लेते ही अश्विन एशिया में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बन गए। एशिया में अश्विन ने टेस्ट प्रारूप में अब तक कुल 420 विकेट (खबर लिखे जाने तक) लिए हैं जबकि अनिल कुंबले ने एशिया में कुल 419 विकेट लिए थे।

इंडिया वर्सेस बांग्लोदश टेस्ट: बारिश ने बिगाड़ा पहले दिन का खेल

कानपुर, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच का पहला दिन बारिश के नाम रहा। लंच के बाद कुछ ओवर का खेल ही हुआ था कि फिर जबरदस्त बारिश के कारण खेल संभव नहीं हो पाया। बांग्लादेश ने इस दौरान 3 विकेट खोकर 107 रन बना लिए।

(गुरुवार) रात हुई बारिश के कारण मैदान गीला होने से सुबह के सत्र का खेल कुछ देरी के साथ शुरू हुआ। हालांकि, पहले सत्र में बारिश तो नहीं हुई लेकिन बांग्लादेश की टीम ने इस सत्र में दो विकेट गंवाए। दूसरा सत्र भी थोड़ी देरी से शुरू हुआ, इस बीच ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को आउट कर तीसरा विकेट निकाला। लेकिन इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई और पूरे मैदान को कवर से ढक दिया गया।

मैच अधिकारियों ने बारिश न रूकने के संभावना को देखते हुए दिन का खेल समाप्त

करने का फैसला किया। मैच के दूसरे दिन शनिवार को खेल आधा घंटा पहले शुरू होगा। सुबह भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पिछले मैच में दो विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारत को पहली सफलता 9वें ओवर में दिलाई, जब उन्होंने जाकिर हसन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच करा दिया। जाकिर हसन ने 24 गेंदों का सामना किया लेकिन खाता नहीं खोल पाए।

चोट के कारण ड्वेन ब्रावो ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 से चोट के कारण बाहर होने वाले ड्वेन ब्रावो ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की पुष्टि की है। पिछले साल आईपीएल से संन्यास लेने वाले ब्रावो टी20 इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। ब्रावो टी20 क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ी हैं।

वेस्टइंडीज के इस महान खिलाड़ी ने इससे पहले 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और तब से टी20 लीग में खेल रहे हैं और कोचिंग में भी हाथ आजमा रहे हैं। पिछले 12 महीनों में, ब्रावो ने अपनी आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ काम किया है। उन्हें वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2024 टी20 वर्ल्ड कप के लिए अफगानिस्तान का गेंदबाजी सलाहकार भी नियुक्त किया गया था। टी20 क्रिकेट में अपने 18 साल के करियर में, ब्रावो ने आईपीएल, पाकिस्तान सुपर लीग के साथ-साथ बिग बैश लीग में अपनी सीपीएल टीमों के साथ चैंपियनशिप जीती। उनके पांच सीपीएल खिताबों में से तीन ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ हैं, जिसने उन्हें 2017 और 2018 में लगातार ट्रॉफी दिलाई और फिर 2021 में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को पहला खिताब दिलाया।

चेस ओलंपियाड में गोल्ड जीतने वाली हरिका बेटी को क्यों नहीं बनाना चाहती शतरंज खिलाड़ी, 20 साल में कितनी बदल गई स्टार खिलाड़ी की जिंदगी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए चेस ओलंपियाड में गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए भारतीय चेस फेडरेशन ने सम्मान समारोह रखा था। मंच पर सभी खिलाड़ी एक साथ बैठे हुए थे। डी हरिका की गोद में उनकी दो साल की बेटी थी। लोगों की तरफ नहीं बल्कि वह पीछे लगे बैकग्राउंड की ओर देख रही थी जिसमें उनकी मां की तस्वीर थी। वह हरिका को वह तस्वीर दिखा रही थीं। हरिका के बगल में बैठे थे कैंडिटेट्स चैंपियन डी गुकेश। वह हरिका की बेटी हानविका की खुशी देख रहे थे। हानविका के चेहरे पर हंसी और आंखो में अपनी मां की तस्वीर को देखकर एक अलग चमक थी।

हरिका ने चेस के लिए बहुत कुछ त्यागा

हरिका अपने करियर के साथ-साथ बेटी को भी संभालती हैं। चेस ओलंपियाड के कारण उन्हें लगभग तीन हफ्ते बेटी से दूर रहना पड़ा। हरिका ने चेस के लिए बहुत त्याग किए हैं। उन्होंने अपने दो दशक लंबे करियर में कई सफलताएं हासिल की। वह भारतीय चेस में अब एक बड़ा नाम हैं। हालांकि वह नहीं चाहती कि उनकी बेटी शतरंज की खिलाड़ी बने।

हरिका नहीं चाहती बेटी बने चेस खिलाड़ी

हरिका से सवाल किया गया कि क्या वह चाहती हैं कि उनकी बेटी भी उनकी तरह चेस खिलाड़ी बने। हरिका ने कहा, 'हानविका बहुत छोटी है, अभी कुछ नहीं कह सकती। उसे अपना करियर चुनने की आजादी होगी। हालांकि अगर आप मुझसे पूछेंगे तो मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटी चेस खिलाड़ी बने।'

हरिका से जब इसका कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं चेस में सबकुछ देख चुकी हूं। सारे उतार-चढ़ाव। मैं इस खेल के बारे में सबकुछ जानती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी कोई और खेल चुनें ताकि उसके कारण मैं भी एक नया खेल सीख सकूं। मैंने सोचा है कि वह कौन सा खेल होगा लेकिन मैं अभी बताऊंगी नहीं। मैं नहीं चाहती कि मेरे प्लान को नजर लग जाए।'

पहले ओलंपियाड में तोहफे में मिला था सॉफ्ट टॉय

हरिका बुडापेस्ट में चेस ओलंपियाड गोल्ड जीतने वाली महिला टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ी थीं। 13 साल की उम्र में पहली बार ओलंपियाड खेलने वाली हरिका का गोल्ड जीतने का सपना 20 साल बाद पूरा हुआ है। हरिका ने अपने पहले ओलंपियाड और बुडापेस्ट ओलंपियाड का अंतर बताते हुए कहा, 'जब मैंने अपना पहला ओलंपियाड खेला तो मैं केवल 13 साल की थी। मैं बहुत दबाव में थी। वह दबाव मुझ पर हावी हो रहा था। हमारे कोच को यह दिख रहा था। उन्होंने तब मेरे लिए एक सॉफ्ट टॉय खरीदा और तोहफा में दिया। मैं वह देखकर बहुत खुश हो गई। जबकि इस बार जब मैं गई तो मेरी दो साल की बेटी है। 20 सालों में बहुत कुछ बदल गया।'

आखिरी राउंड में भावुक हो गई थीं हरिका

हरिका को कुछ समय पहले तक यह नहीं पता था कि वह चेस ओलंपियाड में हिस्सा लेंगी। महिला टीम के कप्तान अभिजित कुंठे चाहते थे कि टीम में एक अनुभवी खिलाड़ी हो। कुनेरू हंपी के मना करने के बाद हरिका ने कुछ समय लिया और फिर वह तैयार हो गई। हरिका का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार नहीं था। हालांकि आखिरी दिन उनकी अहम जीत ने टीम को गोल्ड दिलाया। इस मैच को जीतने के बाद हरिका बहुत भावुक हो गई थीं।

20 साल का इंतजार हुआ खत्म

हरिका ने बताया कि वह आंसू खुशी के आंसू थे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जिन खिलाड़ियों को मैं जानती हूं उनमें स्वर्ण के लिए मेरा इंतजार सबसे लंबा रहा है। इतने सालों में मुझे कभी समझ नहीं आया कि गोल्ड क्यों नहीं जीत पा रही हूं। पिछली बार यह मेरी गर्भावस्था के दौरान था और उसके बाद मुझे किसी तरह संदेह होने लगा कि क्या ऐसा होगा (भारत का स्वर्ण पदक जीतना)।' हरिका ने कहा, ÷मैं एक भावुक इंसान हूं और मां बनने के बाद मैंने खुलकर अपनी भावनाएं जाहिर करना शुरू कर दिया है।

डब्ल्यूएफआई और सरकार की लड़ाई में फंस गए पहलवान, संजय सिंह ने लिया बड़ा एक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती फिर विवादों में है। संजय सिंह की अगुआई वाले भारतीय कुश्ती महासंघअभी खेल मंत्रालय से मान्यता के लिए संघर्ष कर रहा है। इस बीच उसने साल की शुरुआत में जयपुर में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप के पदक विजेताओं पर अगले महीने होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल में हिस्सा लेने से रोक लगा दी है। इस चैंपियनशिप को सरकार का समर्थन प्राप्त था। इसके विपरीत पुणे में डब्ल्यूएफआई की ओर से आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीतने वालों को ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी गई है। यह कंपटीशन सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए उन्हें हरी झंडी दे दी गई है। ट्रायल 7 अक्टूबर को दिल्ली के बाहरी इलाके में आयोजित किए जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप गैर-ओलंपिक भार श्रेणियों में 28 से 31 अक्टूबर तक अल्बानिया के तिराना में आयोजित की जाएगी। हालांकि, दो राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लगभग आठ महीने बाद देश के शीर्ष पहलवान अनजाने में खेल को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करने वालों के बीच रस्साकशी में फंस गए हैं।

फिर विवादों में कुश्ती

कोच ने बताया, बिना किसी गलती के पहलवानों को इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। दो राष्ट्रीय चैंपियनशिप इसलिए आयोजित की गई क्योंकि खेल में अजीबोगरीब स्थिति थी। इतने महीनों के बाद, पहलवानों के एक समूह के खिलाफ कार्रवाई करना दुर्भाग्यपूर्ण है।÷जयपुर नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन फरवरी में रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड द्वारा किया गया था और इसे सरकार का समर्थन भी प्राप्त था। चूंकि निलंबित डब्ल्यूएफआई ने लगभग उसी समय पुणे में इस कंपटीशन का आयोजन किया था, इसलिए खेल मंत्रालय ने कहा था कि वह इस कंपटीशन को मान्यता नहीं देगा।

24 सितंबर के एक सर्कुलर में डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष और यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह ने चयन ट्रायल में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पहलवानों के लिए पात्रता मानदंडों को रेखांकित किया। इसमें कहा गया, पुणे में आयोजित 2023 सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप के सभी पदक विजेता, 2024 सीनियर फेडरेशन कप के स्वर्ण और रजत पदक विजेता, 6 अक्टूबर को होने वाले अंडर-23 चयन ट्रायल के दूसरे स्थान पर रहने वाले पहलवान और 2024 एशियाई चैंपियनशिप और एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए चुने गए सभी पहलवान विश्व चैंपियनशिप ट्रायल के लिए पात्र होंगे। राष्ट्रीय कोचों के अनुसार, इस निर्णय के परिणामस्वरूप जयपुर नेशनल्स में पदक जीतने वाले कई शीर्ष स्तर के पहलवान महाद्वीपीय कंपटीशन के लिए टीम का हिस्सा नहीं थे। वे ट्रायल में भाग लेने में असमर्थ होंगे। सरकार ने अभी तक संजय सिंह की अगुआई वाली समिति को औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है, जो डब्ल्यूएफआई को चला रही है। चुनाव जीतने के बाद, सरकार ने संजय की बृजभूषण से 'निकटता' के कारण परिणामों को अलग रखा।

काजोल और कृति सेनन की दो पत्ती की रिलीज पर आया अपडेट

अभिनेत्री कृति सेनन इस साल क्रू और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आई थी। अब वह ओटीटी पर शशांक चतुर्वेदी की दो पत्ती में नजर आने वाली हैं। खबरों की मानें तो फिल्म के मेकर्स काफी समय से चल रही इस फिल्म को अक्तूबर के आखिरी सप्ताह में रिलीज कर सकते हैं।

पिछले साल रिलीज की हुई थी घोषणा

दो पत्ती पिछले साल 2023 दिसंबर में रिलीज किए जाने की घोषणा मेकर्स ने की थी। इस पोस्टर में काजोल, कृति सेनन को पोस्ट में देखा गया था। दो पत्ती टीजर में कृति सेनन एक कॉप के किरदार में नजर आ रही हैं। काजोल ने पहली बार किसी फिल्म में कॉप का किरदार निभाया है।

जरीन खान ने निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ काम करने की इछा जताई

अभिनेत्री ज़रीन खान ने जब भी स्क्रीन पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, सुर्खियाँ बटोरी हैं। उनके फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि वे कब अपनी अगली फ़ल्मि की घोषणा करेंगी। फैंस की उत्सुकता के बीच, ज़रीन ने कहा है कि वे निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ मिलकर कोई फ़ल्मि बनाना चाहती हैं। कॉमेडी, एक्शन और ड्रामा को एक साथ मिलाने की उनकी क्षमता की प्रशंसा करते हुए ज़रीन ने कहा कि वे गोलमाल या चेन्नई एक्सप्रेस जैसी कोई फ़ल्मि करने के लिए उत्सुक हैं, जिसे उन्होंने सिनेमाघरों में देखने का भरपूर आनंद लिया। अपनी एक्शन और कॉमेडी ब्लॉकबस्टर के लिए मशहूर शेट्टी दर्शकों के बीच पसंदीदा बन गए हैं। फ़ल्मिमेकर के बारे में बात करते हुए, ज़रीन ने कहा, मैं एक दर्शक के तौर पर रोहित शेट्टी की फ़ल्मिों का वास्तव में आनंद लेती हूँ।

वे उन डायरेक्टर्स में से एक हैं, जिनकी फ़ल्मिें मैं सिनेमाघरों में देखती हूँ क्योंकि वे कम्युनिटी एक्सपीरियंस होती हैं। मैं उनके जुनून और अपने काम के प्रति समर्पण की प्रशंसा करती हूं, और जिस तरह से वह एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी को एक साथ लाते हैं, उससे रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर फिल्में बन जाती हैं। उनकी गोलमाल- फन अनलिमिटेड मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है, जिसे मैं अक्सर देखना पसंद करती हूं।

फिलहाल, ज़रीन अपनी फिटनेस पर काम कर रही हैं, जिससे लोगों की जिज्ञासा बढ़ गई है कि क्या वह अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी कर रही हैं। एक्ट्रेस फिलहाल कई दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। उन्होंने कुछ प्रोजेक्ट्स को लॉक कर दिया है, जिनकी घोषणा वह जल्द ही करेंगी।

आदित्य धर की एक्शन फिल्म के लिए रणवीर सिंह ने कसी कमर

इस महीने से फिर शुरू करेंगे शूटिंग

रणवीर सिंह ने 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना का थाईलैंड में एक महीने का पहला शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके बाद वह फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करने जा रहे हैं। अभिनेता रणवीर सिंह के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी की खबर है। रणवीर सिंह नवंबर के शुरुआत में 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना की शूटिंग फिर से शुरू करने वाले हैं। बता दें कि हाल ही में अभिनेता के घर बेटी का आगमन हुआ है। वह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ बची के जन्म का जश्न मना रहे हैं। खुशियों के इस मौके पर अभिनेता के प्रशंसकों के लिए उत्सुकता और उत्साह से भरी खबर सामने आई है। परियोजना से जुड़े सूत्र ने क्या कहा?

परियोजना से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, 'बैंकॉक, थाईलैंड में हमारी शूटिंग बहुत ही उत्पादक रही है। अब रणवीर अगले शेड्यूल के लिए नवंबर में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम इस समय कई जगहों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दे सकते हैं, लेकिन पहले शेड्यूल में हमने जो उच गुणवत्ता वाला उत्पाद देखा है, उसके बाद अगले अध्याय के लिए उत्साह बहुत अधिक है।'

दमदार अभिनय से दर्शकों को लुभाएंगे रणवीर

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कई बेहतरीन कलाकार हैं और इसकी घोषणा ने पूरे उद्योग और प्रशंसकों के बीच चर्चा पैदा कर दी है। जैसे-जैसे उम्मीद बढ़ रही है, दर्शक एक बार फिर रणवीर का दमदार अभिनय देखने के लिए उत्सुक हैं। उनका किरदार दर्शकों को पूरा मनोरंजन देने का दावा करता है। आदित्य धर की इस गंभीर कहानी में अभिनेता की तीव्रता को को दर्शाया गया है।

अनुष्का सेन ने रचा इतिहास!

न्यू यॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में परफॉर्म करने वाली बनीं पहली भारतीय कलाकार!

अनुष्का सेन ने न्यूयॉर्क सिटी के टाइम्स स्क्वायर में स्टेज पर लाइव परफॉर्म कर, ऐसा करने वाली पहली इंडियन आर्टिस्ट्स बनकर इतिहास रच चुकी हैं। टैलेंटेड एक्टर्स ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) के लिए यूनाइटेड नेशन के यंग लीडर एवाई यंग के साथ हाथ मिलाते हुए वेस्ट में एक सिंगर के रूप में भी अपना डेब्यू कर दिया है। साथ में, उन्होंने एवाई यंग के बैटरी टूर पर परफॉर्म किया, जिसका मकसद स्वछ ऊर्जा का इस्तेमाल करके 1,000 कंसर्ट को पावर करना है। अनुष्का ने एवाई यंग के साथ मिलकर प्रोजेक्ट 17 के सॉन्ग ग्रेजुएशन पर परफॉर्म किया, जो यूनाइटेड नेशन के 17 सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स से प्रेरित एक म्यूजिक एल्बम है। ग्रैमी अवॉर्ड विनर केन लुईस द्वारा बनाया गया सॉन्ग ग्रेजुएशन अनुष्का के शिक्षा के लिए मजबूत समर्थन को दिखाता है। टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में यह इवेंट क्लाइमेट ग्रुप द्वारा आयोजित क्लाइमेट वीक का हिस्सा था। यह खास पल अनुष्का के करियर में एक बड़ा कदम है और दुनिया को उनके टेलेंट को दिखाता है।

टाइम्स स्क्वायर पर अपने परफॉर्मेंस के दौरान अनुष्का जयपुर के एक लोकल डिजाइनर द्वारा डिजाइन किए गए खूबसूरत आउटफिट में आत्मविश्वास से भरी नजर आईं, जिससे इंडियन ब्रांड्स और सस्टेनेबिलिटी के लिए उनका समर्थन दिखा। उन्होंने अपने आउटफिट के साथ छोटी सी बिंदी लगाई थी जो उनके लुक को एक कल्चरल टच दे रही थी। लाइव बैंड के साथ परफॉर्म करते हुए, उन्होंने अपनी आवाज से बहुत ही कॉन्फिडेंट के साथ इंटरनेशनल स्टेज पर इंडिया को गर्व के साथ रिप्रेजेंट किया। दुनिया के सबसे बिजी जगह में से एक पर आयोजित इस इवेंट ने वैश्विक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए कमिटमेंट को

दिखाया। अपने अनुभव को याद करते हुए अनुष्का ने शेयर करते हुए कहा, मैं बहुत आभारी हूँ कि मुझे टाइम्स स्क्वायर पर परफॉर्म करने वाली पहली इंडियन बनने का मौका मिला। यह सच कि दुनिया भर से लोग हमें परफॉर्म करते हुए देख रहे थे, एक कमाल का अनुभव था। मैं एवाई यंग की बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे यह मौका दिया और केन लुईस जो सिर्फ़ हमारा समर्थन करने के लिए यहाँ आए, इससे मुझे ऐसा महसूस होता है जैसे अमेरिका में मेरा एक परिवार है।

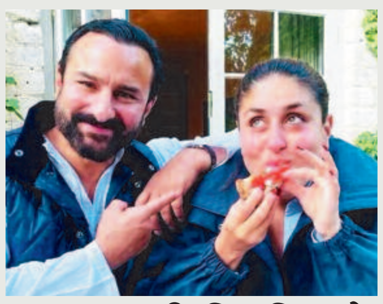

प्रभास की स्पिरिट से जुड़े सैफ अली खान-करीना कपूर!

प्रभास अपनी अगली फिल्म स्पिरिट को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच रिपोर्ट आई है कि इसमें रियल लाइफ जोड़ी करीना कपूर खान और सैफ अली खान भी नजर आएंगे।

तेलुगु सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी अगली फिल्म स्पिरिट को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में प्रभास एक दमदार पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। बड़े पर्दे पर प्रभास को वर्दी में देखने के लिए प्रशंसक काफी यादा उत्साहित हैं। इसी बीच फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, बॉलीवुड के पावर कपल सैफ अली खान और करीना कपूर खान कथित तौर पर स्पिरिट में खलनायक का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सैफ अली खान और करीना कपूर खान फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। अगर यह कास्टिंग समाचार सच है, तो यह वास्तविक जीवन में विवाहित जोड़े द्वारा स्क्रीन पर विलेन की भूमिका निभाने का एक दुर्लभ उदाहरण है।

एलओसी कारगिल, ओमकारा, टशन, कुर्बान और एजेंट विनोद के बाद यह जोड़ी छठी बार स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएगी। स्पिरिट के लिए संदीप रेड्डी वंगा और प्रभास पहली बार साथ आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को 500 करोड़ के भारी भरकम बजट से तैयार किया जाएगा। हालांकि, इसको लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

निर्देशक मुझे अमीर, उच समाज का व्यक्ति नहीं मानते: मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी कई तरह की भूमिकाएँ निभाने के लिए जाने जाते हैं। हालाँकि, मनोज को एक प्रभावशाली और समृद्ध व्यक्ति के रूप में नहीं चुना गया है। अपने हाल ही में दिए गए

एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा है कि, मुझे कभी भी उच-समाज की भूमिकाओं के लिए नहीं चुना गया। मनोज ने कहा, गुलमोहर (2023) से पहले एकमात्र फ़ल्मि जिसमें मैंने एक अमीर आदमी की भूमिका निभाई थी, वह थी ज़ुबैदा (2001)। यह श्याम बेनेगल का दृढ़ विश्वास था। वह वही थे जिन्हें लगा कि असली महाराजा ग्रीक देवता नहीं थे। वे सामान्य दिखते थे। वीर-ज़ारा (2004) में, मैंने पाकिस्तान के एक राजनेता की भूमिका निभाई। इसमें मेरे दो दृश्य थे, लेकिन यशजी (चोपड़ा) अड़े थे कि मैं यह करूँ। उन्होंने पिंजर (2003) देखने के बाद मुझे कास्ट किया। इन फ़ल्मि निर्माताओं के पास वह नज़रिया था जो जीवन को करीब से देखने से उपजा है। अभिनेता ने कहा, मैंने जो भूमिकाएँ निभाईं, वे ज़्यादातर मध्यम-वर्ग और निम्न-मध्यम-वर्ग की कहानियों पर आधारित थीं।

पूजा ने अगली फिल्म पर दिया अपडेट

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने पसंदीदा खाने की झलक साझा की। इंस्टाग्राम पर 27.4 मिलियन फॉलोअर्स वाली एक्ट्रेस ने इंस्टा स्टोरी पर एक स्वादिष्ट थाली के दर्शन कराए जिसका सीधा संबंध अपनी आत्मा से बताया! साउथ इंडियन थाली वाली तस्वीर के साथ लिखा, खाना जो सीधे मेरी आत्मा में उतर जाता है। खाने को विशाल केले के पत्ते पर रखा गया था, जिस पर वड़ा, चावल, सांभर, चटनी, नारियल की चटनी, अचार और अन्य दक्षिण भारतीय व्यंजन थे। अभिनेत्री सूर्या की फिल्म सूर्या 44 (संभावित शीर्षक) की शूटिंग शेड्यूल में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन जिगरथंडा डबलएक्स के प्रसिद्ध निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज कर रहे हैं। फिलहाल, फिल्म निर्माता ने सारी जानकारी गुप्त रखी है और प्रशंसक सूर्या की दूसरी बड़ी रिलीज कंगुवा से पहले एक बड़ी अपडेट की उम्मीद कर रहे हैं, जिसका निर्देशन सिरुथाई शिवा कर रहे हैं। फिल्म14 नवंबर, 2024 को बड़े पैमाने पर अखिल भारतीय स्तर पर रिलीज होने के लिए तैयार है। सूर्या 44 के अलावा, उन्होंने हाल ही में देवा की शूटिंग पूरी की है, जिसमें वह शाहिद कपूर और पावेल गुलाटी के साथ काम कर रही हैं। शाहिद और पावेल दोनों ही फिल्म में पुलिस की भूमिका निभाते नजर आएंगे।